फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 75 संख्याः 291 प्रभात जयपुर, शनिवार 24 मई, 2025 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

ARBIT

Operation Safed Sagar

On 03 June, three enemy camps were destroyed. With Indian troops in very close proximity to the enemy, air attacks had to be carefully executed or on occasions even called off till a confirmation was received from the army that Indian troops were out of harm's way

Good Morning, Healthy Heart!

जिन विद्यार्थियों को अपनी नौकरियाँ व रिसर्च छोड़नी पड़ी हैं, फ्रांस ने उन्हें आमंत्रित किया

चीन ने भी ऐसे लोगों को अपने देश में आने का न्यौता दिया, काम करने के लिए व रिसर्च आगे बढ़ाने के लिए

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 23 मई। कुछ दिन पहले एक फ्रांसीसी मंत्री ने एक टीवी साक्षात्कार में घोषणा की कि अमेरिका में अपनी नौकरियां और शोध पद खो चुके वैज्ञानिकों का फ्रांस में स्वागत किया जाएगा और यदि वे स्थानांतरित होना चाहें तो उन्हें फ्रांसीसी विश्वविद्यालयों या अनुसंधान संस्थानों में स्थान मिल सकता है।

अब चीन ने भी अमेरिकी वैज्ञानिकों को आमंत्रित करना शुरू कर दिया है। यह सिलसिला तब से चल रहा है, जब डॉनल्ड ट्रंप ने अमेरिकी विश्वविद्यालयों और अनुसंधान संस्थानों की फण्डिंग में तीव्र कटौती की थी। हावर्ड विश्वविद्यालय में कम से कम एक चौथाई छात्र विदेशों से पढ़ने आते हैं।

इसके अलावा, तथाकथित सरकारी दक्षता विभाग (डिपार्टमैंट ऑफ गवरमैंट एफिशिएन्सी डी.ओ.जी.ई.) की नीतियों के तहत, अमेरिका भर में बेसिक साइन्स और फण्डामैंटल रिसर्च प्रोजैक्ट्स को फण्डिंग से वंचित कर दिया गया है।

- **जैसा कि विदित ही है, ट्रम्प सरकार ने अमेरिका की युनिवर्सिटीज़ व रिसर्च संस्थाओं को मिलने वाले सरकार के अनुदान में भारी कमी की है।**
- **अभी तक हावर्ड, जैसी आईबी लीग उच्चतम स्तर की युनिवर्सिटीज़ में एक चौथाई विद्यार्थी विदेशी ही हुआ करते थे और फण्डिंग कम होने से इन विदेशी मेधावी विद्यार्थियों की संख्या में भारी कमी आयी है।**
- **हावर्ड के बारे में कहा जाता था कि अगर आप इस युनिवर्सिटी की सड़कों पर घूमने निकलें तो हर चौराहे पर कोई न कोई नोबल पुरस्कार विजेता व्यक्ति मिल जाता था।**
- **स्वाभाविक ही है, चीन व फ्रांस इन मेधावी विद्यार्थियों को आकर्षित करने के लिए भारी सुख सुविधा व अनुदान देने का वादा कर रहे हैं।**
- **पर, अमेरिका ने हावर्ड में विदेशी विद्यार्थियों को प्रवेश देने पर प्रतिबंध लगा दिया है।**

जैसे कि इतना नुकसान ही काफी नहीं था, ट्रंप प्रशासन ने हावर्ड विश्वविद्यालय पर अंतरराष्ट्रीय छात्रों को प्रवेश देने पर प्रतिबंध लगा दिया है। कहा जाता है कि यदि आप हावर्ड कैम्पस में घूमें तो हर मोड़ पर कोई नोबल पुरस्कार विजेता आपसे टकरा सकता है।

हावर्ड, जो अपनी शैक्षिक उत्कृष्टता और उच्चस्तरीय वैज्ञानिक तथा अन्य अनुसंधानों के लिए जाना जाता है, अकैडमिक स्टडीज़ और रिसर्च के लिए सर्वोत्तम विद्यार्थियों और शिक्षकों को चुनता है। अब यह नया प्रतिबंध विश्वविद्यालय को उच्चकोटि के विद्यार्थियों और शोधकर्ताओं से वंचित कर देगा।

इससे न केवल नये विदेशी विद्यार्थियों का प्रवेश बाधित होगा, बल्कि वैध विद्यार्थी वीज़ा रखने वाले वर्तमान विद्यार्थियों को भी अन्य विकल्प खोजने होंगे। समस्या यह है कि यह विश्वविद्यालय, जो क्वालिटी एजुकेशन और रिसर्च, विशेष रूप से साइन्स, टेक्नॉलजी, इंजीनियरिंग और मैथेमैटिक्स विषयों, में सबसे आगे रहा है, अब "ब्रेनड्रेन" का सामना करेगा।

हावर्ड विश्वविद्यालय और अन्य आइवी लीग संस्थान अमेरिका की विज्ञान और लिबरल आर्ट्स में श्रेष्ठता के गढ़ हैं। ये विश्वविद्यालय अमेरिकी उद्योग, अनुसंधान संस्थानों और सैन्य शोध के साथ गहरा जुड़ाव रखते हैं, जिसके कारण अमेरिका नये ज्ञान के क्षेत्र

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

रिश्वत प्रकरण में विधायक पटेल को जमानत नहीं मिली

जयपुर, 23 मई। एसीबी मामलों की विशेष अदालत क्रम 1 ने विधानसभा में उठाए गए सवालों को वापस लेने के बदले रिश्वत लेने से जुड़े प्रकरण में बागीदौरा के एमएलए जयकृष्ण पटेल की जमानत अर्जी को खारिज कर दिया है। पीठासीन अधिकारी सुरेन्द्र कुमार ने अपने आदेश में कहा कि आरोपी पर आरोप है कि उसने संगठित गिरोह बनाकर ढ ाई करोड़ रूपये की रिश्वत मांगी और पहली किश्त के रूप में 20 लाख रू. लेकर गिराह के जरिए उसे खुर्दबुर्द कर दिया। यह मामला गंभीर है और उसे जमानत देने से समाज पर गलत संदेश जाएगा। वह मौजूदा एमएलए है और मामले के अनुसंधान को प्रभावित

- **एसीबी मामलों की विशेष अदालत ने मामले को गंभीर मानते हुए जमानत की अर्जी खारिज की।**

कर सकता है। मामले में अनुसंधान लंबित है। ऐसे में उसे जमानत दिया जाना उचित नहीं है।

आरोपी एमएलए की ओर से जमानत अर्जी में कहा गया कि जिन सवालों को वापस लेने की बात कही जा रही है, वह विधानसभा सत्र समाप्त हो चुका था। ऐसे में उसके पास परिवादी का कोई काम लंबित नहीं था और ना ही वह सक्षम था। शिकायतकर्ता ने परिवाद में 2.50 लाख रुपए की राशि बताई है, लेकिन उस पर 2.50 करोड़ रुपए की रिश्वत मांगने का आरोप है। अर्जी में कहा गया है कि प्रार्थी प्रतिष्ठित व्यक्ति व

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'तमन्ना भाटिया को "मैसूर संदल सोप" का "ब्रैंड एंबेसडर" कैसे बनाया'

सरकारी कम्पनी, कर्नाटक सोप्स एण्ड डिटरजैंट्स लिमिटेड, जो मैसूर संदल सोप के निर्माता हैं, को "कट्टरपंथी कन्नड़ भाषियों के भारी विरोध का सामना करना पड़ रहा है

-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

बेंगलुरु, 23 मई। अब भाषा को लेकर कट्टरता कुछ ज्यादा ही बढ़ती जा रही है। कन्नड़ कार्यकर्ताओं ने तमन्ना भाटिया को मैसूर संदल साबुन का ब्रैंड एंबेसडर बनाए जाने पर आपत्ति जताई है।

"बाहुबली" जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्मों और कई अन्य दक्षिण भारतीय फिल्मों में दमदार अभिनय के लिए मशहूर अभिनेत्री तमन्ना को कर्नाटक सोप्स एंड डिटर्जेंट्स लिमिटेड (केएसडीएल) ने अपने सबसे लोकप्रिय और सुगंधित उत्पाद, मैसूर संदल साबुन, के प्रचार के लिए चुना है। इसके पीछे उनकी देशव्यापी लोकप्रियता, डिजिटल पहुंच और किफायती शर्तों को वजह बताया गया है।

तमन्ना की हाल की फिल्म ओडेला 2 रही है, और अगली फिल्म, वी वन-फोर्स ऑफ दे फॉरैस्ट में वे सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ नज़र आएंगी।

हालांकि, कन्नड़ भाषा कार्यकर्ता इस चयन से नाराज़ हैं और सवाल उठा रहे हैं कि एक गैर-कन्नड़ अभिनेत्री को पूरी तरह से कर्नाटक की विरासत माने जाने वाले उत्पाद का चेहरा क्यों बनाया गया।

- **जैसा कि विदित ही है, तमन्ना भाटिया, दक्षिण भारत में बहुत लोकप्रिय हैं और उनकी फिल्में, जैसे बाहुबली, साउथ इण्डिया में बहुत पसंद की गईं और उत्तर भारत में भी तमन्ना की फिल्मों को सराहा गया।**
- **कन्नड़ भाषियों के विरोध का जवाब देने के लिए, कर्नाटक के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री तक को आगे आना पड़ा और कहना पड़ा कि तमन्ना भाटिया को ब्रैंड एंबेसडर बनाकर कम्पनी अपना मार्केट ऑल इण्डिया बनाना चाहती है।**
- **पर, विरोध अभी थमा नहीं है, कट्टरपंथी कन्नड़ भाषियों ने मु.मंत्री के समक्ष भी शिकायत रखी है कि एक शुद्ध जाने माने कर्नाटक के प्रोडक्ट के लिए गैर कर्नाटक को ब्रैंड एंबेसडर बनाना पूर्णतया गैर वाजिब है।**

कर्नाटक सरकार में वाणिज्य एवं उद्योग, बुनियादी ढांचा मंत्री एम.बी. पाटिल ने इस फैसले का बचाव करते हुए कहा कि यह निर्णय तमाम पहलुओं को ध्यान में रखकर लिया गया है, जैसे देशभर में लोकप्रियता, सोशल मीडिया पर फॉलोअर्स, और युवाओं के बीच अपील। तमन्ना को दो साल के अनुबंध के तहत 6.2 करोड़ रुपये में साइन किया गया है।

मंत्री ने अपने एक्स हैंडल पर लिखा, केएसडीएल का लक्ष्य 2028 तक अपने टर्नओवर को 5,000 करोड़ रुपये तक पहुंचाना है। इसके लिए बहुआयामी रणनीतियों के तहत संगठन का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित किया जा रहा है।

कर्नाटक रक्षणा वेदिके ने तमन्ना को ब्रैंड एंबेसडर बनाए जाने पर कडी आपत्ति

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कौन "जयचंद" है और कौन "मीर ज़ाफर"?

कांग्रेस व भाजपा ने एक दूसरे पर व्यंग्य के बाण छोड़े

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 23 मई। मोदी सरकार पर दबाव बनाए रखते हुए, कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने एक बार फिर "ऑपरेशन सिंदूर" के सिलसिले में विदेश मंत्री एस. जयशंकर से तीखे सवाल किए हैं।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने आज दावा किया कि भारत की विदेश नीति "ध्वस्त हो चुकी है।" राहुल ने पूछा कि भारत को पाकिस्तान के साथ "हाइफनेट" (एक ही श्रेणी में जोड़कर) क्यों देखा जा रहा है और अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप को भारत-पाक के बीच "मध्यस्थता" की बात कहने के लिए किसने उकसाया।

कांग्रेस नेताओं ने विदेश मंत्री पर हमले तेज कर दिए हैं व उन्हें "जयचंद जयशंकर" कह रहे हैं।

राहुल ने एक्स पर पोस्ट किया: "मोदी जी, खोखली बातें बंद कीजिए। बस इतना बता दीजिए, आपने पाकिस्तान के आतंकवाद पर दिए गए बयान पर यकीन क्यों किया? ट्रंप के सामने झुककर आपने भारत के हितों की बलि क्यों दी? आपका खून सिर्फ कैमरे के सामने ही क्यों खौलता है? आपने भारत की प्रतिष्ठा से समझौता किया है।"

- **भाजपा ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर, लगातार ऑपरेशन सिंदूर के बारे में की गई टिप्पणियों को पाकिस्तान समर्थक बताकर, राहुल को "मॉडर्न एज (आज का) मीर ज़ाफर" बताया।**
- **तथा, कांग्रेस ने विदेश मंत्री जयशंकर को जे.जे. यानी "जयचंद जयशंकर" की उपाधि दी तथा भारत की वायु सेना के हवाई हमले की पूर्व सूचना पाकिस्तान को देने की तथा ट्रम्प को यह बात फैलाने का पूरा अवसर देने के लिए कि उनकी मध्यस्थता से भारत-पाक "सीज़फायर" हुई, जयशंकर पर देश की स्थिति कमज़ोर करने का आरोप लगाया।**

जयचंद की उपमा प्रसिद्ध काव्य "पृथ्वीराज रासो" से ली गई है, जिसमें जयचंद को एक ऐसे राजा के रूप में चित्रित किया गया है, जिसने मोहम्मद गौरी से मिलकर पृथ्वीराज चौहान के खिलाफ षड्यंत्र किया।

इस सप्ताह भारत-पाक संघर्ष पर कांग्रेस और भाजपा के नेताओं के बयानों को लेकर जुबानी जंग तेज हो गई है। भाजपा ने राहुल गांधी को "आधुनिक मीर जाफर" बताया, जबकि कांग्रेस ने जयशंकर को "नई पीढ़ी का जयचंद" कहा।

दोनों दलों ने सोशल मीडिया पर एक-दूसरे पर देशद्रोह के आरोप लगाने वाले मीम्स भी साझा किए।

मुख्यमंत्री भजनलाल दो दिन दिल्ली रहेंगे

जयपुर, 23 मई। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा दो दिवसीय दिल्ली दौरे के लिए शुक्रवार शाम जयपुर से रवाना होकर दिल्ली पहुंचे। मुख्यमंत्री रात्रि विश्राम जोधपुर हाउस में करेंगे। शनिवार को मुख्यमंत्री सुबह 8.30 बजे जोधपुर हाउस से रवाना होकर 8.45 से 4 बजे तक भारत मण्डपम में होने वाली

- **नीति आयोग व एनडीए के मुख्यमंत्रियों की बैठक में भाग लेंगे।**

नीति आयोग की गर्वनिंग काउन्सिल की 10वीं बैठक में भाग लेंगे।

मुख्यमंत्री रविवार को दिल्ली स्थित होटल द अशोक में एन.डी.ए. शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों एवं उप-मुख्यमंत्रियों की मुख्यमंत्री परिषद की बैठक में भाग लेंगे।

'महिला अफसर को "रिलीज़" न करने के आदेश दिये सुप्रीम कोर्ट ने

विंग कमांडर निकिता पाण्डेय का "शॉर्ट सर्विस कमीशन" के अफसर के रूप में कार्यकाल अगले महीने समाप्त हो रहा है

- जाल खंबाता -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 23 मई। सर्वोच्च न्यायालय ने गुरुवार को केन्द्र एवं इंडियन एयर फोर्स को निर्देश दिये कि उन महिला ऑफिसर को सेवामुक्त न किया जाये, जो 'ऑपरेशन सिंदूर' का हिस्सा रही हैं तथा जिन्हें स्थाई कमीशन नहीं दिया गया है।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत तथा एन कोटीश्वर सिंह की बैंच ने केन्द्र और आई ए एफ से विंग कमांडर निकिता पाण्डेय की याचिका पर जवाब मांगे हैं। ऑफिसर ने याचिका में कहा था कि उन्हें स्थाई कमीशन नहीं देने के मामले में उनके साथ भेदभाव किया गया है।

बैंच ने आई ए एफ को एक प्रोफेशनल फोर्स बताया और कहा कि सेवा को लेकर अनिश्चितता ऐसे ऑफिसर्स के लिए अच्छी चीज नहीं है।

न्यायमूर्ति कान्त ने कहा, "हमारी एयरफोर्स विश्व के सर्वोत्तम ऑर्गनाइजेशन्स में से एक है। आई ए एफ ने समन्वय की जो गुणवत्ता प्रदर्शित की है, मेरे विचार से तो वह अद्वितीय है। इसीलिए, हम सदैव उन्हें सैल्यूट करते हैं। वे राष्ट्र की बहुत बड़ी पूंजी हैं। एक प्रकार से, वे राष्ट्र का प्रतिरूप हैं। उनकी बदौलत ही, हम रात को निश्चिन्त सो पाते हैं।"

बैंच ने कहा कि शॉर्ट सर्विस कमीशन (एस एस सी) ऑफिसरों का "कठिन जीवन" उनकी भर्ती के बाद ही शुरू हो जाता है। इसलिए उन्हें 10-15 साल बाद स्थाई कमीशन दिया जाना जरूरी है।

- **सुप्रीम कोर्ट को बताया गया कि निकिता पाण्डेय ने ऑपरेशन बालाकोट व सिंदूर में जिम्मेवारी बहुत अच्छी तरह निभाई थी। पर, शॉर्ट सर्विस कमीशन के अफसरों का कार्यकाल पूरा होने पर कुछ अफसरों को रिटायर किया ही जाता है।**
- **सुप्रीम कोर्ट ने वायु सेना प्रशासन को कहा कि निकिता पाण्डेय के लिये एक बार और सलैक्शन बोर्ड बैठाकर पुनः उनकी योग्यता जाँची जाए और फिर उन्हें रिटायर करने या न करने का निर्णय लिया जाए।**

न्यायमूर्ति कान्त ने कहा, "सशस्त्र बलों के लिए अनिश्चितता की भावना अच्छी चीज नहीं है। यह एक सामान्य व्यक्ति का सुझाव है, क्योंकि हम (इस मामले के) कोई विशेषज्ञ नहीं हैं। न्यूनतम बैंचमार्कों के मामले में, समझौता नहीं किया जा सकता।"

ऑफिसर की ओर प्रस्तुत हुई वरिष्ठ एडवोकेट मेनका गुरुस्वामी ने कहा कि उनकी मुवक्किल एक एक्सपर्ट फाइटर कन्ट्रोलर हैं, जिन्होंने ऑपरेशन सिंदूर और ऑपरेशन बालाकोट में तैनात 'इन्टीग्रेटेड एयर कमांड एंड कन्ट्रोल सिस्टम्स (आई ए सी सी एस) में एक विशेषज्ञ के रूप में काम किया है।

वरिष्ठ एडवोकेट ने कहा कि ये ऑफिसर साढ़े तेरह साल से अधिक समय से सेवा में हैं, लेकिन ये 2019 की एक नीति से प्रभावित रहीं, जिसमें उन्हें स्थाई कमीशन दिये जाने से इन्कार कर दिया था तथा उन्हें एक महीने के बाद उन्हें अपनी सेवाओं की समाप्ति के लिए बाध्य कर दिया गया।

गुरुस्वामी ने आगे बताया कि इस ऑफिसर ने देश में एक्सपर्ट एयर फाइटर कन्ट्रोलर्स की मैरिट लिस्ट में दूसरी रैंक हासिल की थी।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कोटा में बच्चे आत्महत्या क्यों कर रहे हैं

नई दिल्ली, 23 मई। राजस्थान के कोटा में छात्रों के बढ़ते सुसाइड मामलों पर सुप्रीम कोर्ट ने चिंता जताई है। सुप्रीम कोर्ट ने राजस्थान सरकार को फटकार लगाते हुए पूछा है कि आखिर कोटा में ही आत्महत्या के मामले क्यों हो रहे हैं। कोर्ट ने भजनलाल सरकार से इस मामले में जवाब मांगा है और एसआईटी के गठन की जानकारी ली है। यह

- **सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार को फटकारते हुए कहा, इस मामले में सरकार क्या कर रही है।**

घटनाक्रम 23 मई 2025 को सामने आया, जब कोर्ट ने राज्य सरकार से पूछा कि इन आत्महत्याओं को रोकने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं।

जस्टिस जेपी पारदीवाला और जस्टिस आर महादेवन की बैंच ने इस मामले की सुनवाई की। बैंच ने कहा कि इस साल अब तक कोटा में 14 सुसाइड

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भारत पूरी कोशिश कर रहा है कि पाकिस्तान को पुनः "संदिग्धों" की सूची (ग्रे लिस्ट) में रखा जाए, वित्तीय सहायता की दृष्टि से

2022 में पाकिस्तान को "ग्रे लिस्ट" से निकाला गया था। पाकिस्तान ने वादा किया था कि वह नया कानून लायेगा, "मनी लॉण्डरिंग" व अन्य "फायनैंशियल अपराधों" को खत्म करने के लिए

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 23 मई। "ऑपरेशन सिंदूर" के चरम पर इस्लामाबाद को आईएमएफ ऋण दिए जाने से रोकने में बुरी तरह असफल रहने के बाद, भारत अब इस प्रयास में जुटा है कि पाकिस्तान को फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स (एफएटीएफ) की ग्रे लिस्ट में वापस लाया जाए।

साउथ ब्लॉक के शीर्ष भारतीय अधिकारियों ने आज बताया कि पाकिस्तान द्वारा प्रायोजित आतंकवाद पर भारत द्वारा प्रस्तुत डोज़ियर के अलावा, एफएटीएफ की अपनी समीक्षा भी पाकिस्तान को ग्रे लिस्ट में डालने के लिए पर्याप्त मानी जाएगी।

पाकिस्तान को 2022 में एफएटीएफ की ग्रे लिस्ट से हटाया गया था, इस शर्त पर कि वह वित्तीय अपराधों और मनी लॉण्डरिंग को रोकने के लिए एक कानून पारित करेगा।

अधिकारियों ने कहा, "वह कानून अब तक नहीं बना है। इसलिए पाकिस्तान की ओर से की गई गलतियों और कुछ जानबूझकर की गई कार्यवाहियों की भी लिस्ट है। एफएटीएफ खुद भी समझ लेगा कि जिस कानून का पाकिस्तान ने वादा किया था, वह कही नहीं है और यह पाकिस्तान को फिर से ग्रे लिस्ट में डालने के लिए पर्याप्त आधार होगा। यह भारतीय डोज़ियर से अलग होगा। हम भी निश्चित रूप से पाकिस्तान को ग्रे लिस्ट में डालने के लिए ठोस केस बनाएंगे।"

- **पर, भारत पूरा जोर लगा रहा है कि पाकिस्तान को पुनः "ग्रे लिस्ट" में डाला जाए, क्योंकि, पाकिस्तान यह नया कानून लाने में असमर्थ रहा।**
- **भारत यह भी दलील दे रहा है कि जब पाकिस्तान को आईएमएफ आदि से ऋण मिलता है, उसको हथियारों की खरीद में भारी उछाल आता है।**
- **भारत को इस बात का काफी अफसोस है कि आईएमएफ ने "पहलगाम आक्रमण" के बाद भी आईएमएफ ने ग्यारह शर्तें लगाकर एक बिलियन डॉलर का पैकेज दिया तथा पैकेज पाकिस्तान को न मिले इसके लिए भारत की प्लानिंग असफल रही। अतः अब भारत दुगने प्रयास कर रहा है कि पाकिस्तान कम से कम "ग्रे लिस्ट" में रहे।**

एफएटीएफ में भारत का जो रुख है, वह 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 26 भारतीयों की मौत के बाद बहुपक्षीय एजेंसियों के समक्ष रखे गये उसके रुख का ही विस्तार है।

अधिकारियों ने दावा किया कि भारत ने आईएमएफ के सभी सदस्य देशों से भी संपर्क किया, ताकि पहलगाम हमले के बाद की समीक्षा के समय पाकिस्तान से संबंधित परियोजनाओं को स्वीकृति न मिले, लेकिन नतीजा अच्छा नहीं रहा, भारतीय कूटनीति विफल हो गई।

अधिकारियों ने कहा, "हालांकि आईएमएफ के सदस्य देशों ने आगे बढ़ते हुए ऋण को मंजूरी दे दी, जिसे भारत पूरी कोशिश करके भी रोक नहीं पाया, अधिकारी इसके आगे कोई संतोषजनक उत्तर नहीं दे सके।"

सूत्रों ने कहा, "हम किसी भी देश को विकास सहायता देने के खिलाफ नहीं हैं, लेकिन आईएमएफ बैठक का समय संदिग्ध था। हमने उसे रोकने की भरसक कोशिश की।"

यह भी जानकारी मिली है कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आईएमएफ प्रमुख क्रिस्टलीना जॉर्जीवा से बैठक को टालने की अपील की, और आईएमएफ के खुद के आंकड़ों की ओर ध्यान दिलाया, जो दिखाते हैं कि हर आईएमएफ के बाद पाकिस्तान का रक्षा खर्च बढ़ गया है।

हाल ही में आईएमएफ ने पाकिस्तान को एक अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक की परियोजना-विशिष्ट

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

दिवंगत पुत्र की सम्पत्ति में मां को भी समान हिस्सा दें

जयपुर, 23 मई। राजस्थान हाईकोर्ट ने दिवंगत पुत्र की संपत्ति में उसकी मां को भी मृतक की पत्नी और पुत्र के समान राशि प्राप्त करने का अधिकारी माना है। जस्टिस गणेश राम मीणा की एकलपीठ ने यह आदेश हेमलता शर्मा की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

- **हाईकोर्ट ने मृतक की पत्नी और बेटे को बराबर हिस्सा मां को देने के आदेश दिए।**

अदालत ने कहा कि मृतक के बेटे और पत्नी के समान मां भी एक-तिहाई हिस्सा प्राप्त करने की अधिकारी है। इसके साथ ही अदालत ने पूर्व में प्राप्त की गई राशि में से अप्रार्थीगण पुत्रवधू वंदना त्रिपाठी व पौत्र चर्चित को याचिकाकर्ता की हिस्सा राशि लौटाने के आदेश दिए हैं।

याचिका में अधिवक्ता संपत्ति शर्मा ने बताया कि सेशन कोर्ट ने याचिकाकर्ता की ओर से साल 2021 में पेश प्रार्थना

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

हम यहाँ किसी विशेष कारण से हैं। इसीलिए अपने भूत का कैदी बनना छोड़िये। अपने भविष्य के निर्माता बनिए। –रोबिन शर्मा

कहीं विनाश का कारण ना बन जाएं हीट रिस्क का फैलाव

जलवायु परिवर्तन की दुष्वारियों में से एक देश और दुनिया के देशों में हीट रिस्क के व्यापक प्रभाव से आसानी से समझा जा सकता है। यदि हम भारत की ही बात करें तो 2011 से 2022 के दशक के अध्ययन के अनुसार देश में हीट रिस्क का दायरा बहुत अधिक बढ़ गया है। मजे की बात यह है कि अब दिन की तुलना में रातें भी अधिक गर्म होने लगी है। इसका एक बड़ा कारण आज की भवन निर्माण विधि और शहरों में कंक्रिट का जंगल विकसित होना और अन्य के साथ ही इलेक्ट्रोनिक उत्पाद खासतौर से अत्यधिक उर्जा खपत वाले फ्रीज और कुलर की जगह लेते एयरकण्डीशनर भी एक है। घटते जंगल और आबादी का दबाव भी एक बड़ा कारण है। उर्जा के रुप में जो संसाधान उपयोग किये जा रहे है वे भी जलवायु परिवर्तन का प्रमुख कारक बन रहे हैं। काउंसिल ऑन एनर्जी, एनवायरमेंट एण्ड वॉटर सीईईडब्ल्यू की हालिया रिपोर्ट अत्यधिक चिंतनीय और हालात की गंभीरता को दर्शाती है। रिपोर्ट की माने तो देश की तीन चौथाई आबादी आज हीट रिस्क की जद में आ चुकी है। देश के 734 जिलों में से 417 जिले तो अत्यधिक जोखिम वाले जिलों में शुमार हो चुके हैं। कम जोखिम वाले जिलों में तो केवल और केवल 116 जिले ही रह गये हैं। हालात की गंभीरता को इसी से समझा जा सकता है कि वैसे तो हीट रिस्क के दायरें में नोर्थ ईस्ट और उत्तरी भारत के नाममात्र के क्षेत्र को छोड़ दिया जाये तो समूचा देश आज हीट रिस्क के दायरें में आ चुका है। देश के 10 जिले राजस्थान, दिल्ली, आन्ध्र प्रदेश, केरल, गोवा, महाराष्ट्र, गुजरात, कर्नाटक, तमिलनाडू और उत्तरप्रदेश हीट रिस्क की अत्यधिक जद में आये प्रदेश व क्रेन्दशासित राज्य है।

ऐसा नहीं है कि हमारे देश में ही हीट रिस्क का दायरा बढ़ रहा है। अपितु अब यह वैश्विक समस्या हो चुकी है। दुनिया के देशों में तापमान में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। तेज गर्मी की तपन से हालात दिन–प्रतिदिन बिगड़ते जा रहे हैं। जंगलों में दावानल और बैमौसम आंदि तूफान, सूखा या बाढ़ ऐसी समस्यायें आने लगी है जिससे साल दर साल अब अधिक दो–चार होना पड़ रहा है। अमेरिका का फर्नेस क्रीक सबसे अधिक गर्म स्थान है तो ट्यूनिशिया का केबिली, कुवैत का मित्रिबाह, ईरान का अहबाज और लुट रेगिस्तान, चीन का फ्लेमिंग आदि स्थान ऐसे है जो सर्वाधिक गर्मी वाले स्थान है। इसके साथ ही मौसम के मिजाज में भी बदलाव आया है। सर्दी में गर्मी और गर्मी में सर्द रात जैसे व असमय आंधी बरसात आम होती जा रही है। गर्मी के दिन बढ़े है। फरवरी तक अब अपनी परंपरागत मौसम का दायरा छोड़ते हुए अत्यधिक गर्मी वाले महीनों में से एक होने लगा है। आखिर यह मौसम का बदलाव भावी संकट की ओर साफ–साफ इशारा कर रहा है। समुद्र का जल स्तर बढ़ रहा है। ग्लेशियर तेजी से पिघलने लगे हैं। समुद्र किनारे के शहरों के सामने अस्तित्व का संकट खड़ा हो गया है। अब डूबने का ड़र सताने लगा है। अमेरिका ही नहीं दुनिया के अन्य देशों के जंगलों में जिस तेजी से आग की घटनाएं बढ़ रही है वह अपने आप में अलग चुनौती होती जा रही है। बीमारियों का असर बढ़ रहा है। हालात गंभीर होते जा रहे हैं।

> **आखिर यह मौसम का बदलाव भावी संकट की ओर साफ-साफ इशारा कर रहा है। समुद्र का जल स्तर बढ़ रहा है। ग्लेशियर तेजी से पिघलने लगे हैं। समुद्र किनारे के शहरों के सामने अस्तित्व का संकट खड़ा हो गया है। अब डूबने का ड़र सताने लगा है। अमेरिका ही नहीं दुनिया के अन्य देशों के जंगलों में जिस तेजी से आग की घटनाएं बढ़ रही है वह अपने आप में अलग चुनौती होती जा रही है। बीमारियों का असर बढ़ रहा है। हालात गंभीर होते जा रहे हैं।**

हीट रिस्क के बढ़ते दायरे को देखते हुए आज हीट एक्शन प्लान बनाये जाने लगे हैं। हांलाकि कि यदि केवल सामान्य नागरिकों के बढ़ती गर्मी के कारण होने वाले प्रभाव पर ही बात की जाए तो गर्मी बीमारियों का प्रमुख कारण बनती जा रही है। कई मिलियन मौतों का कारण हीट वेव है। निर्जलीकरण तो एक प्रमुख कारण है ही इसके साथ ही कार्डियोरेस्पिरेटरी के मामलें आम होते जा रहे हैं। अनिद्रात, तनाव, श्वासं लेने में परेशानी, दस्त, पेट दर्द, फूड पोइजनिंग और तापघात आदि बीमारियों का प्रकोप लूताप के कारण दुनिया के देशों में बढ़ता जा रहा है। जिस तेजी से हीट रिस्क का विस्तार होता जा रहा है उससे आने वाले समय में और अधिक गंभीर हालातों का सामना करना पड़ेगा। किसी समय भारतीय परंपरा के अनुसार नौतपा ऐसा समय होता था जब सबसे अधिक गर्मी पड़ती थी। यह भी माना जाता था कि जितना अधिक नौतपा प्रभावी रहेगा उतना ही अच्छी बरसात होगी। पर आजकल यह सारे कंसेप्ट बेमानी होते जा रहे हैं नौतपा के पहले ही इतना तप चुका होता है कि एक–एक दिन निकालना भारी हो जाता है। इसके साथ ही कही ना कही गर्मी मौत का या विनाश का कारण ना बने इसके बारे में वैज्ञानिकों को गंभीर मंथन करना होगा। जिस तरह से आज हमारे घर ही तापमान की बढ़ोतरी का कारण बनते जा रहे हैं उसका कोई ना कोई पर्यावरण सहयोगी साधन खोजने होंगे। पहले मकानों में चूने का उपयोग होता था तो दीपावली पर कली भी चूने की होती थी पर आज सारे हालात बदल गए हैं। एक तो गगनचुंबी इमारते और फिर उसका निर्माण लोहे सीमेंट से और इसके साथ ही दैनिक उपयोग के तापमान बढ़ाने वाले सामानों, उपकरणों के उपयोग के चलते बढ़ते तापमान को नियंत्रित करने की बात करने का कोई अर्थ नहीं रह जाता है। ऐसें में गर्मी के कारण चौराहों पर हरी पट्टी तान देने या सड़कों पर पानी का छिड़काव करना कोई समाधान नहीं हो सकता बल्कि वैज्ञानिकों और नीति नियंताओं को गंभीर चिंतन करते हुए समय रहते हुए तापमान की बढ़ोतरी के कारकों को नियंत्रित करने के उपायों पर ठोस प्रयास करना होगा।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ.राजेन्द्र प्रसाद शर्मा
(वरिष्ठ लेखक)

राशिफल शनिवार 24 मई, 2025

पंडित अनिल शर्मा

ज्येष्ठ मास, कृष्ण पक्ष, द्वादशी तिथि, शनिवार, विक्रम संवत 2082, रेवती नक्षत्र दिन 1:48 तक, आयुष्मान योग दिन 3:00 तक, कौलव करण प्रातः 8:55 तक, चन्द्रमा दिन 1:48 से मेष राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य–वृष, चन्द्रमा–मेष, मंगल–कर्क, बुध–वृष, गुरू–मिथुन, शुक्र–मीन, शनि–मीन, राहु–कुम्भ, केतु–सिंह राशि में।

आज शनि प्रदोष व्रत, मधुसुदन द्वादशी है। पंचक दिन 1:48 पर समाप्त होंगे। आज से वट सावित्री व्रत तीन दिन का आरम्भ होगा।

श्रेष्ठ चौघड़ियाः शुभ 7:20 से 9:01 तक, चर 12:23 से 2:04 तक, लाभ अमृत 2:04 से सूर्यास्त तक।

राहूकालः 9:00 से 10:30 तक। सूर्योदय 5:39, सूर्यास्त 7:08

मेष

घर–परिवार के कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। अनावश्यक धन खर्च होगा। मन में असंतोष बना रहेगा। दिन के मध्यान्ह पश्चात मानसिक तनाव से राहत मिलेगी।

वृष

आर्थिक/वित्तीय मामलों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। दिन के मध्यान्ह पश्चात समय अनर्गल कार्यों में खराब हो सकता है। अनावश्यक धन खर्च होगा।

मिथुन

व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक सुविधाओं में वृद्धि होगी। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। आय में वृद्धि होगी।

कर्क

व्यावसायिक कार्यों में आ रही परेशानियां दूर होने लगेंगी। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। धार्मिक कार्यों पर धन खर्च हो सकता है।

सिंह

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आज बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। दिन के मध्यान्ह पश्चात धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

कन्या

परिवार में आपसी सहयोग–समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक अनुबंध प्राप्त होंगे। दिन के मध्यान्ह पश्चात चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है।

तुला

व्यावसायिक विवादों से राहत मिल सकती है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। परिवार में चल रहे मतभेद दूर होंगे। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं।

वृश्चिक

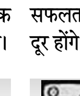

स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त–व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

धनु

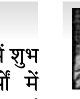

परिजनों के व्यवहार के कारण मन व्यथित हो सकता है। आपसी ईर्ष्या–वैमनस्यता के कारण परेशानी हो सकती है। व्यावसायिक सफलता से मनोबल बढ़ेगा। मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

मकर

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी।

कुंभ

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक विवादों से राहत मिल सकती है। परिवार में धार्मिक–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

मीन

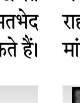

व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। दिन के मध्यान्ह पश्चात खान–पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

"सेना का शौर्य : कालिख पुती ज़ुबां पर सुप्रीम हथोड़ा"

राजेन्द्र मोहन शर्मा

सत्ता के गलियारों में विराजमान धुरंधरों की बहकती ज़ुबान मर्यादाओं को तार–तार कर रही है, समाज की संवेदनाओं को रौंद रही है, और राष्ट्र की एकता को छलनी कर रही है। मध्यप्रदेश के सियासी मंच से लेकर पहलगाम की पवित्र वादियों तक, भाषा के अनियंत्रित तूफानों ने देश के मन को झकझोर दिया है। पहलगाम की पवित्र धरती पर नरपिशाचों ने बेटियों के जीवन और सम्मान को रौंदा था। भारतीय सेना की अधिकारी, कर्नल सोफिया कुरैशी, जिन्होंने ऑपरेशन सिंदूर का नेतृत्व कर राष्ट्र को गौरवान्वित किया, उनकी गरिमा पर मध्यप्रदेश के जनजातीय कार्य मंत्री कुंवर विजय शाह की ज़ुबान ने काला प्रहार कर सेना के शौर्य को चुनौती दे डाली। 12 मई 2025 को इंदौर के महू विधानसभा क्षेत्र के रायकुंडा गांव में एक हलमा कार्यक्रम में शाह ने कहा– जिन लोगों ने हमारी बेटियों का सिंदूर उजाड़ा, उन कटे–पिटे लोगों को हमने उनकी बहन को उन्हीं के सामने भेजकर उनकी ऐसी–तैसी करवाई। उन्होंने हिंदुओं को कपड़े उतार–उतारकर मारा, और मोदी जी ने उनके समाज की बेटी को भेजा कि तुमने हमारी बहन को विधवा किया, तो तुम्हारे समाज की बहन तुम्हें नंगा करके छोड़ेगी। यह बयान, जो पाकिस्तानी आतंकियों के संदर्भ में था, कर्नल सोफिया को अप्रत्यक्ष रूप से आतंकवादियों की बहन कहकर उनकी धार्मिक पहचान से जोड़ने का घृणित अपराध किया।

यह टिप्पणी न केवल आपत्तिजनक और साम्प्रदायिक थी, बल्कि सेना की मर्यादा और नारी सम्मान पर भी चोट थी।

इसका वीडियो वायरल होने पर देशभर में आक्रोश फैला, और मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने स्वतः संज्ञान लेते हुए चार घंटे में दर्ज करने का आदेश दिया। इस बयान ने सेना के मनोबल को भी ठेस पहुंचाई है। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता की खुशी धुंधली पड़ गई। सैन्य संगठनों ने इसे सेना की गरिमा पर हमला करार दिया, और शत्रु देशों को भारत की आंतरिक एकता पर सवाल उठाने का स्वर्णिम अवसर मिल गया। सत्ता का अहंकार 2024 में शाजापुर में देखा था। एक ड्राइवर और कलेक्टर के बीच संवाद ने सत्ता और समाज की खाई को उजागर किया था। ड्राइवर ने कहा, अच्छे से बोलिए। कलेक्टर का जवाब मिला, तुम्हारी औकात क्या है? ड्राइवर का प्रत्युत्तर था– यही तो लड़ाई है, कि हमारी कोई औकात नहीं है–समाज के दर्द की चीख थी इस वाकये में इसका वीडियो वायरल हुआ, और सामाजिक अशांति फैली। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कलेक्टर को हटा दिया, किंतु विजय शाह के बयान पर सत्ता का मौन सवाल उठाता है। क्या अनुशासन का डंडा केवल नौकरशाही पर बरसता है? मौन का अपराध काफी घना रहा है। महाभारत में द्रौपदी का चीरहरण देख भीष्म, द्रोण, और धृतराष्ट्र का मौन अपराधी था। आज, जब कर्नल सोफिया पर ज़ुबानी तलवारें चलीं, भाजपा का शीर्ष नेतृत्व चुप्पी साधे रहा।

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने रीवा में इस मुद्दे पर सवाल पूछे जाने पर कहा, छोड़ो–छोड़ो, हो गया हो गया। किंतु पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती ने शाह की निंदा की और उन्हें बर्खास्त करने की मांग की। कांग्रेस ने इस मौके को लपक लिया। राजभवन के सामने धरने, पुतला दहन, और सोशल मीडिया पर हंगामा शुरू हुआ। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने प्रधानमंत्री से शाह को बर्खास्त करने की मांग की। सियासत का यह रंगमंच हर पल नया दृश्य रचता है, किंतु इसकी कीमत क्या है? राष्ट्र की एकता और सेना की गरिमा क्या सियासी खेल की बलि चढ़ेंगी। ज़ुबान के ओछेपन ने अतीत में भी राष्ट्र को गहरे घाव दिए। मध्यप्रदेश का ताज़ा वाकया सामने है जो सीधे सेना की प्रतिष्ठा पर प्रहार है। मध्यप्रदेश के उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा का बयान–पूरा देश और देश की सेना प्रधानमंत्री के चरणों में नतमस्तक हैने अकूत विवाद खड़ा कर दिया। सेना, जो ऑपरेशन सिंदूर की सफलता से राष्ट्र को गौरवान्वित कर चुकी है, उसकी गरिमा को सियासी बयानों का मोहरा बनाना कहां तक उचित है सर सोचने वाली बात है। यह बयान सेना के स्वाभिमान पर चोट करता है और राष्ट्रवाद की भावना को कमज़ोर करता है। सियासत की विषैली गलियों में कांग्रेस ने शाह के बयान को सेना और नारी शक्ति के अपमान का मुद्दा बनाया। विपक्ष के नेता उमंग सिंघार ने कहा, सेना का कोई धर्म नहीं होता, उसका केवल एक धर्म है–देश। किंतु कांग्रेस ने भी ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सैन्य गोपनीयता को खतरे में डालने वाले सवाल उठाए, जैसे कितने विमान गंवाए गए? ऐसे बयानों ने शत्रु देशों को भारत की रणनीति पर सवाल उठाने का अवसर दिया। किसी शायर ने ठीक कहा:–

यार सियासत की गलियों में मत जाना,
नागिन अपने बच्चों को पहले खा जाती है।

सियासत की यह गली इतनी विषैली है कि यहां मर्यादा और राष्ट्रहित की कोई कीमत नहीं। सामाजिक और वैश्विक क्षति साफ दिखाई दे रही है। ज़ुबान की यह आंधी सियासी गलियारों तक सीमित नहीं। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो, चौराहों पर पुतला दहन, और कोर्ट–कचहरी का दौर उस सामाजिक अशांति की गूंज है, जो अनियंत्रित भाषा से पैदा होती है। मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने शाह की टिप्पणी को गटरछाप और कैंसरयुक्त करार दिया, और कहा कि यह व्यक्तिगत मानहानि ही नहीं, बल्कि सामाजिक ताने–बाने पर चोट है। वैश्विक स्तर पर, इस बयान ने भारत की छवि को धूमिल किया। अंतरराष्ट्रीय मीडिया ने इसे भारत में महिलाओं और सेना के प्रति अपमान के रूप में प्रस्तुत किया, जिससे भारत की लोकतांत्रिक छवि को ठेस पहुंची है। हाईकोर्ट के आदेश पर इंदौर के मानपुर थाने में शाह के खिलाफ गैर–जमानती धाराओं में FIR दर्ज हुई, जिसमें उम्रकैद तक की सजा हो सकती है। किंतु 36 घंटे बाद भी शाह की गिरफ्तारी नहीं हुई, और FIR में उनके नाम के आगे श्री लिखकर सम्मान दिया गया। सुप्रीम कोर्ट ने शाह को फटकार लगाई, और उनकी FIR रद्द करने की याचिका खारिज कर दी। भाजपा ने शाह को मुख्यालय तलब किया, और उन्होंने माफी मांगी, यह कहते हुए कि वे कर्नल सोफिया का अपनी बहन से भी अधिक सम्मान करते हैं। किंतु सवाल यह है: क्या माफी से घाव भर जाएंगे? ज़ुबान की आंधी ने राष्ट्र की खुशियों को धुआं–धुआं कर दिया। यह आंधी तभी शांत होगी, जब सत्ता और समाज अपनी ज़िम्मेदारी समझें। नेताओं को ज़ुबान पर लगाम लगानी होगी। भाषा को सेवा का साधन बनाना होगा, न कि सत्ता का शस्त्र। विपक्ष को भी रचनात्मक भूमिका निभानी होगी। सियासी रोटियां सेंकने के बजाय, उसे राष्ट्र की एकता और सेना की गरिमा को मजबूत करना होगा। समाज को सोशल मीडिया पर नफरत के बजाय सकारात्मक संवाद को बढ़ावा देना होगा। एक उम्मीद ज़ुबान की आंधी ने हमें कड़वा सबक दिया है–भाषा वह शक्ति है, जो राष्ट्र को जोड़ भी सकती है और तोड़ भी सकती है। यह समय है कि हम इस आंधी से सबक लें और मर्यादाओं की बहाली करें। किसी शायर ने कहा है:–

दिए बुझाती आंधी शोलों को भड़काती है,
आंधी को भी दुनिया-दारी आती है।

ज़ुबान को ज़हर नहीं, अमृत बनाएं। राष्ट्र की एकता और सेना की गरिमा को सलाम करें। क्योंकि अगर आज हम चुप रहे, तो कल इतिहास हमें माफ नहीं करेगा। इस बीच विजय शाह का माफीनामा सुप्रीम कोर्ट ने ठुकरा दिया है। अब शुरू होगा असली हिसाब–किताब ! जी हां मध्य प्रदेश के आदिवासी कल्याण और वन मंत्री विजय शाह, जिन्हें अपनी जुबान पर लगाम लगाने की कला शायद कभी सीखी ही नहीं, अब सुप्रीम कोर्ट के रडार पर हैं। कर्नल सोफिया कुरैशी पर उनकी अभद्र और विवादित टिप्पणी ने न सिर्फ देश को शर्मसार किया, बल्कि उनकी कुर्सी को भी डगमगाने का पूरा इंतजाम कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने, जो इस बार किसी माफी के मूड में नहीं दिखा, शाह का माफीनामा ठुकराते हुए साफ कह दिया: "हमें माफीनामा नहीं चाहिए, अंजाम भुगतने को तैयार रहो !" और जब कोर्ट इस लहजे में बोलता है, तो समझ लीजिए कि अब खेल सीरियस होने की कगार पर है। शाह ने सोचा होगा कि माफी का एक वीडियो डालकर, दो–चार बार 'सॉरी' बोलकर और थोड़ा ड्रामाई अंदाज में हाथ जोड़कर मामला ठंडा हो जाएगा। लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने उनके इस ड्रामे को 'नौटंकी' करार देते हुए साफ कर दिया कि माफी तब मांगी जाती है, जब दिल से पछतावा हो, न कि तब, जब कोर्ट की डंडा सिर पर लटक रहा हो। कोर्ट ने तो यहां तक कहा कि शाह का बयान देश के लिए शर्मिंदगी का सबब है। और सचमुच, एक मंत्री, जो आदिवासी कल्याण और वन जैसे संवेदनशील विभागों का जिम्मा संभालता हो, अगर ऐसी 'गटर की भाषा' (जैसा हाईकोर्ट ने कहा) बोले, तो उसे कुर्सी पर बने रहने का हक कितना बाकी रह जाता है? सुप्रीम कोर्ट ने मध्य प्रदेश सरकार को भी कठघरे में खड़ा कर दिया। नोटिस जारी कर पूछा गया कि अब तक इस मामले में क्या कार्रवाई हुई? क्या सरकार सो रही है, या फिर अपने 'बड़बोले' मंत्री को बचाने की जुगत में लगी है? कोर्ट ने अब गठन का आदेश भी दे दिया, जिसमें तीन घ्इ्ए अधिकारी होंगे, वो भी राज्य के बाहर के। यानी, अब कोई 'अंदर की सेटिंग' काम नहीं आएगी। इन अफसरों को साफ निर्देश है इस मामले की तह तक जाओ और सच सामने लाओ।

–राजेंद्र मोहन शर्मा,
वरिष्ठ साहित्यकार, शिक्षाविद,
और चिंतक

डमी स्कूल – प्रभावशाली या औपचारिक शिक्षा के लिए हानिकारक?

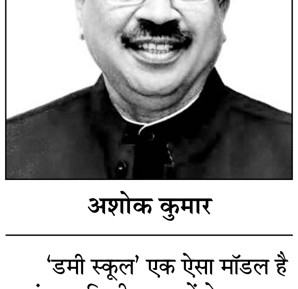

अशोक कुमार

'डमी स्कूल' एक ऐसा मॉडल है जहां छात्र किसी स्कूल में केवल नाम के लिए दाखिला लेते हैं, लेकिन वे नियमित रूप से स्कूल नहीं जाते हैं। इसके बजाय, वे प्रतियोगी परीक्षाओं (जैसे JEE, NEET) की तैयारी के लिए कोचिंग सेंटरों में अधिक समय बिताते हैं।

डमी स्कूलों की प्रथा, विशेष रूप से भारत में, एक जटिल मुद्दा है जिसके अपने फायदे और नुकसान हैं। जबकि कुछ लोग इसे प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के लिए एक आवश्यक कदम मानते हैं, वहीं कई शिक्षा विशेषज्ञ और बोर्ड इसे औपचारिक शिक्षा प्रणाली के लिए हानिकारक मानते हैं।

नकारात्मक प्रभावः–

समग्र विकास में बाधाः औपचारिक स्कूली शिक्षा केवल अकादमिक ज्ञान प्रदान करने तक सीमित नहीं है। यह छात्रों के सामाजिक कौशल, आलोचनात्मक सोच, रचनात्मकता, सांस्कृतिक गतिविधियों में भागीदारी और व्यक्तित्व विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। डमी स्कूलों में पढ़ने वाले छात्र इन महत्वपूर्ण अनुभवों से वंचित रह जाते हैं, जिससे उनका समग्र विकास प्रभावित होता है।

सामाजिक अलगावः डमी स्कूलों में नियमित उपस्थिति न होने से छात्रों की सामाजिक अंतःक्रिया कम हो जाती है। वे साथियों, शिक्षकों और स्कूल के वातावरण से दूर रहते हैं, जिससे उनमें सामाजिक कौशल की कमी आ सकती है और अकेलापन महसूस हो सकता है।

आधारभूत ज्ञान की कमीः कई मामलों में, डमी स्कूलों में केवल परीक्षा–उन्मुख पढ़ाई पर ध्यान दिया जाता है, जिससे छात्रों के आधारभूत ज्ञान और अवधारणाओं की समझ कमजोर हो सकती है। यह दीर्घकालिक शिक्षा और भविष्य की चुनौतियों के लिए हानिकारक हो सकता है।

मानसिक दबाव और तनावः सिर्फ प्रतियोगी परीक्षाओं पर ध्यान केंद्रित करने से छात्रों पर अत्यधिक मानसिक दबाव पड़ सकता है। यदि वे इन परीक्षाओं में सफल नहीं होते हैं, तो यह गंभीर निराशा और अवसाद का कारण बन सकता है, क्योंकि उनका पूरा ध्यान केवल एक ही लक्ष्य पर केंद्रित होता है।

नैतिक मूल्यों का हननः डमी स्कूलों की प्रथा अक्सर शिक्षा प्रणाली के नियमों और नैतिक मूल्यों का उल्लंघन करती है। यह छात्रों को यह संदेश दे सकता है कि नियमों को तोड़ा जा सकता है, जो उनके नैतिक विकास के लिए अच्छा नहीं है।

शिक्षा प्रणाली का दुरुपयोगः डमी स्कूल शिक्षा बोर्डों द्वारा निर्धारित उपस्थिति नियमों का उल्लंघन करते हैं। यह शिक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता और उसकी मूल भावना को कमजोर करता है।

शिक्षण गुणवत्ता पर प्रभावः जब छात्र नियमित रूप से स्कूल नहीं जाते हैं, तो स्कूलों की शिक्षण गुणवत्ता पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ता है, क्योंकि उनका प्राथमिक कार्य छात्रों को पढ़ाना है।

अनैतिक व्यापारिक मॉडलः कई डमी स्कूल और कोचिंग सेंटर मिलकर एक अनैतिक व्यापारिक मॉडल चलाते हैं, जहां छात्रों को स्कूल न जाने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है, जिससे केवल उनके वित्तीय हित पूरे होते हैं।

सकारात्मक प्रभाव :–

प्रतियोगी परीक्षाओं पर अधिक ध्यानः डमी स्कूलों का मुख्य आकर्षण यह है कि वे छात्रों को प्रतियोगी परीक्षाओं (जैसे JEE, NEET) की तैयारी के लिए अधिक समय और लचीलापन प्रदान करते हैं। स्कूल न जाने से उनका समय बचता है, जिसका उपयोग वे कोचिंग कक्षाओं और स्व–अध्ययन में कर सकते हैं।

'अनावश्यक' गतिविधियांः कुछ छात्रों और अभिभावकों का मानना है कि नियमित स्कूल में अनावश्यक गतिविधियों (जैसे खेल, सांस्कृतिक कार्यक्रम) पर समय बर्बाद होता है, जो प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी के लिए महत्वपूर्ण समय खा जाता है। डमी स्कूल इस "बर्बाद" समय को बचाते हैं।

निष्कर्षः– कुल मिलाकर, डमी स्कूल औपचारिक शिक्षा के लिए विनाशकारी हैं। जबकि वे कुछ छात्रों को प्रतियोगी परीक्षाओं पर ध्यान केंद्रित करने का अवसर दे सकते हैं, वे छात्रों के समग्र विकास, सामाजिक कौशल और आधारभूत ज्ञान के लिए गंभीर खतरा पैदा करते हैं। सीबीएसई (CBSE) और शिक्षा मंत्रालय जैसी संस्थाएं डमी स्कूलों के खिलाफ सख्त कदम उठा रही हैं, जिसमें 2025–26 से बोर्ड परीक्षाओं में शामिल होने के लिए नियमित स्कूल उपस्थिति को अनिवार्य करना शामिल है। यह स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि शिक्षा प्रणाली छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए औपचारिक स्कूली शिक्षा के महत्व को मानती है और डमी स्कूलों की प्रथा को रोकना चाहती है।

भविष्य में, नियमित स्कूली शिक्षा पर अधिक जोर दिया जाना चाहिए, ताकि छात्र केवल परीक्षा–केंद्रित न रहें, बल्कि एक संतुलित और पूर्ण शैक्षिक अनुभव प्राप्त कर सकें।

–अशोक कुमार,
पूर्व कुलपति कानपुर, गोरखपुर विश्वविद्यालय, विभागाध्यक्ष
राजस्थान विश्वविद्यालय जयपुर

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बीकानेर के करणी माता मंदिर में दर्शन कर परंपरा निभाई

पहले युद्ध जीतकर राजा आते थे, अब ऑपरेशन सिंदूर के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आए, ऐसा पहली बार है, जब देश का कोई प्रधानमंत्री करणी माता मंदिर में पहुंचा हो

बीकानेर, (निसं)। ऑपरेशन सिंदूर के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पहली बार बीकानेर आए। जिला मुख्यालय से 22 किमी दूर देशनोक के विश्वप्रसिद्ध करणी माता मंदिर में पीएम ने विशेष पूजा–अर्चना की। ऐसा पहली बार है, जब देश का कोई प्रधानमंत्री इस मंदिर में पहुंचा हो।

इतिहासकारों का कहना है कि पीएम नरेंद्र मोदी ने ऑपरेशन सिंदूर के बाद इस मंदिर में धोक लगाई। ऐसी मान्यता रही है कि बीकानेर रियासत में जब भी कोई राजा या नरेश युद्ध में सफल होता था, मां करणी के दरबार में आशीर्वाद लेने जरूर पहुंचता था। 15वीं शताब्दी में नरेश राव बीका नए राज्य को बसाने की दृष्टि से जोधपुर से देशनोक पहुंचे थे। उनके देशनोक पहुंचने का कारण यह था कि जोधपुर की कुलदेवी मां करणी माता यहां सशरीर विराजमान थी। मां करणी को दुर्गा का अवतार माना जाता है। ऐसा कहा जाता है कि देशनोक पहुंचने पर मां करणी ने राव बीका को यह आशीर्वाद दिया था कि मैं तुम्हारा नया राज्य बसाऊंगी। जो तुम्हारे पिता राव जोधा से सवाया यानी उनसे भी बड़ा होगा। राव बीका ने अपना कैंप देशनोक में किया और मां करणी के आशीर्वाद से सारी कार्ययोजना बनाई थी। राव बीका ने विक्रम संवत 1545 में बीकानेर राज्य की स्थापना की थी।

■ पीएम नरेंद्र मोदी गुरुवार सुबह 10.35 बजे मंदिर पहुंचे थे, गर्भगृह में करीब दस मिनट रुके, उन्होंने मंदिर में शीश झुकाते हुए पूजा-अर्चना की

मां करणी बीकानेर की कुलदेवी बनी थी। कालांतर में महाराजा गंगासिंह ने देशनोक में करणी माता का भव्य मंदिर बनवाया था। इसी के साथ ही यहां एक परंपरा भी चली थी। बीकानेर के जितने भी नरेश हुए, वे किसी भी महत्वपूर्ण कार्य या युद्ध पर जाने से पहले मां करणी के दर्शन करने आते थे। ऐसी मान्यता है कि मां करणी के आशीर्वाद के बाद ही किसी कार्य की शुरुआत करते थे। कार्य पूरा होने पर वापस मां करणी के दरबार में धोक लगाते थे।

इतिहासकार डॉ. शिव कुमार भनोत का मानना है कि पीएम मोदी ने ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद देशनोक मंदिर में धोक लगाई। पहले भी यहां के राजा युद्ध में जीतने पर ऐसा करते थे। मोदी ने मंदिर में विशेष पूजा–अर्चना की। देश की नाक यानी देशनोक से ही देशभर के रेलवे स्टेशनों का लोकार्पण और शिलान्यास एक साथ किया।

करणी माता मंदिर के ट्रस्टी अशोक चारण ने बताया कि करणी मां के मंदिर में बीकानेर राज्य के समय तो हर राजा किसी भी मिशन की सफलता के बाद आता था। मगर आजाद भारत के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ है कि आतंक के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद पीएम मोदी ने मां करणी के दरबार में आशीर्वाद लिया है। करणी माता मंदिर का निर्माण 20वीं शताब्दी की शुरुआत में बीकानेर के महाराजा गंगासिंह ने करवाया था। मंदिर की पूरी संरचना संगमरमर से बनी है और इसकी वास्तुकला मुगल शैली से मिलती जुलती है।

बीकानेर की करणी माता की मूर्ति मंदिर के अंदर गर्भगृह के भीतर विराजमान हैं, जिसमें वह एक हाथ में त्रिशूल धारण किए हुए हैं। देवी की मूर्ति के साथ उनकी बहनों की मूर्ति भी दोनों तरफ है। इतिहासकार डॉ. शिव कुमार भनोत ने बताया कि देशनोक का नामकरण भी ऐतिहासिक है। यह बीकानेर राजघराने की कुलदेवी का स्थान तो था ही, लेकिन इसे देश की नाक भी कहा जाता रहा है। चूहों के मंदिर के नाम से यह पूरे विश्व में प्रख्यात है और यहां दुनियाभर से लोग आते हैं। यह धार्मिक पर्यटन का3 बड़ा केंद्र है।

पीएम नरेंद्र मोदी गुरुवार सुबह 10.35 बजे मंदिर पहुंचे थे। गर्भगृह में करीब दस मिनट रुके थे। इस दौरान उन्होंने मंदिर में शीश झुकाते हुए पूजा–अर्चना की थी। मंदिर में पीएम की ओर से विशेष भोग भी चढ़ाया गया था। यह भोग मंदिर में ही बनाया जाता है। यजमान की ओर से भोग के प्रसाद का भुगतान किया जाता है। इसके बाद मंदिर कमेटी ने करणी माता की चांदी की मूर्ति पीएम को भेंट की थी।

एस.एम.एस. अस्पताल में गलत ग्रुप का ब्लड चढ़ाने से महिला की मौत

अस्पताल प्रशासन ने जांच के लिए बनाई तीन सदस्यीय कमेटी, सोमवार को पेश करेगी रिपोर्ट

जयपुर। प्रदेश के सबसे बडे सवाई मानसिंह अस्पताल में एक बार फिर डॉक्टरों की लापरवाही से गलत ग्रुप का ब्लड चढ़ाने महिला की मौत होने का मामला सामने आया है। वहीं मृतका के परिजनों का आरोप है कि मृतका चैना का ब्लड ग्रुप बी-पॉजिटिव है जबकि उसे ए-पॉजिटिव ब्लड चढा दिया गया, जिसके चलते उसकी तबियत खराब हो गई और इलाज के दौरान उसने दम तोड दिया। वहीं दूसरी ओर डॉक्टर्स और अस्पताल प्रशासन का कहना है कि महिला की हालत पहले से ही गंभीर थी, जिसके चलते उसकी उसकी मौत हुई है। वहीं मामले की जांच के लिए अस्पताल अधीक्षक डॉ. सुशील भाटी ने तीन सदस्यीय जांच कमेटी बना दी है जो कि अगले तीन दिनों में मामले की जांच कर अपनी रिपोर्ट सौंपेगी। कमेटी में एडिशनल रिक्त, मेडिसिन विभाग के एचडी और ब्लड बैंक के पचओडी शामिल है। इस मामले में राज्य मानवाधिकार आयोग ने भी सवाईमानसिंह अस्पताल के सुपरिटेंडेंट और प्राचार्य को नोटिस जारी कर लापरवाह चिकित्सक और चिकित्साकर्मियों के विरूद्ध प्रभावी कार्रवाई कर इसकी रिपोर्ट पेश करने के आदेश दिये हैं।

- पहले भी हो चुकी है गलत ग्रुप के ब्लड चढाने मरीजों की मौत
- इस मामले में राज्य मानवाधिकार आयोग ने भी प्रसंज्ञान लिया

ये है पूरा मामला

जानकारी के अनुसार टोंक निवाई की रहने साली 23 वर्षीय चैना को प्रेगेंन्सी और टीबी रोग के कारण को 12 मई को एसएमएस अस्पताल की इमरजेंसी में भर्ती करवाया गया था। जहां उसका इलाज चल रहा था, डॉक्टरों से मिली जानकारी के अनुसार चैना को टीबी की बीमार थी, जिसके चलते उसको यूनिट-7 में भर्ती कर ऑक्सीजन सपोर्ट पर रखा था। हालत ज्यादा बिगड़ने के कारण पर महिला उसे बायपेप मशीन पर रखा गया, लेकिन जब रिलीफ नहीं मिला तो उसे 15 मई को वेंटिलेटर पर लिया गया था।

19 मई को ही करवाई थी डिलीवरी

डॉक्टरों के मुताचिक महिला पांच माह की गर्भवती थी। उसने गर्भ में पल रहे बच्चे की हार्ट रेट नहीं आ रही थी। इसको देखते गायनी विभाग की डॉक्टर्स को बुलाकर 19 मई को वेटिलेटर पर रहते हुए महिला की डिलीवरी करवाई गई। डिलीवरी के तुरंत बाद ही महिला का होमोग्लोबिन नीचे आ गया। उसे ब्लड चढ़ाने की जरूरत बताई। सूत्रों के मुताबिक डॉक्टर्स ने मरीज परिजनों को ब्लड की जो पची दी थी, उसमें एचआईडी नंबर, मरीज का नाम लिखा था, लेकिन ब्लड ग्रुप को जानकारी नहीं लिखी थी। ब्लड बैंक से सैपले की जांच किए बिना जांचे ही उसे ब्लड चढा दिया। जिसके एक से दो मिनट बाद महिला का शरीर कांपने लगा। इसके बाद ब्लड की सप्लाई रोक कर फिर से ब्लड सैंपल के लिए भेजा गया। जांच में पता चला कि महिला का ब्लड ग्रुप बी-पॉजिटिव है जबकि उसे ए-पॉजिटिव ग्रुप का ब्लड चढाने से उसकी मौत हो गई वहीं दूसरी ओर डॉक्टर्स और अस्पताल प्रशासन का कहना है कि महिला की स्थिति पहले से ही बहुत गंभीर थी और इसी वजह से उसकी मौत हुई है।

पहले भी हो चुके हैं ऐसे कई मामले

22 फरवरी 2024 को भी दौसा निवासी सचिन को एसएमएस में गलत ग्रुप का ब्लड और प्लाजमा चढा देने के कारण उसकी मौत हो गई थी। जिसमें जिम्मेदार डॉक्टर्स और स्टाफ पर कार्यवाई भी हुई थी।

इसी प्रकार गत 4 दिसंबर 2024 को भी एसएमएस में भरतपुर निवासी 10 साल के मुस्तफा किडनी संबंधी बीमारी के इलाज के लिए भर्ती करवाया गया था, जहां दूसरे ही दिन 5 दिसंबर को गलत ग्रुप का ब्लड चढाने से मुस्तफा की मौत हो गई थी।

इनका कहना है :

महिला की हालत पहले से ही गंभीर थी और उसे बचाने का पूरा प्रयास किया गया, लेकिन हमें उसे बचा नहीं सके। गलत ग्रुप का ब्लड चढाने के मामले में तीन सदस्यता जांच कमेटी बनाई गई है, जो सोमवार को अपनी रिपोर्ट पेश करेगी।

सुशील भाटी, अधीक्षक, एसएमएस अस्पताल, जयपुर।

भाजपा में महिलाओं को वास्तविक सम्मान मिलता है : मंजू शर्मा

राजस्थान महिला कांग्रेस की प्रदेश महासचिव अरूणा गौड सहित सर्व समाज की 200 से अधिक महिलाओं ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की।

जयपुर। राजस्थान महिला कांग्रेस की प्रदेश महासचिव एवं ब्राह्मण महासभा की प्रदेश अध्यक्ष अरूणा गौड सहित 200 से अधिक महिलाओं ने आज भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। प्रदेश भाजपा कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में सांसद मंजू शर्मा और जयपुर जिलाध्यक्ष अमित गोयल, जयश्री गर्ग, रेखा राठौड़ और अनुराधा माहेश्वरी ने सभी को पार्टी का दुपट्टा पहनाकर सदस्यता ग्रहण करवाई।

इस अवसर पर सांसद मंजू शर्मा ने कहा कि भाजपा की रीति-नीति से प्रभावित होकर अरूणा गौड सहित अनेक महिलाएं पार्टी से जुड़ रही हैं। उन्होंने कहा, "भाजपा ही एकमात्र ऐसी राजनीतिक पार्टी है, जहां महिलाओं को वास्तविक सम्मान और नेतृत्व का अवसर मिलता है।" उन्होंने यह भी बताया कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश की महिलाएं पहले से अधिक सशक्त हो रही हैं और उन्हें सेना, प्रशासन और राजनीति में भी महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां दी जा रही हैं।

- "ऑपरेशन सिंदूर" की सफलता महिला सम्मान और राष्ट्रीय सुरक्षा की दिशा में मील का पत्थर : अमित गोयल

सांसद शर्मा ने आगे कहा कि देश के इतिहास में पहली बार एक महिला अधिकारी ने सैन्य ऑपरेशन की जानकारी साझा की, जो महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक बड़ा कदम है। उन्होंने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा महिलाओं के लिए लागू की जा रही योजनाओं का भी उल्लेख किया।

भाजपा जयपुर शहर जिलाध्यक्ष अमित गोयल ने भाजपा में शामिल होने वाली महिलाओं का स्वागत करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की सराहना की। उन्होंने कहा कि मोदी जी ने नारी शक्ति को सदैव प्राथमिकता दी है और पहलगाम हमले के बाद देश की बेटियों और बहनों के सम्मान की रक्षा के लिए कठोर निर्णय लिए। गोयल ने कहा, "प्रधानमंत्री मोदी ने हमारी बहनों के सिंदूर का मान रखते हुए आतंकियों को मुंहतोड़ जवाब दिया। सेना ने 500 किलोमीटर तक पाकिस्तान की सीमा में घुसकर आतंकियों के गढ़ को नेस्तनाबूद किया। इससे साफ है कि देश की कमान अब मजबूत और निर्णायक नेतृत्व के हाथों में है।"

भाजपा की सदस्यता ग्रहण करने के बाद अरूणा गौड ने कहा कि पहलगाम हमले ने पूरे देश को स्तब्ध कर दिया था, जबकि विपक्ष उस समय कुटिल कटाक्ष राजनीति कर रहा था। उन्होंने कहा, "हमारी बहनों का सिंदूर उजाड़ने वालों को सबक सिखाने का काम प्रधानमंत्री मोदी ने किया। ऑपरेशन सिंदूर ने हमें झकझोर दिया और इसी से प्रेरित होकर आज हम सब महिलाएं भाजपा में शामिल हुई हैं।"

पुलिस कमिश्नरेट में जमकर हंसे पुलिस वाले

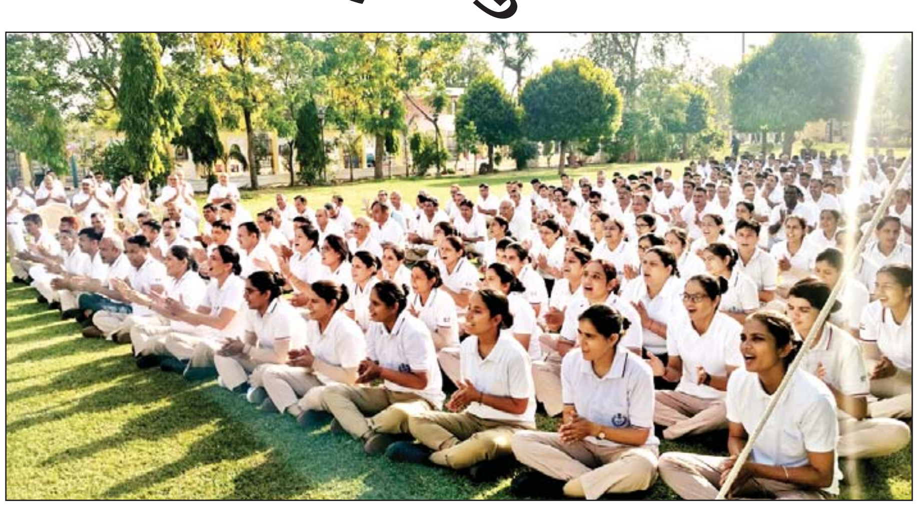

पुलिस कमिश्नरेट में लाफ्टर योगा में ट्रैफिक, थाने और लाइन के पुलिसकर्मियों ने हिस्सा लिया।

जयपुर। पुलिस कमिश्नरेट में शुक्रवार सुबह लाफ्टर योगा का आयोजन हुआ। जो हास्यम संस्था के सहयोग से आयोजित किया गया। इस मौके पर एडिशनल कमिश्नर एडमिन एंड ट्रैफिक योगेश दाधीच, डीसीपी हेडक्वार्टर देवेंद्र कुमार और डीसीपी ट्रैफिक शाहीन सी. सहित अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे। लाफ्टर योगा के जरिए चिकित्सकों और योगाचार्यों ने पुलिसकर्मियों को मानसिक और शारीरिक रूप से स्वस्थ रहने के गुर सिखाए। इस आयोजन के दौरान पुलिसकर्मी जमकर हंसे। पुलिसकर्मियों को हंसता देख पुलिस अधिकारी भी खुद को रोक नहीं सके। हास्यम संस्था से जुड़े पदाधिकारियों ने एक के बाद कई क्रियाएं अपनाकर पुलिसकर्मियों को हंसाया। हंसने के फायदे बताए।

शोध के मुताबिक हंसने से शरीर में हैप्पी हार्मोन एंडोर्फिन का स्तर बढ़ता है। तनाव हार्मोन कोर्टिसोल का स्तर कम हो जाता है। एंडोर्फिन हमें खुश और रिलैक्स महसूस कराता है। इससे तनाव, चिंता और गुस्सा कम हो जाता है। हंसी शरीर में इम्यून सेल्स को एक्टिव करती है। प्रतिरक्षा तंत्र मजबूत होता है।

इस मौके पर एडिशनल कमिश्नर एडमिन एंड ट्रैफिक योगेश दाधीच ने कहा कि पुलिसकर्मियों में काम का तनाव रहता है। इसी तनाव को दूर करने के साथ ही मानसिक और शारीरिक रूप से स्वस्थ रखने के लिए इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। समय-समय पर ऐसे आयोजन किए जाते रहे हैं, ऐसे कार्यक्रमों को रोजमर्रा में शामिल करने का प्रयास किया जाएगा। वहीं, लाफ्टर क्लब की सचिव डॉ.पूजा शर्मा ने कहा कि आज जिंदगी में भागदौड़ भरी जिंदगी में हंसी पीछे छूट गई है। उसको किसी तरह वापस लाने के लिए ऐसे कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इससे लोगों को हंसा कर उनका तनाव दूर किया जा सके।

इस अवसर पर पुलिस उपायुक्त (मुख्यालय) देवेन्द्र कुमार विश्नोई, यातायात शाहीन सी., अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (मुख्यालय) शिल्पा चौधरी, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त यातायात राजेन्द्र सिंह सहित पुलिस अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे।

जोंगिन्दर सिंह अवाना ने प्रस्तुत किया पार्टी का विजन

जयपुर। एनडीए की सहयोगी पार्टी राष्ट्रीय लोकदल के नव नियुक्त राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष जोंगिन्दर सिंह अवाना ने आज जयपुर में आयोजित प्रेस वार्ता में पार्टी के भविष्य के रोडमैप और राजस्थान के लिए प्राथमिकताओं को साझा किया। पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) त्रिलोक त्यागी की मौजूदगी में नदबई विधानसभा के पूर्व विधायक और किसानों के प्रबल समर्थक अवाना ने आरएलडी की स्व.चौधरी चरण सिंह और चौधरी अजीत सिंह के नेतृत्व में स्थापित किसान-केंद्रित विचारधारा को राजस्थान में और मजबूत करने का संकल्प लिया।

मीडिया को सम्बोधित करते हुए अवाना ने कहा कि हमारा लक्ष्य राष्ट्रीय लोकदल को राजस्थान में तीसरी सबसे बड़ी राजनीतिक ताकत के रूप में स्थापित करना है। इसके लिए हम भारत रत्न से सम्मानित पूर्व प्रधानमंत्री स्व. चौधरी चरण सिंह की किसान हितैषी नीतियों को प्रदेश के हर कोने तक ले जाएंगे।

अवाना ने कहा कि आगामी माह से प्रदेशव्यापी दौरे शुरू करेंगे, ताकि पार्टी की किसान-युवा मजदूर हितैषी विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाया जा सके और पार्टी के संगठन को संभाग से बूथ स्तर पर मजबूत किया जा सके। इसके लिए आगामी दिनों में शीर्ष नेतृत्व से चर्चा कर रूपरेखा तैयार की जाएगी। अवाना ने कहा कि आने वाले समय में हमारी पार्टी किसानों, युवाओं और कमजोर वर्गों की आवाज बनकर राजस्थान में तीसरे सबसे बड़े विकल्प के रूप में उभरेगी। अवाना ने कहा कि हमारी पार्टी के संस्थापक भारत रत्न से सम्मानित पूर्व प्रधानमंत्री स्व.चौधरी चरण सिंह सिर्फ एक नेता नहीं, बल्कि किसानों के सच्चे मसीहा थे। उन्होंने अपने जीवन को ग्रामीण भारत और किसानों के उत्थान के लिए समर्पित कर दिया। उनकी जमींदारी उन्मूलन और भूमि सुधार नीतियों ने लाखों किसानों को आर्थिक और सामाजिक आजादी दी।

साइबर ठगी से सावधान! एक फोटो या वीडियो से भी हो सकता है मोबाइल हैक

जयपुर। साइबर अपराधों की बढ़ती घटनाओं को देखते हुए पुलिस महानिदेशक साइबर अपराध, हेमंत प्रियदर्शी के निर्देश पर राजस्थान पुलिस की साइबर विंग लगातार जागरूकता अभियान चला रही है। आमजन को मोबाइल पर आने वाले संदिग्ध फोटो, वीडियो और लिंक से सतर्क रहने की सलाह दी गई है। इन दिनों एक नई साइबर ठगी तेजी से फैल रही है, जिसमें अपराधी व्हाट्सएप या अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के माध्यम से संदिग्ध फोटो, वीडियो, ऑडियो या लिंक भेजते हैं। जैसे ही उपयोगकर्ता इन्हें ओपन या डाउनलोड करता है, फोन साइबर अपराधियों के कब्जे में चला जाता है और वह उसका दुरुपयोग कर बैंक खाते तक खाली कर सकते हैं।

साइबर कमांडो महेश कुमार ने बताया कि इस तकनीक को स्टेग्नोग्राफ़ी कहा जाता है, जिसका अर्थ है "छिपाकर संदेश भेजना"। इस प्रक्रिया में फोटो, वीडियो या ऑडियो जैसी फाइलों में मैलिशियस कोड छुपा दिया जाता है, जो फाइल खोलते ही सक्रिय हो जाता है और उपयोगकर्ता का फोन हैक हो जाता है। फोन हैक होने के बाद आपके मैसेज, कॉल, ओटीपी, बैंकिंग ऐप्स और अन्य निजी डेटा साइबर अपराधियों के नियंत्रण में आ जाते हैं। कुछ मामलों में एपीके फाइल अपने आप फोन में इंस्टॉल हो जाती है, जो और भी खतरनाक है।

- राजस्थान पुलिस की साइबर विंग लगातार जागरूकता अभियान चला रही है

साइबर ठग फिशिंग लिंक के जरिए फर्जी ईमेल या मैसेज के माध्यम से आकर्षक ऑफर, लॉटरी या सरकारी योजना का लालच देकर लिंक भेजते हैं। लिंक पर क्लिक करने पर आप नकली वेबसाइट पर पहुंचते हैं, जहां मांगी गई जानकारी ठगों तक पहुंच जाती है। सोशल मीडिया डाउनलोडिंग स्कैम भी चल रहा है। इसमें ठग किसी की तस्वीर भेजते हैं और पहचानने को कहते हैं। जैसे ही आप फोटो डाउनलोड करते हैं, हैकर आपके मोबाइल और अकाउंट पर नियंत्रण पा लेता है।

साइबर सुरक्षा विशेषज्ञों ने आमजन को निम्न सावधानियां बरतने की सलाह दी है। अनजान स्त्रोत से प्राप्त कोई भी फाइल (फोटो, ऑडियो, वीडियो, पीडीएफ, एपीके) डाउनलोड न करें। मीडिया ऑटो डाउनलोड सेटिंग बंद करें। फोन में अनचाही एप्स की जांच करें, यदि कोई अनजान ऐप दिखे तो तुरंत हटाएं। सोशल मीडिया और बैंक अकाउंट्स में टू-फैक्टर ऑथेंटिकेशन चालू करें फोन और ऐप्स को नियमित रूप से अपडेट करते रहें, ताकि सुरक्षा पैच सक्रिय रहें। यदि आप साइबर ठगी का शिकार हो जाते हैं, तो तत्काल साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर संपर्क करें।

मदन राठौड़ ने दिवंगत रामशंकर सिंह बघेल को दी श्रद्धांजलि

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ शुक्रवार को आगरा अपने निजी सचिव संजय बघेल के चौसिंगी ग्राम स्थित आवास पर जाकर उनके पिता स्व. रामशंकर सिंह बघेल के निधन पर गहरी शोक संवेदना व्यक्त की।

आवेदन पत्र में संशोधन के लिए दिया पांच दिन का समय

जयपुर। पुलिस कांस्टेबल भर्ती के लिए विज्ञापित 10000 पदों के लिए आमंत्रित किए गए ऑनलाइन आवेदन पत्र में संशोधन एवं त्रुटि सुधार का अवसर प्रदान किया गया है। आगामी 26 मई से 30 मई तक निर्धारित शुल्क का भुगतान कर अभ्यर्थी अपने आवेदन में संशोधन कर सकेंगे। पुलिस मुख्यालय द्वारा की विभिन्न जिला, यूनिट एवं बटालियन में कांस्टेबल सामान्य, चालक, बैण्ड एवं पुलिस दूरसंचार के कांस्टेबल व चालक के 10000 रिक्त पदों पर भर्ती के लिए दिनांक 25 मई तक योग्य अभ्यर्थियों से ऑनलाइन आमंत्रित किए गए है।

कंवरलाल मीणा प्रकरण में जूली ने पेश की याचिका

जयपुर। लोक सेवक पर हमला करने और सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने के मामले में अंता विधायक रहे कंवरलाल मीणा को बर्खास्त कर सीट को रिक्त घोषित नहीं करने पर हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई है। कांग्रेस के टीकाराम जूली ने याचिका दायर कर स्पीकर, निर्वाचन आयोग, मुख्य सचिव और कंवरलाल मीणा को पक्षकार बनाया है। हालांकि इस बीच स्पीकर की ओर से कंवरलाल मीणा को बर्खास्त करने पर याचिका एक तरह से सारहीन हो गई है।

याचिका में अधिवक्ता हिमांशु जैन ने बताया कि फरवरी, 2005 में तत्कालीन एसडीओ रामनिवास मेहता पर रिवाल्वर तानने और सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने के मामले में एडीजे अकलेरा ने 14 दिसंबर, 2020 को कंवरलाल को तीन साल की सजा सुनाई थी। वहीं हाईकोर्ट से याचिका खारिज होने के बाद कंवरलाल ने सुप्रीम कोर्ट में एसएलपी की थी, लेकिन गत दिनों सुप्रीम कोर्ट ने भी याचिका को खारिज कर दिया। इसके बाद कंवरलाल ने गत दिनों आत्म समर्पण भी कर दिया है। याचिका में कहा गया कि दो साल से अधिक की सजा होने पर विधायक को बर्खास्त करने का प्रावधान है। इसके बावजूद भी स्पीकर ने अभी तक उन्हें पद से हटाकर अंता सीट को रिक्त घोषित नहीं किया है। जबकि याचिकाकर्ता ने इस संबंध में विधानसभा स्पीकर को अभ्यावेदन भी सौंप दिया था, लेकिन उस पर भी कोई कार्रवाई नहीं हुई।

गुणातीत अवस्था में जीना ही सच्चा जीवन उपदेश : स्वामी रामदेव

पतंजलि विश्वविद्यालय, हरिद्वार के परिसर में स्वामी रामदेव ने आचार्य प्रसन्न सागर का आशीर्वाद लिया।

हरिद्वार। पतंजलि विश्वविद्यालय, हरिद्वार के परिसर में आध्यात्मिक चेतना, दर्शन और धर्म-संवाद का एक विलक्षण दृश्य साकार हुआ,जब दिगंबर जैन परंपरा के प्रखर चिंतक, संत-शिरोमणि, अंतर्मना आचार्य प्रसन्न सागर का आगमन हुआ। पतंजलि विश्वविद्यालय में जैन मुनि के सम्मान में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें स्वामी रामदेव महाराज एवं आचार्य बालकृष्ण ने उनका भावपूर्ण अभिनंदन किया।

इस अवसर पर जैन मुनि ने कहा कि कहा कि स्वामी रामदेव तथा आचार्य बालकृष्ण मानवता के स्वास्थ्य, समाज की सम्पन्नता तथा विश्व सद्भावना के लिए निस्वार्थ भाव से पारमार्थिक कार्य कर रहे हैं। उन्होंने योग व आयुर्वेद की महति साधना की है। जैन मुनि ने प्रकृति, संस्कृति व विकृति की विस्तृत व्याख्या की। उन्होंने कहा कि प्रकृति व संस्कृति के अनुरूप जीवन जीएँ, विकृति में जीवन जीना दरिद्रता का प्रतीक है।

इस अवसर पर आयोजित समारोह में पतंजलि विश्वविद्यालय के कुलाधिपति एवं विश्वविख्यात योगऋषि स्वामी रामदेव ने कहा कि अँतर्मना आचार्य प्रसन्न सागर का आगमन न केवल एक जैन संत का आगमन है, बल्कि यह समग्र भारतीय दर्शन के उस शुद्धतम चिंतन का उद्घोष है जो सनातन परंपरा की आत्मा है। पतंजलि विश्वविद्यालय के कुलपति एवं प्रसिद्ध आयुर्वेदाचार्य आचार्य बालकृष्ण ने आचार्य श्री के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त करते हुए संस्कृत में रचित आठ श्लोकों से युक्त प्रशस्ति-पत्र का सस्वर पाठ किया।

समारोह में जैन समाज की ओर से स्वामी रामदेव को प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इसी क्रम में पतंजलि विश्वविद्यालय की ओर से आचार्य प्रसन्न सागर को भी विशेष प्रशस्ति-पत्र भेंट किया गया,जो उनके त्याग,तप और समग्र मानवता के प्रति आध्यात्मिक समर्पण को समर्पित था।

बिना उपकरण सीवरेज चैंबर की सफाई के चलते मौत पर मांगा जवाब

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने प्रदेश में बिना उपकरण मैन्युअल तरीके से सीवरेज चैंबर की सफाई के चलते आए दिन सफाई कर्मचारियों की मौत के मामले में स्वायत्त शासन सचिव, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता सचिव और राजस्थान सफाई कर्मचारी आयोग से जवाब तलब किया है। जस्टिस इन्द्रजीत सिंह और जस्टिस आनंद शर्मा की खंडपीठ ने यह आदेश स्नेहांश फाउंडेशन की ओर से दायर जनहित याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए। दूसरी ओर बीकानेर की वूलन मिल में सेप्टिक टैंक की सफाई करने उतरे तीन सफाई कर्मचारियों की मौत के मामले में राज्य मानवाधिकार आयोग ने भी स्वप्रेरणा से प्रसंज्ञान लेते हुए स्थानीय कलेक्टर, एसपी और मिल प्रबंधक से जवाब मांगा है।

- बीकानेर में तीन सफाई कर्मियों की मौत पर राज्य मानवाधिकार आयोग ने भी लिया प्रसंज्ञान

जनहित याचिका में अधिवक्ता पलक श्रीवास्तव ने अदालत को बताया कि प्रदेश में अधिकांश स्थानों पर सफाई कर्मचारी बिना उपकरण सीवरेज लाइन में उतर कर सफाई करते हैं। जिसके चलते कई बार इन सफाई कर्मचारियों की जहरीली गैस से मौत तक हो जाती है। हाल ही में सीकर के फतेहपुर और पाली सहित अन्य जगहों पर सफाई के दौरान कर्मचारियों की मौत हो गई। याचिका में कहा गया कि 31 जुलाई 2024 की केन्द्र सरकार की रिपोर्ट के अनुसार बीते पांच साल में 377 सफाई कर्मचारियों की मौत हो चुकी है। वहीं सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के आंकड़ों के अनुसार साल 2014 से 2019 तक 33 सफाई कर्मचारियों की सफाई के दौरान मौत हो चुकी है। इसके अलावा साल 2019 के बाद भी कई सफाई कर्मचारी इस दौरान अपना जीवन खो चुके हैं। इसके बावजूद भी राज्य सरकार की ओर से सीवर लाइनों की ऑटोमेटिक मशीन से सफाई नहीं की जा रही है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार राज्य सरकार ने साल 2020 में प्रदेश के बडे जिलों में सफाई उपकरण खरीदने के लिए 176 करोड रुपए स्वीकृत किए, लेकिन दौसा, भरतपुर और सीकर जिलों के लिए कोई प्रावधान नहीं किया गया। याचिका में गुहार की गई है कि सफाई के दौरान सुरक्षा मापदंडों को अपनाया जाना सुनिश्चित किया जाए। इसके अलावा मामले में एक उच्च स्तरीय कमेटी का गठन किया जाए तो नियमित तौर पर अदालत में अपनी रिपोर्ट पेश करे। जिस पर सुनवाई करते हुए खंडपीठ ने संबंधित अधिकारियों से जवाब तलब किया है।

भारत-पाक बॉर्डर व रायसिंहनगर क्षेत्र में 22.50 करोड़ की हेरोइन पकड़ी

भारत-पाकिस्तान बॉर्डर पर एक ड्रोन और पीले रंग का पैकेट बरामद हुआ, जिसमें 7.50 करोड़ की हेरोइन मिली

- रायसिंहनगर के गांव 44 पीएस में खेत से 15 करोड़ की तीन किलो हेरोइन मिली
- ड्रोन और हेरोइन मिलने के बाद विभिन्न सुरक्षा एजेंसियां सतर्क

अनूपगढ़, (निसं)। श्रीगंगानगर जिले से सटे भारत-पाकिस्तान बॉर्डर पर 14के के पास स्थित कैलाश पोस्ट के नजदीक तारबंदी के पास एक ड्रोन और पीले रंग का पैकेट बरामद हुआ है। इसमें करीब डेढ़ किलोग्राम हेरोइन मिली है। इस हेरोइन की अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कीमत लगभग 7.50 करोड़ रुपए आंकी गई है। वहीं रायसिंहनगर विधानसभा के गांव 44 पीएस में एक नरमे के खेत से 3 किलो हेरोइन मिली है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत 15 करोड़ रुपए आंकी जा रही है। दोनों कार्रवाईयों में 22.50 करोड़ रुपये की हेरोइन पकड़ी है।

जानकारी के अनुसार श्रीगंगानगर जिले से सटे भारत-पाकिस्तान बॉर्डर पर पाकिस्तान की ओर से लगातार ड्रग भेजी जा रही है। ये ड्रग ड्रोन के जरिए आ रही है। अनूपगढ़ में भारत-पाक सीमा पर बीएसएफ को कैलाश पोस्ट के नजदीक तारबंदी के पास एक ड्रोन और पीले रंग का पैकेट बरामद हुआ है। इसमें करीब डेढ़ किलोग्राम हेरोइन मिली है। इसके बाद इस पूरे एरिया में सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया है।

गौरतलब है कि बॉर्डर एरिया में लगातार पाकिस्तान की ओर से ड्रोन से ड्रग सप्लाई की जाती है। दो महीने पहले भी श्रीगंगानगर के गजसिंहपुर थाना क्षेत्र में 8 करोड़ की हेरोइन मिली थी। ये भी ड्रोन से आई थी। अनूपगढ़ थाने के एसएचओ ईश्वर जांगिड़ ने बताया कि शुक्रवार सुबह करीब नौ बजे बीएसएफ से यह सूचना मिली। भारत-पाकिस्तान के अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर लगाई गई तारबंदी के पास एक ड्रोन और एक पीले पैकेट में करीब डेढ़ किलोग्राम हेरोइन मिली है। वहीं ड्रोन और हेरोइन मिलने के बाद विभिन्न सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गई है। बीएसएफ और पुलिस ने संयुक्त रूप से सीमावर्ती क्षेत्र में सर्च अभियान शुरू कर दिया है। भारत-पाकिस्तान अंतर्राष्ट्रीय बॉर्डर पर एक बार फिर भारी मात्रा में हेरोइन बरामद की गई है।

1.87 करोड़ का डोडा-चूरा जब्त

जयपुर, (निसं)। चित्तौड़गढ़ जिले की जावदा थाना पुलिस ने अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए गुरुवार को नाकाबंदी के दौरान एक बोलेरो पिकअप से 65 कट्टों में भरा 12 क्विंटल 53 किलो अवैध डोडा चूरा जब्त किया है। जब्त डोडा-चूरा की कीमत करीब 1.87 करोड़ रुपए है।

पुलिस अधीक्षक सुधीर जोशी ने बताया कि गुरुवार रात जावदा थानाधिकारी देवेंद्र कुमार मय टीम द्वारा बस्सी तिराहे पर पहुंच नाकाबंदी की जा रही थी। इसी दौरान जावदा की तरफ से आ रही बोलेरो पिकअप में कार्रवाई की।

जंगल में पेड़ पर युवक का शव लटका मिला

- मृतक युवक की पहचान मेवा पुत्र औंकार बागरिया निवासी रामुरिया थाना आसींद के रूप में हुई

मालपुरा, (निसं)। मालपुरा उपखण्ड क्षैत्र के अरनिया झाडली गांव के जंगल में नदी किनारे शुक्रवार की दोपहर को खजूर के पेड़ पर संदिग्ध परिस्थितियों में एक युवक का शव लटका मिला। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू की है।

थानाधिकारी लाम्बाहरिसिंह राजकुमार ने बताया कि शुक्रवार की दोपहर बाद जरिये दूरभाष पर झाडली पंचायत के अरनिया गांव के जंगल में नदी के किनारे एक खजूर के पेड पर युवक का शव लटका होने की सूचना मिली। तत्काल पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंच युवक के शव को पुलिस सुरक्षा में लिया। मामले से उच्चाधिकारियों को अवगत करवाया गया। अधिकारियों के निर्देशों पर घटनास्थल पर पहुंची मोबाईल इन्वेस्टीगेशन टीम ने मौके पर पहुंचकर शव से सौ मीटर के दायरे में साक्ष्य जुटाकर जांच शुरू की। थानाधिकारी ने बताया कि मृतक युवक की पहचान मेवा पुत्र औंकार बागरिया निवासी रामुरिया थाना आसींद जिला भीलवाड़ा के रूप में की गई है। युवक की पहचान ग्रामीणों द्वारा की गई जिसमें सामने आया कि मृतक मेवा बागरिया जो कि अपने ससुर लादू बागरिया के साथ रहता था। खजूर टहनियों से झाडू बनाकर बैचने का काम करता था। देर शाम तक मौत के कारणों का खुलासा नही हुआ। प्रथमदृष्टया पुलिस आत्महत्या मान रही है। वही ग्रामीणों के सुत्रों से जानकारी सामने आई कि गुरूवार की रात्रि को किसी बात को लेकर मेवा व उसकी पत्नि के बीच कहासुनी हुई थी। शुक्रवार की सवेरे से ही पत्नि घर से बाहर है तो दोपहर बाद युवक का शव नदी किनारे पेड पर रस्सी के सहारे लटका मिला। जिसके घुटने जमीन पर टिके हुये हैं तो गले में बंधा फंदा पेड़ से बंधा हुआ है। घटनास्थल पर मिले युवक के शव के आधार पर ग्रामीण तरह-तरह के कयास लगा रहे हैं।

राजस्थान सरकार
कार्यालय नगर पालिका, सादड़ी (जिला-पाली) राज.
पता: मैन बस स्टेण्ड, सादड़ी (आपकी सेवा में सदैव तत्पर)
Ph.-02934-285022 email: npsadri1979@yahoo.com, gmail.com

क्रमांक : न.पा.सा. / 2025 / 882-884 दिनांक 23.05.2025

-:: Notice Inviting Bid ::-

Bid for subject matters of procurement are invited from intreseted bidders upto (date)& (time). Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal. (https://sppp.rajasthan.gov.in, eproc.rajasthan.gov.in) of the state departmental website.

UBN NO :- DLB2526WSOB05656

अधिशाषी अधिकारी
नगरपालिका सादड़ी
राज.संवाद / सी / 25 / 2934

जोधपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड
कॉर्पोरेट आइडेन्टीफिकेशन नम्बर (सीन)-यू40109आरजे2000एसजीसी016483 पंजीकृत कार्यालय : न्यू पॉवर हाउस, जोधपुर-342003, कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता (सी.एस.एस.) फोन न. :0291-2742336 फैक्स न. : 0291-2745259
ईमेल : secssjodhpur@gmail.com, वेबसाईट : http://energy.rajasthan.gov.in/jdvvnl

ई-निविदा सूचना

जोधपुर डिस्कॉम (राजस्थान) में पुनर्परिवर्तित सुधार-आधारित और परिणाम-संबद्ध, वितरण क्षेत्र योजना(आरडीएसएस) के अंतर्गत जोधपुर ,फलौदी, पाली, सिरोही, जालौर, बाड़मेर, बालोतरा, जैसलमेर, बीकानेर, हनुमानगढ़, श्रीगंगानगर ,चूरू वृत्त में टीएनटीडब्लू-754 से 766 के अधीन टर्नकी आधार पर घरों (एचएच) और सार्वजनिक संस्थानों (डीए-जेजीयूए सहित) का विद्युतीकरण के कार्य के लिए पात्र बोलीदाताओं से दो भागों (तकनीकी-वाणिज्यिक एवं मूल्य बोली) में ई-बोली आमंत्रित की जाती है, यूबीएन नंबर का विवरण निम्नानुसार है।

JVV2526WLOB00108, JVV2526WLOB00109, JVV2526WLOB00110, JVV2526WLOB00111, JVV2526WLOB00112, JVV2526WLOB00113, JVV2526WLOB00114, JVV2526WLOB00115, JVV2526WLOB00116, JVV2526WLOB00117, JVV2526WLOB00118, JVV2526WLOB00119, JVV2526WLOB00121

अन्य विवरण जैसे कार्य विवरण, निविदा मूल्य, धरोहर राशि, निविदा प्रस्तुत करने/खुलने की तिथि इत्यादि का विवरण वेबसाईट http://energy.rajasthan.gov.in/jdvvnl, http://sppp.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है। निविदाकर्ताओं को उनके स्वयं के हित में सलाह दी जाती है कि ऑन लाईन (वेब साईट www.eproc.rajasthan.gov.in पर) निविदा डालने से पहले निविदा दस्तावेजों का सावधानीपूर्वक अध्ययन कर लें। **सूचना :** भविष्य में इन निविदाओं से सम्बन्धित किसी भी प्रकार के संशोधन/तिथि बढ़ाने की जानकारी आदि केवल वेबसाईट http://energy.rajasthan.gov.in/jdvvnl, www.eproc.rajasthan.gov.in एवं http://sppp.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध कराई जाएगी।

राज.संवाद/सी/25/2868 अधीक्षण अभियन्ता (सी.एस.एस.)

बिजली संबंधी शिकायतों के लिए टोल फ्री नम्बर 1800 180 6045

MUNICIPAL BOARD, NATHDWARA DIST.- RAJSAMAND

S.No./M.B.Nath/Nirman/2025/2216 Date20.05.2025

Notice Inviting Bid

Bids for different works Nit No. 14/2025-26 of Municipal Board Nathdwara are invited from interested bidders up to date 30.05.2025 on 18:00 Hours. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in) of the state govt.

UBN No. – DLB2526WSOB05437 TO 05442

Commissioner,
Municipal Board Nathdwara
Raj.Samwad/C/25/2850

शिक्षा विभाग ने राज्यभर में 130 जिला शिक्षा अधिकारियों के तबादले किये

- इंदिरा चौधरी को संयुक्त निदेशक प्रारम्भिक शिक्षा से हटाकर अब निदेशालय में ही माध्यमिक शिक्षा का जिम्मा सौंपा

बीकानेर, (निसं)। शिक्षा विभाग ने राज्यभर में अपने अधिकारियों के ट्रांसफर कर दिए हैं। शुक्रवार को जारी लिस्ट में एक साथ 130 जिला शिक्षा अधिकारियों (डीईओ) को इधर-उधर कर दिया है, जिससे विभाग ने जिला स्तर पर अपनी कमान बदल दी है। इन अधिकारियों को जल्द ही नए जिलों में ज्वाइन करना होगा।

शिक्षा विभाग के शासन सचिव की ओर से जारी आदेश में इंदिरा चौधरी को संयुक्त निदेशक प्रारम्भिक शिक्षा से हटाकर अब निदेशालय में ही माध्यमिक शिक्षा का जिम्मा सौंपा गया है। इस पद पर पहले से काम कर रहे जगबीर सिंह को अब माध्यमिक शिक्षा में ट्रेनिंग का काम दिया गया है। बीकानेर डाइट में वाइस प्रिंसिपल के रूप में काम कर रही वीणा सोलंकी को माध्यमिक शिक्षा निदेशालय में उप निदेशक (माध्यमिक) के महत्वपूर्ण पद पर लगाया गया है। विभाग ने इस आदेश में अधिकांश जिलों में सीडीईओ बदल दिए हैं। जिला शिक्षा अधिकारी (मुख्य) के इस पद पर तबादले करने के साथ ही जिले का नेतृत्व ही बदल गया है। आदेश में बूंदी, बांसवाड़ा, पाली, झुंझुनूं, सीकर, दौसा, बूंदी, चूरू, अजमेर, कोटा, बाड़मेर, प्रतापतगढ़ और उदयपुर सहित कई जिलों में जिला मुख्यालय और तहसील मुख्यालयों पर बदलाव किए हैं।

माना जा रहा है कि गर्मी की छुट्टियों में ही टीचर्स के भी ट्रांसफर हो सकते हैं। फिलहाल आला अधिकारियों को बदला गया है। इसके बाद स्कूल प्रिंसिपल, लेक्चरर और ग्रेड सेकेंड के टीचर्स के तबादलों की लिस्ट आ सकती है। हालांकि विभाग ने अब तक इस बारे में कोई शिड्यूल जारी नहीं किया है। ट्रांसफर को लेकर सुगबुगाहट जरूर शुरू हो गई है। पिछले कई साल से तबादलों से वंचित ग्रेड थर्ड के टीचर्स को लेकर अब तक कोई निर्णय नहीं हुआ है। कांग्रेस सरकार ने एक भी ग्रेड थर्ड टीचर का ट्रांसफर नहीं किया था। अब सरकार बदल गई है। ऐसे में ग्रेड थर्ड टीचर्स ट्रांसफर की उम्मीद कर रहे हैं। करीब एक लाख ग्रेड थर्ड टीचर्स ट्रांसफर के इंतजार में है।

वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय, कोटा
अधिसूचना - 8/2025
प्री टीचर एजुकेशन टेस्ट (पी.टी.ई.टी.) 2025
4 वर्षीय बी.ए.बी.एड./बी.एससी.बी.एड. प्रवेश परीक्षा

राजस्थान के विभिन्न महाविद्यालयों में संचालित 4 वर्षीय बी.ए.बी.एड./बी.एससी.बी. एड. पाठ्यक्रमों में सत्र 2025-26 में प्रवेश हेतु राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद् एवं राज्य सरकार के नियमानुसार पात्र अभ्यर्थियों से वेबसाइट ptetvmoukota2025.in पर ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किये जाते हैं। इस सम्बन्ध में अभ्यर्थी से अपेक्षा है कि आवेदन से पूर्व उक्त वेबसाइट पर उपलब्ध दिशा-निर्देशों का अध्ययन कर लेवें।

क्र.सं.	विवरण	महत्त्वपूर्ण तिथियाँ
1.	आवेदन की अंतिम तिथि	25.05.2025
2.	(इस परीक्षा हेतु आवेदन का यह अंतिम अवसर है।) प्रवेश परीक्षा तिथि	15.06.2025

प्रवेश परीक्षा शुल्क रु. 500/-

समन्वयक, पी.टी.ई.टी. - 2025

कार्यालय नगर परिषद, चौमूँ-जयपुर (राज.)
Tel-01423-220036 e-mail:chomu.jaipur@yahoo.com

क्रमांक / न.प. चौमूँ / 2025 / 690 दिनांक 22.05.2025

ई-निविदा आमंत्रण सूचना

नगर परिषद कार्यालय चौमूँ द्वारा आगामी वित्तीय वर्ष 2025-26 हेतु दर संविदा के माध्यम से कार्य करवाने हेतु उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेंन्ट प्रकिया द्वारा ई-निविदा आमंत्रित की जाती हैं। निविदा सूचना एवं शर्ते http://sppp.rajasthan.gov.in पर NIB Code – DLB2025A1608 तथा UBN NO : DLB2526SLOB05530, DLB2526SLOB05532 पर डाउनलोड कर देखा जा सकता है।

आयुक्त
नगर परिषद चौमूँ
राज.संवाद / सी / 25 / 2878

कार्यालय नगर परिषद बून्दी

क्रमांकः– 1227–30 दिनांकः– 23.05.2025

-:: संशोधित निविदा सूचना ::-

नगर परिषद बून्दी द्वारा जारी निविदा सं0: न.प.बू. / निर्माण / 2025-26 / 917 दिनांक 13 / 05 / 2025 की निविदा दिनांक 14 / 05 / 2025 से दिनांक 26 / 05 / 2025 शायः 6.00 बजे तक ऑनलाईन विक्रय कर निविदा दिनांक 27 / 05 / 2025 को 3.00 बजे तक प्राप्त करने तथा निविदा दिनांक 27 / 05 / 2025 को 04.00 बजे ऑनलाईन खोली जानी थी। उक्त निविदा में संशोधन कर निविदा दिनांक 03.06.2025 शायः 6.00 बजे तक ऑनलाईन विक्रय की जावेगी। निविदा दिनांक 04.06.2025 3.00 बजे तक प्राप्त कर दिनांक 04.06.2025 को 04.00 बजे ऑनलाईन खोली जायेगी। विस्तृत शर्ते व विवरण निविदा sppp.rajasthan.gov.in/eproc.rajasthan.gov.in पर DLB2526WSOB04624, DLB2526WSOB04625, DLB2526WSOB04626, DLB2526WSOB04627 तथा कार्यालय समय मे किसी भी कार्यदिवस को नगर परिषद मे देखा जा सकता है।

आयुक्त
नगर परिषद, बून्दी
राज.संवाद / सी / 25 / 2936

अनूपगढ़ के कृषि पर्यवेक्षक की हत्या, सड़क किनारे शव मिला

- पुलिस के अनुसार प्रथमदृष्टया मामला आपसी रंजिश या लेन-देन से जुड़ा लग रहा है

हनुमानगढ़, (निसं)। टाउन थाना क्षेत्र में सड़क किनारे एक युवक का खून से सना शव मिला है। युवक की पहचान रावला निवासी सुनील के रूप में हुई है, जो कृषि पर्यवेक्षक के पद पर अनूपगढ़ क्षेत्र में कार्यरत था। परिजनों की रिपोर्ट के आधार पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सीओ सिटी मीनाक्षी ने बताया कि परिजनों के अनुसार सुनील पेमेंट लेने के लिए सूरतगढ़ गया था, जहां वह अपने साले के साथ रुका हुआ था। देर रात उसने साले को लेट हो जाने का हवाला देकर वापस लौटने की बात कही और रवाना हो गया। उसने परिजनों को जानकारी दी थी कि रावतसर से पेमेंट लेने के बाद वह जयपुर के लिए रवाना होगा। सुबह जब परिजनों ने उसका फोन बंद पाया तो चिंता बढ़ गई। बार-बार संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। इसके बाद परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। तलाश के दौरान ही टाउन क्षेत्र के 26 एसएसडब्ल्यू रोही के पास सड़क किनारे खून से सना शव मिलने की सूचना मिली। जब परिजन मौके पर पहुंचे तो उन्होंने शव की पहचान सुनील के रूप में की। मामले की गंभीरता को देखते हुए सुनील के पिता ओमप्रकाश ने टाउन थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई। पुलिस ने रिपोर्ट के आधार पर अज्ञात लोगों के खिलाफ हत्या सहित अन्य धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए जिला अस्पताल की मॉर्चुरी में रखवाया गया था। पुलिस ने पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है। टाउन थानाधिकारी सुभाष कच्छावा मामले की जांच कर रहे हैं।

वहीं, सीओ सिटी मीनाक्षी ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला आपसी रंजिश या लेन-देन से जुड़ा लग रहा है और अन्य कारण भी हो सकते हैं, हालांकि जांच के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। आस पास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है और सीसीटीवी में जो भी संदिग्ध लग रहा है, उसकी पहचान की जा रही है। सीओ सिटी मीनाक्षी ने बताया कि मामले में हर एंगल से जांच की जा रही है। वो कहां कहां रुका उसके आसपास के भी सीसीटीवी खंगाले जा रहे हैं। सुनील को लेकर परिजन और मित्रों का कहना है कि वह मिलनसार और शांत स्वभाव का युवक था। उसकी किसी से कोई दुश्मनी नहीं थी, जिससे यह हत्या और भी रहस्यमयी बन गई है।

रेलवे कर्मचारी ने झांसा देकर 1.55 करोड़ हड़पे

रेलवे भूमि विकास बोर्ड से सरकारी भूमि का आवंटन करने का झांसा दिया

- ठगी का अहसास होने पर पीड़ित ने आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी की रिपोर्ट दर्ज करवाई

अजमेर, (कासं)। रामगंज थाना क्षेत्र में रहने वाले रेलवे के अजमेर मंडल के डीजल लोको शेड में कार्यरत कर्मचारी और उसकी पत्नी की ओर से बड़े अफसरों से संपर्क होने की बात कहकर रेलवे भूमि विकास बोर्ड से सरकारी भूमि का आवंटन करने का झांसा देकर 1 करोड़ 55 लाख रुपए की धोखाधड़ी करने का मामला सामने आया है। पीड़ित ने थाने में मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

रामगंज थाने में पीड़ित परिवादी शशिपाल ने रेल कर्मचारी निशाद खान के खिलाफ शिकायत देते हुए धोखाधड़ी कर रकम हड़पने का मुकदमा दर्ज करवाया है। पीड़ित ने दर्ज रिपोर्ट में बताया कि निशाद खान ने भरोसे में लेते हुए कहा कि वह रेलवे की जमीन आवंटित करवा सकता है। शुरुआत में पीड़ित ने 40 लाख रुपए नकद दिए।

इसके बाद अलग-अलग किश्तों में 60 लाख और 55 लाख रुपए नकद दिए गए। आरोपी पीड़ित से 1.55 करोड़ रुपए की नकद राशि प्राप्त कर चुका है। शशिपाल ने बताया कि जमीन की फाइलें और कागजात भी दिखाए गए थे, जिससे उस पर भरोसा हो गया था, लेकिन भुगतान के बाद जब पजेशन की मांग की गई तो आरोपी टालमटोल करने लगा।

कई बार दबाव डालने के बावजूद जमीन हस्तांतरित नहीं की गई और न ही राशि लौटाई गई। ठगी का अहसास होने पर पीड़ित ने आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी की रिपोर्ट दर्ज करवाई। इस मामले की जांच एएसआई अनिल कुमार कर रहे हैं।

राजस्थान सरकार
कार्यालय अधिशाषी अभियंता
चिकित्सा एवं स्वास्थ्य
राजकीय जनाना चिकित्सालय परिसर,
मोरी चार बाग-भरतपुर 321 001 (राज.)
eemhbharatpur@gmail.com
ee-mh-bharatpur@gov.in
Mob. 960209700

क्रमांक / M&H/2025-26/513 दिनांक : 09.05.2025

निविदा सूचना संख्या : 09/2025-26

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के अंतर्गत विभिन्न कार्य जिला भरतपुर में रु. 312.00 लाख के निर्माण कार्य हेतु राजस्थान सरकार के समकक्ष उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग एवं राज्य सरकार/केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवं दूर संचार विभाग/ रेल्वे इत्यादि में सिविल कार्यों हेतु पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेंट निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित विवरण DIPR की वेबसाईट www.dipronline.Org, http://eproc.rajasthan.gov.in व विभागीय वेब साईट http://rajswasthya.nic.in पर देखा जा सकता है।

S.No.	Name of work	Amount	UBIN No
1.	Construction of SHC Building Bhainsada-Distt. Deeg	52.00	MHS2526WSOB00890
2.	Construction of SHC Building Shahpura-Distt. Dholpur	52.00	MHS2526WSOB00891
3.	Construction of SHC Building Sundarpur-Distt. Dholpur	52.00	MHS2526WSOB00892
4.	Construction of SHC Building Aashaki-Distt, Karauli	52.00	MHS2526WSOB00893
5.	Construction of SHC Building Raghuvanshi-Distt, Karauli	52.00	MHS2526WSOB00894
6.	Construction of SHC Building Bhavanwada-Distt, Karauli	52.00	MHS2526WSOB00895

(एल.के. अग्रवाल)
DIPR/C/6306/2025 अधिशाषी अभियंता चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, भरतपुर

कार्यालय नगरपालिका नाथद्वारा (राजसमन्द)

क्रमाक :न.पा.ना. / 2025 / 2379 दिनांक : 22.05.2025

-: ऑनलाईन निविदा सूचना सं. 16/2025-26 :-

नगरपालिका नाथद्वारा द्वारा निम्नानुसार कार्यविशेष का अनुभव रखने वाले पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार / केन्द्र-सरकार के अधिकृत संगठनो व अन्य संबंधित विभागों में पंजीकृत संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में टेण्डररिंग प्रक्रिया द्वारा आमंत्रित की जाती है। विस्तृत विवरण www.sppp.raj.nic.in पर भी उपलब्ध है तथा कार्यालय समय में सूचना बोर्ड पर अथवा स्टोर शाखा में भी देखा जा सकता है।

क्र.सं.	निविदा की संख्या	SPPP UBN	NIB No
1.	01.	DLB2526GSOB05551	DLB2526A1619
2.	02.	DLB2526GSOB05551	DLB2526A1619

आयुक्त
नगरपालिका नाथद्वारा
राज.संवाद / सी / 25 / 2852

उदयपुर विकास प्राधिकरण, राजस्थान

No. :- F-2(01)Acct/Contract/2025-26/45 - 47 Date : 21/05/2025

ई-निविदा सूचना संख्या : 12/2025-26

उदयपुर विकास प्राधिकरण, उदयपुर द्वारा निम्नलिखित कार्यो मय डिफेक्ट लाईबिलिटी अवधि के लिये जो कि निविदा प्रपत्र में अंकित है के लिये उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदको से निर्धारित प्रपत्र में ई-टेण्डरिंग के माध्यम से ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है :-

निविदा कार्यो की कुल लागत	रूपये 954.33 लाख (01 कार्य)
ऑनलाईन निविदा प्रपत्र डाउनलोड / अपलोड करने की अवधि	22.05.2025 को प्रातः 10.00 बजे से 11.06.2025 को सांयः 6.00 बजे तक
Online EMD, Tender Fee & Processing Fee जमा कराने की तिथी	22.05.2025 को प्रातः 10.00 बजे से 11.06.2025 को सांयः 6.00 बजे तक
ऑनलाईन निविदा खोलने की तिथी	12.06.2025 को प्रातः 11:00 बजे

विस्तृत विवरण वेबसाईट urban.rajasthan.gov.in/uitudaipur, www.eproc.rajasthan.gov.in व www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

UBN No. : ITU2526WLOB00081

अधिशाषी अभियन्ता - प्रथम
उदयपुर विकास प्राधिकरण
राज.संवाद/सी/25/2842

राजस्थान स्टेट इंडस्ट्रियल डवलपमेंट एंड इनवेस्टमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड
(राजस्थान सरकार का उपक्रम)
उद्योग भवन, तिलक मार्ग, जयपुर- 302005, फोन-0141-2227751,4593201
ई-मेल-riico@riico.co.in वेबसाइट-riico.rajasthan.gov.in

निविदा सूचना

रीको द्वारा निम्नांकित कार्यों / आपूर्ति / सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए सीलबंद निविदाएँ एवं राशि रू. 2.00 लाख से अधिक की निविदाएँ ई-प्रोक्यूरमेंट प्रक्रिया से ऑनलाइन निर्धारित प्रपत्र में eproc.rajasthan.gov.in पर आमंत्रित की जाती हैं:-

इकाई का नाम, UBN एवं कार्य की राशि (लाख रू. में):- अजमेर- औद्योगिक क्षेत्र अजयमेरू पालरा विस्तार में विकास कार्य। RDC2526WLOB00172(1797.77), RDC2526WSOB00155(9.90), RDC2526WSOB00203(1.89), बीकानेर-RDC2526WSOB00236(245.41), RDC2526WSOB00237(367.08), जयपुर(दक्षिण)-RDC2526WLOB00238(847.55), RDC2526WSOB00242(53.07), RDC2526WSOB00244(3.27), RDC2526WSOB00246(5.57), RDC2526WSOB00249(3.77), बोरानाड़ा-RDC2526WSOB00234(349.00), नीमराना-RDC2526WSOB00161(20.09), RDC2526WSOB00162(3.84), RDC2526WSOB00163(2.77), RDC2526WSOB00164(10.00), RDC2526WSOB00165(15.77), RDC2526WSOB00166(12.34), RDC2526WSOB00167(18.02), RDC2526WSOB00168(3.96), RDC2526WSOB00169(10.76), RDC2526WSOB00171(5.04), अलवर-RDC2526WSOB00175(26.17), RDC2526WSOB00180(12.44), RDC2526WSOB00178(6.45), RDC2526WSOB00177(14.49), श्रीगंगानगर-RDC2526WSOB00182(8.84), RDC2526WSOB00183(3.76), RDC2526WSOB00185(2.03), RDC2526WSOB00187(21.55), RDC2526WSOB00208(6.01), RDC2526WSOB00209(2.82), उदयपुर-RDC2526WSOB00193(27.34), RDC2526WSOB00213(3.46), RDC2526WSOB00211(5.28), RDC2526WSOB00210(3.38), चूरू-RDC2526WSOB00179(6.13), RDC2526WSOB00181(4.75), RDC2526WSOB00184(46.41), RDC2526WSOB00186(100.98), RDC2526WSOB00188(48.42), राजसमंद-RDC2526WSOB00173(9.95), RDC2526WSOB00174(141.62), RDC2526WSOB00176(11.28), RDC2526WSOB00235(4.71), सवाईमाधोपुर-RDC2526WSOB00192(14.53), RDC2526WSOB00212(1.81), झुझुनुं-RDC2526WSOB00194(8.06), RDC2526WSOB00195(5.76), सीकर-RDC2526WSOB00156(72.18), RDC2526WSOB00157(40.00), RDC2526WSOB00158(5.08), RDC2526WSOB00159(12.44), RDC2526WSOB00160(11.05), RDC2526WSOB00197(3.61), RDC2526WSOB00200(34.86), आबूरोड़-RDC2526WSOB00198(12.05), RDC2526WSOB00199(4.68), नागौर-RDC2526WSOB00204(9.63), RDC2526WSOB00205(5.86), RDC2526WSOB00206(3.13), RDC2526WSOB00207(3.38), बांसवाड़ा-RDC2526WSOB00216(20.90), RDC2526WSOB00220(34.37), पाली-RDC2526WSOB00189(1.88), RDC2526WSOB00190(5.42), RDC2526WSOB00191(4.77), RDC2526WSOB00196(4.75), RDC2526WSOB00239(80.98), RDC2526WSOB00240(78.88), भरतपुर-RDC2526WSOB00214(4.11), RDC2526WSOB00217(28.95), भिवाड़ी-प्रथम-RDC2526WSOB00228(7.33), ईपीआईपी सीतापुरा, जयपुर-RDC2526WSOB00224 (1.84), RDC2526WSOB00225(1.89), RDC2526WSOB00226(1.82), RDC2526WSOB00227(1.84), RDC2526WSOB00215(9.56), RDC2526WSOB00218(20.17), RDC2526WSOB00219(3.20), RDC2526WSOB00221(40.01), RDC2526WSOB00222(22.17), RDC2526WSOB00223(30.17), जयपुर(ग्रामीण)-RDC2526WSOB00243(10.50), RDC2526WSOB00245(10.93), RDC2526WSOB00247(22.34), RDC2526WSOB00248(25.85), RDC2526WSOB00250(10.75), RDC2526WSOB00241(38.97), दौसा-RDC2526WSOB00230(5.97), RDC2526WSOB00231(2.65), RDC2526WSOB00233(3.56),

कुल कार्यों की संख्या- 91

निविदा का विस्तृत विवरण, नियम इत्यादि एवं भविष्य में निविदा में किसी प्रकार के संशोधन / तिथि बढ़ने की जानकारी हेतु वेबसाइट riico.rajasthan.gov.in/ www.eproc.rajasthan.gov.in/ www.sppp.rajasthan.gov.in को देखें। अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें: महाप्रबंधक (सिविल), फोन- 0141-4593243

Raj.Samwad/C/25/2946

कार्यालय नगर पालिका पिलानी जिला - झुंझुनूं (राज.)
Email – pilani.jaipur@gmail.com P.H. – 01596-242129

क्रमांक :– न.पा.पि. / 2025–26 / 542 दिनांक :– 22.05.2025

- ई-निविदा सूचना -
(NIB CODE – DLB2526A1637)

नगरपालिका पिलानी द्वारा निम्नलिखित कार्य से सम्बन्धित समस्त संकर्म / सेवाओ श्रेणी के केन्द्र / राज्य सरकार के श्रम विभागों में पंजीकृत ठेकेदारों / फर्मस् / संवेदको से निविदा eproc.rajasthan.gov.in पर आमंत्रित की जाती है। उक्त निविदा प्रकाशित होने की दिनांक 22.05.2025 को प्रातः 5:00 से दिनांक 11.06.2025 को दोपहर 02:00 बजे तक ऑनलाईन eproc.rajasthan.gov.in पर जमा करवाई जा सकती है। निविदा के दस्तावेज दिनांक 11.06.2025 को दोपहर 2:00 बजे तक जमा करवाया जान अनिवार्य है। प्राप्त निविदायें दिनांक 12.06.2025 को सांय 4.00 बजे बाद eproc.rajasthan.gov.in पर खोली जावेगी। निविदा से संबंधित शर्ते एवं विस्तृत विवरण निम्न विवरणानुसार इंटरनेट साईट पर eproc.rajasthan.gov.in तथा http://sppp.rajasthan.gov.in व कार्यालय मे कार्यालय समय पर भी देखी जा सकती है।

S.No.	Tender UBN/NIB Number
1	(DLB2526SLOB05603)

अधिशाषी अधिकारी
नगर पालिका पिलानी
राज.संवाद / सी / 25 / 2921

चित्तौड़गढ़ दुर्ग के पास पहली बार जंगली भालू दिखा

उदयपुर, (निसं)। चित्तौडगढ़ के ऐतिहासिक दुर्ग में शुक्रवार सुबह एक अनोखी घटना हुई। सूरजपोल गेट के पास एक जंगली भालू दिखा जो गेट पार करके किले की पहाड़ियों की तरफ चला गया। किले में तैनात सुरक्षा गार्ड ने भालू का वीडियो बना कर भारतीय पुरातत्व विभाग के अधिकारी प्रेम शर्मा को भेजा। प्रेम शर्मा ने तुरंत वन विभाग को सूचना दी।

वन विभाग की फ्लाइंग टीम जिसका नेतृत्व रेंजर नेपाल सिंह कर रहे थे। दोपहर तक मौके पर सर्च ऑपरेशन चलाती रही। उनके साथ दिल्ली गेट नाका के वनपाल झूमर राम और वनरक्षक मुकेश कुमार भी थे। हालांकि अब तक भालू को फिर से नहीं देखा गया है। ये घटना इसलिए खास है क्योंकि चित्तौड़गढ़ किले या आसपास के मृग वन, बस्सी सेंचुरी, सीतामाता सेंचुरी और टेरिटोरियल एरिया में कभी भी भालू नहीं देखा गया था। पहली बार किसी ने यहां भालू देखा है जिससे स्थानीय लोग काफी हैरान और थोड़े डरे हुए भी हैं। वन विभाग के अधिकारियों का मानना है कि यह भालू संभवतः मध्य प्रदेश के जंगलों से होकर आया होगा या मेनाल की पहाड़ियों से भटक कर यहां पहुंचा है। सामान्यतः जंगली जानवर भोजन और पानी की तलाश में नए इलाकों में जाते हैं।

स्थानीय लोग और पर्यटक इस खबर को लेकर काफी उत्सुक हैं लेकिन वहीं कुछ डर भी महसूस कर रहे हैं। वन विभाग ने साफ कहा है कि अगर भालू दोबारा नजर आए तो किसी भी हालत में उसके पास जाकर उसे परेशान न करें। सिर्फ दूर से नजर रखें और तुरंत विभाग को सूचित करें। अभी भी वन विभाग की टीम भालू की खोज में लगी हुई है और किले के आसपास गश्त बढ़ा दी गई है।

कार्यालय नगरपालिका सरवाड़ जिला-अजमेर, (राज0)
E mail. npsarwad@gmail.com Address Ajmer Kota Road Sarwar PH.No. 01496-230034

क्रमांक : न.पा.स. / निर्माण / 2025–26 / 675 दिनांक : 22.05.2025

ई-निविदा सूचना संख्या (05/2025-26)
(NIB NUMBER - DLB2526A1639)

एतदद्वारा यह है कि नगरपालिका सरवाड़ की ओर से निम्नलिखित कार्यों के लिए राजकीय विभाग में नियमानुसार उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में मोहरबन्द निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। निविदा सम्बन्धित अधिक जानकारी वेबसाईट www.sppp.rajasthan.gov.in एवं www.eproc.rajasthan.gov.in पर भी उपलब्ध हैं एवं किसी भी कार्य दिवस को कार्यालय में आकर देखी जा सकती है।

निविदा के कुल कार्य – 20 (बीस)

UBN NO. –
1. DLB2526WSOB05609
2. DLB2526WSOB05626
3. DLB2526WSOB05627
4. DLB2526WSOB05628
5. DLB2526WSOB05629
6. DLB2526WSOB05630
7. DLB2526WSOB05631
8. DLB2526WSOB05632
9. DLB2526WSOB05636
10. DLB2526WSOB05638
11. DLB2526WSOB05640
12. DLB2526WSOB05642
13. DLB2526WSOB05644
14. DLB2526WSOB05645
15. DLB2526WSOB05648
16. DLB2526WSOB05649
17. DLB2526WSOB05651
18. DLB2526WSOB05652
19. DLB2526WSOB05653
20. DLB2526WSOB05655

राज.संवाद / सी / 25 / 2931 अध्यक्ष अधिशाषी अधिकारी

बजरी का खनन कर परिवहन करते दो ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त

- पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया

पावटा, (निसं)। बजरी के अवैध खनन और परिवहन के मामले में प्रागपुरा थाना पुलिस ने दो ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जिला पुलिस अधीक्षक राजन दुष्यंत ने बताया कि अवैध खनन, परिवहन व भंडारण के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही के लिए संपूर्ण जिले में चलाये गए अभियान की पालना में अतिरिक्त पुलिस वैभव शर्मा के निर्देशन व वृत्ताधिकारी वृत्त विराटनगर शिप्रा राजावत के सुपरविजन एवं प्रागपुरा थानाधिकारी किरण सिंह के नेतृत्व में गठित टीम द्वारा बजरी के अवैध खनन और परिवहन करते दो ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। प्रागपुरा थानाधिकारी किरण सिंह ने बताया कि चालक सोहनलाल (28)पुत्र श्योराम निवासी अमाई तहसील व थाना कोटपुतली एवं राजाराम(30) पुत्र गोपीराम निवासी अमाई तहसील व थाना कोटपुतली को गिरफ्तार कर अवैध बजरी खनन एवं परिवहन का मुकदमा दर्ज किया है। ट्रैक्टर ट्रॉलियों में अवैध बजरी भरी होने पर जब्त कर थाने लाकर सुरक्षार्थ खड़ा करवाया दिया। पुलिस ने ट्रैक्टर ट्रॉलियां जब्त कर अज्ञात चालकों के खिलाफ एमएमडीआर एक्ट में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

कार्यालय अधिशाषी अभियंता जन स्वा.अभि. विभाग, खण्ड बाडी

NIB No.: 17/2025-26 14.05.2025

निविदा सूचना

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से पी.डब्ल्यू.एफ. एंड ए.आर. पार्ट-II अपेण्डिक्स 16 दिनांक 01.07.1999 से लागू एवं समय-समय पर वित्त विभाग द्वारा जारी संशोधित परिपत्रों (आज तक) के अनुरूप विभाग में उपर्युक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों/सप्लायर्स एवं निवदा प्रपत्र में वांछित योग्यता रखतें हो, से इस कार्यालय की निविदा सं. 17/2025-26 के लिये मोहरबंद निविदा आमंत्रित की जाती है। ई-निविदा संख्या 17/2025-26 के निवदा प्रपत्र https://eproc.rajasthan.gov.in/ दिनांक 26.05.2025 को 06.00 पी.एम. तक डाउनलोड किए जा कर दिनांक 26.05.2025 को 06.00 पी.एम. तक ऑनलाइन जमा किए जाकर दिनांक 27.05.2025 को 12.00 पीएम पर टैक्नीकल बिड (तकनीकी बोली) खोली जावेगी।

NIT No.	Name of work	Estimated Cost (Rs in Lacs)	Earnest Money in Rs.		MD RISL (in Rs)	Tender Fee (in Rs)	Period for completion
			2%	0.05%			
NIT 17/25-26	4 No. Construction and Commissioning of Solar Energy Based Bore Wel Water Pumping Systems, with Storage Reservoir and PSP including Five Years Defect Liability in Division Bari District Dholpur	29.23	58460	14615	500	1000.00	30 DAYS
NIB No.:	PHE2526A1097						
UBN:	PHE2526WSOB02309						

Note: 1. If Holiday is declared on submission and/or opening date of tender the scheduled actvity will take place on next working day/If Procuring entity is not present on the submission and opening date of tender the scheduled activty will take place on day on which procurling entity (HOO) is present.

नोटः- निविदा से संबंधित नियम एवं शर्ते, आदि कार्यालय समय में देखी जा सकती है।

(Deshraj Sing Gurjar)
Executive Engineer PHED Division Bari
DIPR/C/6478/2025

आईपेड चुराने वाला आरोपी गिरफ्तार

जयपुर। एसएमएस अस्पताल थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए महिला चिकित्सक का आईपैड चुराने वाले एक वाले एक आरोपित को पकडा है और उसके पास से चुराया गए आईपेड भी जब्त किया गया है। फिलहाल आरोपी से पूछताछ की जा रही है। पुलिस उपायुक्त जयपुर (पूर्व) तेजस्वनी गौतम ने बताया कि एसएमएस अस्पताल की चिकित्सक डॉक्टर आयुषी अग्रवाल का आईपेड चुराने वाले आरोपी मयंक चाचरा निवासी देहरादून (उत्तराखंड) को रेलवे स्टेशन पास से गिरफ्तार किया है और उसके पास से आईपैड बरामद किया है।

मोबाइल लूटा

जयपुर। सिंधी कैंप थाना इलाके में दो बदमाश एक व्यक्ति को ब्लेड दिखाकर जान से मारने की धमकी दी और उससे मोबाइल छीनकर ले गए। पुलिस के अनुसार मध्यप्रदेश निवासी बंशी लाल शर्मा ने मामला दर्ज करवाया कि वह सिंधी कैम्प बस स्टेण्ड के पास स्टेशन रोड पर खड़ा था इसी दौरान दो बदमाश आए और उसे ब्लैड दिखाकर जान से मारने की धमकी दी। बदमाश उससे डरा धमका कर मोबाइल ले गए। घटना 22 मई शाम करीब चार बजे की है।

प्रदेशभर में चिकित्सा संस्थानों एवं औषधि भण्डार गृहों का निरीक्षण किया

जयपुर। राजस्थान मेडिकल सर्विसेज कॉरपोरेशन की ओर से दवा आपूर्ति प्रबंधन को सुदृढ़ रखने के उद्देश्य से प्रदेशभर में औषधि भण्डार गृहों एवं चिकित्सा संस्थानों का निरीक्षण किया जा रहा है। आरएमएससीएल की प्रबंध निदेशक नेहा गिरि के निर्देशन में किए इन निरीक्षणों के तहत मुख्यालय से टीमें विभिन्न जिलों का दौरा कर औषधियों की उपलब्धता, लू तापघात प्रबंधन, ऑक्सीजन की उपलब्धता, उपकरणों का रख रखाव एवं विभागीय कार्यक्रमों के क्रियान्वयन का सघन परीक्षण कर रही हैं।

आरएमएससीएल मुख्यालय जयपुर के एडीसी मनोज धीर एवं रोशनलाल के की ओर से मेडिकल कॉलेज औषधि भण्डार केन्द्र जोधपुर के चिकित्सालय पावटा एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बालेसर का सघन निरीक्षण किया गया। टीम ने पाली जिले के चिकित्सा संस्थानों का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण दल को स्थानीय अधिकारियों ने जिला औषधि भण्डार में दवाओं की उपलब्धता, वितरण, वाक इन कूलर एवं अन्य व्यवस्थाओं से अवगत कराया। पाली में

राजस्थान मेडिकल सर्विसेज कॉरपोरेशन की ओर से प्रदेशभर में औषधि भण्डार गृहों एवं चिकित्सा संस्थानों का निरीक्षण किया गया।

टीम ने बांगड अस्पताल के सब स्टोर, दवा वितरण केन्द्र एवं ऑक्सीजन आपूर्ति आदि का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने मुख्यमंत्री निशुल्क दवा वितरण योजना के प्रभावी क्रियान्वयन, ऑक्सीजन प्लांट की क्रियाशीलता, लू-तापघात प्रबंधन से संबंधित दवाओं की उपलब्धता सहित अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इसी प्रकार आरएमएससीएल की कम्पनी सचिव ममता अग्रवाल एवं सहायक लेखाधिकारी कविता बैरवा ने सांगानेर अस्पताल जयपुर, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, कोटखावदा एवं जिला औषधि

■ यह मॉक ड्रिल सिर्फ एक अभ्यास नहीं बल्कि शहर की सुरक्षा का भविष्य

भण्डार गृह, जयपुर द्वितीय का सघन निरीक्षण किया। टीम ने हीटवेव से बचाव एवं उपचार के लिए बेहतर प्रबंधन बनाए रखने के साथ ही कार्मिकों को अलर्ट मोड और प्रो-एक्टिव एप्रोच के साथ काम करने के निर्देश दिए। दवा वितरण केंद्रों पर कार्यरत समस्त फार्मासिस्ट को दवा वितरण में किसी तरह की कमी नहीं रखने और दवाओं की पर्याप्त उपलब्धता के संबंध में भी निर्देश दिए। इसके अलावा अधिकारियों ने संस्थागत प्रसव, परिवार कल्याण कार्यक्रम, नियमित टीकाकरण, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य गतिविधियों, विभागीय कार्यक्रमों एवं योजनाओं की प्रगति के संबंध में भी विस्तार से जानकारी प्राप्त की। उन्होंने निर्धारित कार्य योजना अनुसार नियमित टीकाकरण तथा संस्थागत प्रसव के लक्ष्य को शत प्रतिशत प्राप्त करने हेतु सार्थक प्रयास करने के निर्देश दिए।

सार-समाचार

लक्ष्मी सैनी ने विज्ञान 12वीं में 95.20 फीसदी अंक मिले

जयपुर। राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड 12वीं विज्ञान में चांद देवी सीनियर सेकेंडरी स्कूल खोराश्यामदास आमेर जयपुर में छात्रा लक्ष्मी सैनी ने 95.20 प्रतिशत अंक हांसिल कर सर्वोच्च स्थान प्राप्त किया है। उसके पिता खोराश्यामदास में जगदीश सैनी खेती का काम संभालते हैं। लक्ष्मी ने बताया डॉक्टर बनने का सपना है। समाज और बुजुर्ग लोगों की सेवा करने का मौका मिलेगा।

ठेकाकर्मी शीघ्र नियमित होने के लिये आंदोलन करेंगे

जयपुर। अखिल राजस्थान राज्य कर्मचारी संयुक्त महासंघ एकीकृत के प्रदेश अध्यक्ष गजेंद्र सिंह राठौड़ के नेतृत्व में विभिन्न विभागों जिसमें जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग परियोजना, बिजली एवं चिकित्सा विभाग के विभागाअध्यक्षों से ठेका कर्मचारियों को ठेकेदारों के शोषण से मुक्त करने के लिए मिले राजस्थान सरकार द्वारा ठेका प्रथा समाप्त करने के लिए बजट घोषणा 2025- 26 में की गई घोषणा की पूर्ति के लिए कार्मिक विभाग के निर्देशन में एक राजकीय संस्था बनाकर इन ठेका कर्मचारी को नियमित नियुक्ति प्रदान करने का मन बना चुकी है। इसके लिए राज्य के कार्मिक विभाग ने आदेश जारी किया है जिसमें ठेका कर्मचारी अथवा प्लेसमेंट एजेंसी के माध्यम से रखे गए कार्मिकों की सूचना मंगवा कर उनका नियमित रोजगार देना चाह रही है किंतु विभागों के द्वारा कार्मिकों की सूचना शून्य भेजी जा रही है उनके अनुसार एक भी कर्मचारी ठेके अथवा प्लेसमेंट एजेंसी के माध्यम से नहीं रखा गया है। उनका कहना है कि हमने विभाग को ठेके पर दे दिया है। ठेकेदार भी विभाग की सेवाएं चला रहा है। हमारे यहां किसी भी कर्मचारी द्वारा सेवाएं नहीं दी जा रही हैं। ठेकेदार ही सेवा दे रहा है, ऐसे में राज्य भी संवेदनशील सरकार आम ठेका कर्मचारियों को नियमित नियुक्ति कैसे दे सकती है एवं सरकार द्वारा विभागों को मेन पावर के नाम पर लाखों करोड़ों का बजट दिया जा रहा है जबकि कर्मचारी की संख्या ही शून्य दी जा रही है। विभागाध्यक्षों के माध्यम से कर्मचारियों के प्रति नकारात्मक सोच को देखते हुए गजेंद्र सिंह राठौड़ ने सरकार को चेताया गया है कि हमें विभागाध्यक्ष जो सरकार की घोषणाओं को सफल कर आम कर्मचारी एवं आमजन को सरकार के प्रति नकारात्मकता फैलाना चाहते हैं ऐसे अधिकारियों पर कठोर कार्रवाई की अनुशासनहीन की जा सके एवं सरकार के विरुद्ध किए जा रहे कार्य का दंड दिया जावे। अन्यथा इन विभागों के ठेका या प्लेसमेंट एजेंसी के माध्यम से कार्यरत कर्मचारी शीघ्र आंदोलनात्मक कदम उठाकर ऐसी सरकार स्वयं कर्मचारी विरोधी विभागों से सीधी लड़ाई लड़ने के लिए इन विभागाअध्यक्षों का उनके कार्यालय में घेर कर कामकाज को धीमा किया जाएगा जिसकी समस्त जिम्मेदारी राज्य सरकार के इन विभागों की होगी।

मनु गहलोत की आवाज में गूंजी ऑपरेशन सिंदूर की गौरव गाथा

जयपुर। पहलगाम में आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों को ध्वस्त करने वाले भारत के ऑपरेशन सिंदूर की विजय गाथा और भारत के जवानों के शौर्य को सैल्युट करने के लिए हाल ही शहर की सिंगर मनु गहलोत ने भारत के जवानों को समर्पित देशभक्ति गीत जय जवान को रिकॉर्ड किया है, जो वाकई श्रोताओं के दिलों में जोश भरता है। यह देशभक्ति गीत यूट्यूब व इंस्टाग्राम के अलावा विभिन्न डिजिटल प्लेटफॉर्म पर रिलीज हो चुका है, जिसे खूब सराहा जा रहा है। मशहूर संगीत निर्देशक एस.बबलू ने इस गीत को पूरी शिदद्त से कंपोज किया है।

कनिष्ठ अभियन्ता-प्रथम (इलेक्ट्रिकल) के 218 पदों की अन्तिम चयन सूची जारी

जयपुर। राज्य के विद्युत निगमों में कनिष्ठ अभियन्ता (इलेक्ट्रिकल) के 218 पदों पर नियुक्ति हेतु पात्र अभ्यर्थियों की अंतिम चयन सूची जारी कर दी गई है। इसमें राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम के 24 पद, जयपुर विद्युत वितरण निगम के 112 पद, अजमेर विद्युत वितरण निगम के 47 पद और जोधपुर विद्युत वितरण निगम के 35 पद शामिल है। उत्पादन निगम के विद्युत गृहों में उपलब्ध रिक्तियों के आधार पर चयनित अभ्यर्थियों का पदस्थापन तय करने में पूर्ण पारदर्शिता रखने के लिए 25 मई को विद्युत भवन, जनपथ, जयपुर में काउंसलिंग आयोजित की जायेगी। काउंसलिंग के पश्चात् चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति आदेश जारी कर दिये जायेंगें। ऊर्जामंत्री हीरा लाल नागर ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा की गई भर्ती सम्बन्धी घोषणाओं के अनुसरण में राज्य सरकार की पांचों विद्युत कम्पनियों (उत्पादन निगम, प्रसारण निगम, जयपुर/अजमेर/जोधपुर विद्युत वितरण निगम) में भर्ती प्रक्रिया के प्रथम चरण में अभियन्ता संवर्ग के 271 पदों के लिए योग्य अभ्यर्थियों से 30 जनवरी से 20 फरवरी तक ऑनलाइन आवेदन मांगें गये थे। अभियन्ता संवर्ग के पदों के लिए ऑनलाइन प्रतियोगी परीक्षा 11 और 12 अप्रेल को राजस्थान के विभिन्न जिलों के परीक्षा केन्द्रों पर आयोजित की गई थी। कनिष्ठ अभियन्ता (मैकेनिकल), कनिष्ठ अभियन्ता (सी एण्ड आई/कम्युनिकेशन), कनिष्ठ अभियन्ता (फायर एण्ड सेफ्टी) एवं कनिष्ठ रसायनज्ञ के पदों पर काउंसलिंग के पश्चात् सम्बन्धित विद्युत निगमों द्वारा नियुक्ति आदेश जारी किये जा चुके हैं। नागर ने बताया कि मुख्यमंत्री के भर्ती प्रक्रियाओं को त्वरित गति से पूरा करने के संकल्प के तहत आज 22 मई को कनिष्ठ अभियन्ता (इलेक्ट्रिकल) के 218 पदों का भी अंतिम परिणाम जारी कर दिया गया है। विद्युत निगमों की भर्ती प्रक्रिया में आवेदन प्रक्रिया के पश्चात् मात्र 3 माह के अल्प समय में ऑनलाइन प्रतियोगी परीक्षा के आयोजन के बाद परीक्षा परिणाम की घोषणा कर दस्तावेजों के सत्यापन और काउंसलिंग की प्रक्रिया पूरी की एवं नियुक्ति आदेश जारी कर दिये गये हैं। काउंसलिंग के संबंध में अधिक जानकारी के लिए अभ्यर्थी विद्युत निगम भर्ती की हेल्पलाइन डेस्क 9414056655 पर संपर्क कर सकते हैं।

सिंधी पंचायत में बड़ा घोटाला सामने आया

जयपुर। मानसरोवर स्थित अग्रवाल फार्म में सिंधी पंचायत के नाम पर करोड़ों का घोटाला सामने आया है। पूज्य सिंधी पंचायत अग्रवाल फार्म मानसरोवर जयपुर एक पंजीकृत संस्था है, जो समाज के कल्याण और विकास के लिए काम करती है। जयप्रकाश बूलचंदानी ने शिप्रा पथ थाना में शिकायत दर्ज कराई है, पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आरोप है कि पूर्व अध्यक्ष मुरली टेवानी, पूर्व महासचिव मुकेश लख्यानी, लालचंद खानवानी, मनोज तेजवानी, केसामल खानवानी और अर्जुन डोलानी ने फर्जी दस्तावेजों के जरिए संस्था की संपत्तियों पर कब्जा कर लिया और समाज को हिसाब-किताब नहीं दिया। आरोपियों ने 2 जनवरी 2023 को कार्यकारिणी की बैठक की सूचना दी। 8 जनवरी 2023 को कार्यकारिणी की बैठक की और 10 जनवरी 2023 को आम सभा की बैठक की सूचना दी। इसके बाद 24 जनवरी 2023 को आम सभा और चुनाव की प्रक्रिया दिखाई गई, जिसमें लालचंद खानवानी को अध्यक्ष बनाया गया। हैरानी की बात यह है कि सभी कागजों को 8 जनवरी 2023 को ही नोटरी पब्लिक से अटेस्टेड करवा दिया गया। आरोप है कि इन लोगों ने समाज की धर्मशाला पर कब्जा कर करोड़ों रुपए का घोटाला किया और मंदिर में दान पेटी के करोड़ों रुपए गबन कर लिए।

पुलिस कमिश्नर ने जनसुनवाई में समस्याओं का मौके पर ही किया समाधान

जयपुर पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ ने शुक्रवार को झोटवाडा थाने में जनसुनवाई की।

जयपुर। जयपुर पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ ने शुक्रवार को झोटवाडा थाने में जनसुनवाई की। इस बड़ी संख्या में लोग अपनी परेशानी को लेकर थाने पहुंचे।

इस जनसुनवाई के दौरान अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर (अपराध) कुँवर राष्ट्रदीप, पुलिस उपायुक्त पश्चिम अमित कुमार, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त पश्चिम आलोक सिंघल, सहायक पुलिस आयुक्त झोटवाड़ा एवं चौमू एवं संबंधित थानाधिकारी और थाने के अधिकारी सहित जाब्ता उपस्थित रहा।

जनसुनवाई के दौरान जयपुर कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ ने कहा कि जनसुनवाई के दौरान परिवादियों की समस्याओं का मौके पर ही समाधान किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पुलिस की इस सकारात्मक पहल से आमजन में विश्वास और अपराधियों में डर बढ़ रहा है। आमजन को राहत देने के लिए सभी थानों में भी प्रतिदिन जनसुनवाई की जा रही है।

इस जनसुनवाई में अधिकांश मामले आपसी मुकदमें, पारिवारिक विवाद, जमीनी विवाद, मकानों पर कब्जे, जमीन के डबल पट्टे, अवैध कब्जे, चोरी, मारपीट, धमकी सहित अन्य शिकायतें प्राप्त हुई। उन्होंने सभी शिकायतों की जांच कर कम से कम समय में निश्चित समयावधि में निस्तारित करने के निर्देश दिए। संबधित अधिकारियों को परिवादियों की समस्याओं का तुरंत रिस्पॉन्स देने और निस्तारण करने के भी निर्देश दिए।

घर पर ओपीडी करने के लिए चिकित्सकों को करवाना होगा पंजीयन

जयपुर। राजस्थान सरकार की आरजीएचएस (राज्य कर्मचारी स्वास्थ्य बीमा योजना) के अंतर्गत घर पर ओपीडी सेवा देने वाले चिकित्सकों के लिए अब एक नई व्यवस्था लागू की गई है। सरकार ने इस सेवा में पारदर्शिता लाने और फर्जीवाड़ा रोकने के लिए बड़ा कदम उठाया है। जिसके तहत अब अनुमोदित निजी चिकित्सालयों के चिकित्सकों को आरजीएचएस पोर्टल पर वन टाइम रजिस्ट्रेशन करवाना अनिवार्य होगा। यह रजिस्ट्रेशन एसएसओ आईडी के माध्यम से किया जा सकेगा, जो महज दो मिनट में पूरा किया जा सकता है। रजिस्ट्रेशन के बाद चिकित्सकों को घर पर दी गई ओपीडी सेवा की जानकारी पोर्टल पर अपलोड करनी होगी। इससे न केवल लाभार्थियों की पहचान सुनिश्चित होगी, बल्कि दवा वितरण में हो रही अनियमितताओं पर भी लगाम लगेगी। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के अनुसार हाल ही में यह देखा गया कि कुछ मामलों में फार्मेसी से अधिक मात्रा में दवाइयां या उनके स्थान पर अन्य सामान प्राप्त किया गया, जिसकी सत्यता जांचना संभव नहीं था। इस नवाचार से अब ओपीडी की हर जानकारी आरजीएचएस सिस्टम पर उपलब्ध होगी।

राजस्थान कारागार विभाग के 71 अधिकारियों को मिला पदोन्नति का तोहफा

जयपुर। राजस्थान कारागार विभाग के अधिकारियों के लिए शुक्रवार का दिन अत्यंत महत्वपूर्ण रहा। राज्य सरकार ने विभाग के 71 अधिकारियों को पदोन्नति का तोहफा दिया है। तकनीकी कारणों से रिव्यू डीपीसी पिछले 24 सालों से अटकी हुई थी।

डीजी जेल गोविन्द गुप्ता प्रयासों के कारण यह डीपीसी संभव हो पाई। उनके द्वारा राज्य सरकार को अधीक्षक ग्रेड फर्स्ट से उप महानिरीक्षक, अधीक्षक ग्रेड द्वितीय से अधीक्षक ग्रेड फर्स्ट एवं जेलर से उपाधीक्षक के पदों पर पदोन्नति के लिए अभिशंषा की गई थी। जिसके फल स्वरुप 9 अधिकारियों को उपमहानिरीक्षक पुलिस, 30 अधिकारी एसपी ग्रेड फर्स्ट तथा 32 को उपाधीक्षक के पद पर पदोन्नत किया गया। आदेश के अनुसार अधीक्षक ग्रेड फर्स्ट से उप महानिरीक्षक कारागार के पद पर मोनिका अग्रवाल, राजेंद्र कुमार, सुमन मालीवाल, राकेश मोहन शर्मा, विक्रम सिंह एवं सेवानिवृत्त सुरेंद्र सिंह शेखावत, शंकर सिंह, कैलाश त्रिवेदी, एवं संजय यादव को वरिष्ठता-सह योग्यता के आधार पर पदोन्नत किया गया है। इसी प्रकार अधीक्षक ग्रेड सेकंड से अधीक्षक ग्रेड फर्स्ट पर विक्रम सिंह, मोनिका अग्रवाल, सुमन मालीवाल, राजेंद्र कुमार, राकेश मोहन शर्मा, ओम प्रकाश शर्मा, परमजीत सिंह सिद्धू, प्रदीप लखावत, राजपाल सिंह, आर अनंतेश्वरन, शिवेंद्र कुमार शर्मा, प्रमोद सिंह, भैरू सिंह राठौड़, महावीर प्रसाद मीणा एवं सेवानिवृत्त विश्वेश जोशी, शंकर सिंह, सुरेंद्र सिंह शेखावत, अशोक कुमार उपाध्याय, कैलाश त्रिवेदी, राकेश कुमार भार्गव, सुधीर प्रकाश पूनिया, अशोक वर्मा, संजय यादव, के जी शर्मा, बद्री लाल मीणा, नंद सिंह शेखावत, गोविंद सिंह, मोइनुद्दीन पठान, श्रवण लाल जाट एवं रामावतार शर्मा को पदोन्नत किया गया है।

एक अन्य आदेश के द्वारा कारापाल (जेलर) से उपाधीक्षक के पद पर निरंजन शर्मा, नरेंद्र कुमार स्वामी, योगेश कुमार तेजी, जयवर्धन सिंह, पृथ्वी सिंह कविया, पारसमल, सम्पति, महावीर प्रसाद मीणा, इंद्र कुमार, सुरेश कुमार मीणा, सरोज बिश्नोई, सौरभ स्वामी, शैलेंद्र सिंह फौजदार, मुक्ति यदुवंशी, मानसिंह बारेठ, जगदीश प्रसाद पूनिया, रोहित कौशिक, रमाकांत शर्मा, राजेश योगी, रामकिशन मीणा, राजमहेंद्र, समर सिंह, श्रीमोहन मीणा, विल्सन शर्मा, एवं सेवानिवृत्त श्योजी राम मीणा, अल्लादीन खान, चंदन सिंह, डुले सिंह, बृजेश दीक्षित, जसवंत सिंह गुर्जर, अमर सिंह व कैलाश दरोगा के पदोन्नित आदेश जारी किए गए हैं।

क्रिकेट मैच के दौरान सवाई मानसिंह स्टेडियम के आसपास यातायात में बदलाव रहेगा

जयपुर। जयपुर में शनिवार को पंजाब किंग्स ओर दिल्ली कैपिटल आईपीएल 2025 टी-20 क्रिकेट मैच सवाई मानसिंह स्टेडियम जयपुर में शाम साढ़े सात बजे से खेला जाएगा है।

मैच देखने के लिये वीआईपी, विशिष्ट अतिथि/अधिकारी एवं काफी संख्या मे दर्शकों के आने की संम्भावना है। क्रिकेट मैच के दौरान यातायात के सुगम एवं सुव्यवस्थित संचालन के लिए यातायात व्यवस्था निम्न प्रकार से रहेगी। यातायात पुलिस के अनुसार यूनिवर्सिटी गेट की तरफ से यूनिवर्सिटी मोड टोंक रोड़ की तरफ आने वाले सामान्य यातायात को जनता स्टोर से डायवर्ट कर समानान्तर मार्गों से निकाला जायेगा। टोंक रोड पर चलने वाले यातायात को वाहनो का अत्यधिक दबाव होने की स्थिति में मैच में आने वाले दर्शको के वाहनों के अलावा सामान्य यातायात को गांधीनगर मोड़ से गांधी सर्किल की तरफ एवं आरबीआई कट से गणेश मंदिर की तरफ डायवर्ट किया जायेगा। वाहनो का अत्यधिक दबाव होने की स्थिति में जेडीए चौराहा से रामबाग चौराहा की तरफ आने वाले यातायात को मैच में आने वाले दर्शको के वाहनों के अलावा सामान्य यातायात को जेडीए चौराहा से गांधी सर्किल,त्रिमूर्ति सर्किल की तरफ डायवर्ट किया जायेगा।

वाहनो का अत्यधिक दबाव होने की स्थिति में स्टेच्यू सर्किल की तरफ से

■ मैच देखने के लिये वीआईपी, विशिष्ट अतिथि/अधिकारी एवं काफी संख्या मे दर्शकों के आने की संम्भावना है

पोलो सर्किल की तरफ आने वाले यातायात को मैच में आने वाले दर्शको के वाहनों के अलावा सामान्य यातायात को स्टेच्यू सर्किल से डाईवर्ट कर समानान्तर मार्गो से निकाला जायेगा।पंकज सिघंवी मार्ग से विधानसभा तिराहा के मध्य संचालित होने वाले सामान्य यातायात को आवश्यकतानुसार मैच में आने वाले दर्शको के वाहनों के अलावा सामान्य यातायात को डायवर्ट कर समानान्तर मार्गो से निकाला जायेगा।क्रिकेटमैच के दौरान रोड़वेज बसो का आवागमन नारायण सिंह तिराहे, पृथ्वीराज टी. पोंईट, पृथ्वीराज रोड, स्टेच्यू सर्किल, पार्क प्राईम, चोमू हाउस चौराहा से रहेगा।क्रिकेटमैच के दौरान गांधी नगर मोड़ से नारायण सिंह तिराहा तक टोंक रोड़, रामबाग सर्किल से 22 गोदाम सर्किल तक भवानी सिंह रोड़, स्टेच्यू सर्किल से विधानसभा तिराहा तक जनपथ, विधानसभा तिराहा से फ्रुट मण्डी कट, टोंक रोड तक पंकज सिंघवी मार्ग पर सभी प्रकार के वाहनों की पार्किंग निषेध रहेगी।क्रिकेटमैच समाप्त होने तक जयपुर शहर में भारी वाहनो का प्रवेश निषेध रहेगा। वीआईपी के वाहनों की पार्किंग स्टेडियम के अन्दर ही साउथ ब्लाक में की जायेगी। दक्षिणी गेट से प्रवेश करने वाले पासधारक वाहनों की पार्किंग फुटबॉल/आर्चरी ग्राउंड में की जायेगी। पूर्वी द्वार से प्रवेश करने वाले दर्शकों के वाहनों की पार्किंग सुबोध स्कूल/कॉलेज ग्राउंड रामबाग के पास निर्धारित पार्किंग स्थल पर पार्क की जायेंगी।उत्तरी द्वार से प्रवेश करने वाले दर्शकों के वाहनों की पार्किंग एसएमएस. इन्वेस्टमेन्ट ग्राउण्ड, अम्बेडकर सर्किल के पास निर्धारित पार्किग स्थल पर पार्क की जायेंगी।

बदमाश छीन ले गया युवती के हाथ से मोबाइल

जयपुर। करधनी थाना इलाके में बाइक सवार बदमाश युवती के हाथ पर झपट्टा मारकर मोबाइल छीनकर ले गया। इस अप्रत्याशित घटना में पीडिता कुछ समझ पाती तब तक बदमाश तेज गति से बाइक चलाकर गलियों में ओझल हो गया।

पुलिस के अनुसार शिला विहार गोकुलपुरा निवासी सरिता सिंह ने मामला दर्ज करवाया कि वह 20 मई की शाम बाजार जा रही थी। रात करीब सवा नौ बजे मार्बल मंडी चौराहे के पास पीछे से बाइक सवार बदमाश आया और उसके हाथ पर झपट्टा मारकर मोबाइल छीनकर ले गया। इस पर पीडिता घर पहुंची और परिजनों को आपबीती बताई। परिजन उसे लेकर थाने पहुंचे और मामला दर्ज करवाया।

सहकारी बैंकों में प्लेसमेंट एजेंसी से संविदा कार्यरत कर्मियों को सरकार नियमित करें : आमेरा

जयपुर। ऑल राजस्थान कॉपरेटिव बैंक ऐम्प्लाइज यूनियन व ऑफ़िसर्स एसोसिएशन के प्रांतीय महासचिव सहकार नेता सूरज भान सिंह आमेरा ने प्रमुख शासन सचिव रजिस्ट्रार सहकारिता मंजु राजपाल को पत्र लिखकर प्रदेश के सभी सहकारी बैंकों यथा राज्य सहकारी बैंक, 29 ज़िला केंद्रीय सहकारी बैंकों, एसएलडीबी व 36 प्राथमिक भूमि विकास बैंकों में कई वर्षों से प्लेसमेंट एजेन्सी के माध्यम से संविदा पर बैंक सेवा कर रहे सभी कार्मिको को रिक्त पदों पर स्थायी/नियमित किए जाने की माँग की है।

आमेरा ने बताया कि राज्य सरकार के बजट 2025-26 में घोषणा है कि प्लेसमेंट एजेन्सी के माध्यम से कार्यरत कार्मिको को राज्य सरकार के कार्मिक विभाग के अधीन राजकीय संस्था का गठन कर उससे इन्हें नियमित किया जाएगा। इस बजट घोषणा की पालना में समस्त विभागों से प्लेसमेंट एजेंसी व संविदा कर्मियों की सूचना माँगी गई है लेकिन अभी तक सहकारी विभाग द्वारा अपैक्स बैंक ,सीसीबी , भूमि विकास बैंकों से इन संविदा कर्मियों की सूचना नहीं माँगी गई है। सहकारी बैंकों में संविदा पर कार्यरत लगभग 1000 कर्मियों की सूचना लेकर कार्मिक विभाग की प्रक्रिया से जोड़ा जाए। लंबे समय से बैंक सेवा में संविदा बैंक सेवा करते हुए शादी कर परिवार हो गये , ओवर एज हो भी गये है ,परिवार पालन पोषण का अब अन्य कोई आधार नहीं है। सहकार नेता आमेरा ने बताया कि राज्य के सभी सहकारी बैंकों में पिछले 35 वर्षों से सहायक कर्मी (चपरासी) व कंप्यूटर ऑपरेटर की कोई भर्ती नहीं हुई है। बैंकों में नियमित कार्य प्रकृति के इन रिक्त पदों पर प्लेसमेंट एजेंसी से संविदा पर सहायक कर्मी/चपरासी/ कंप्यूटर ऑपरेटर के रूप में योग्य, शिक्षित व लंबे बैंक कार्यानुभव से दक्ष कार्मिक वर्षों से नियोजित है। आज भी पद रिक्त हैं जिन पर कार्मिक की ज़रूरत है तो इन अनुभवी जाँचे परखे कार्मिक से बेहतर विकल्प हो नहीं सकता जिन्हें नियमित किया जाना समाजिकता, मानवता, न्यायोचित व क़ानूनी रूप से भी व्यावहारिक होगा।

एसआई भर्ती प्रक्रिया को यथावत रखने की मांग को लेकर धरना-प्रदर्शन

जयपुर। जयपुर के आदर्श नगर स्थित दशहरा मैदान में एसआई भर्ती प्रक्रिया को यथावत रखने की मांग को लेकर शुक्रवार को चयनित और प्रभावित अभ्यर्थियों ने शांतिपूर्ण धरना-प्रदर्शन किया गया। चयनित अभ्यर्थियों को जल्द व्यावहारिक प्रशिक्षण शुरू करवाने और पेपर लीक और धांधली के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग रखी गई।

एसआई भर्ती प्रक्रिया को यथावत रखने की मांग को लेकर शुक्रवार सुबह दशहरा मैदान में शांतिपूर्ण धरना-प्रदर्शन किया गया। धरना-प्रदर्शन में बड़ी संख्या में चयनित और प्रभावित अभ्यर्थी शामिल हुए। प्रदर्शनकारियों ने मांग रखी कि पेपर माफिया और पेपर चोरों पर सख्त कार्रवाई कर जेल भेजा जाए। ईमानदारी,मेहनती अभ्यर्थियों के साथ पूरा न्याय हो।

प्रदर्शनकारियों ने अपील की सरकार से एसआई भर्ती को यथावत

जयपुर के आदर्श नगर स्थित दशहरा मैदान में एसआई भर्ती प्रक्रिया को यथावत रखने की मांग को लेकर शुक्रवार को चयनित और प्रभावित अभ्यर्थियों ने शांतिपूर्ण धरना-प्रदर्शन किया गया।

रखते हुए किसी भी निर्दोष को परेशान नहीं करें। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से गुहार लगाई कि इस मामले में हस्तक्षेप कर ईमानदार युवाओं का भविष्य सुरक्षित करें। यह प्रदर्शन पूर्णतः शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ और प्रतिभागियों ने लोकतांत्रिक मर्यादाओं का पूरा पालन किया। प्रदर्शनकारियों की ओर से यह स्पष्ट संदेश दिया गया कि वे न्याय के लिए लड़ाई जारी रखेंगे, लेकिन कानून व्यवस्था का उल्लंघन नहीं करेंगे।

ARBiT it happens here...

राष्ट्रदूत
SATURDAY
24 May 2025
A-B

World Brother's Day: Celebrating the Bond of Brotherhood

Observed on May 24, World Brother's Day honours the special relationship shared between brothers, by blood or by bond. It's a day to appreciate the unwavering support, camaraderie, and lifelong memories that brothers bring into our lives. Whether it's a childhood partner-in-crime, a protective older sibling, or a brother-like friend, this day encourages us to express gratitude for their presence. Families and friends mark the occasion with heartfelt messages, calls, and small gestures of love. In a fast-paced world, World Brother's Day reminds us to cherish the often-understated yet powerful connection of brotherhood.

#THE RIVER CODE

Cracking Earth's Waterways with GRIT

A ground breaking global river map is set to revolutionize climate planning and flood prediction.

In a world grappling with climate change, rising sea levels, and unpredictable weather events, understanding how water moves across the planet is no longer a luxury, it's a necessity. Now, a team of scientists has unveiled what they call the most complete map of the world's rivers ever created, a powerful new tool that could transform how we manage floods, plan infrastructure, and prepare for climate-related disasters.

At the heart of this breakthrough lies GRIT, short for Global River Classification, Reach, and Intersection Topography. This innovative mapping system gives us, for the first time, a precise, high-resolution view of how rivers truly flow, split, and weave through Earth's landscapes.

Why GRIT is a Game-Changer

For decades, scientists and policymakers have relied on outdated or incomplete data to study river systems. Many global river maps were stitched together from national datasets, each with its own format, assumptions, and blind spots. The result? A fragmented understanding of how water travels from mountaintop to ocean, leaving crucial gaps in flood models, irrigation planning, and environmental conservation. GRIT fills those gaps.

Developed by a multidisciplinary team of hydrologists, geographers, and climate scientists, GRIT stitches together satellite imagery, topographical data, and advanced modeling to chart every known river on Earth with unprecedented detail, from mighty flows like the Amazon to the tiniest streams feeding local farmlands.

How it Works

GRIT doesn't just show rivers as lines on a map. It reconstructs their geometry, including the direction of flow, branching patterns, and how they intersect with landforms. It reveals where rivers split, meander, or join other water bodies. This level of detail helps experts track water flow more accurately, anticipate blockages, and even understand how floods propagate through river networks.This is especially crucial in the era of climate change. As rainfall patterns shift and extreme weather events become more frequent, flood risk is no longer confined to traditional floodplains. GRIT helps anticipate these risks with precision, enabling local governments and disaster response teams to better prepare for where floods might strike next.

Real-World Impact

The implications of GRIT are vast and global. In urban planning, it can inform smarter construction decisions and prevent costly damage by avoiding flood-prone zones. In agriculture, it supports better irrigation strategies and water distribution. For climate scientists, it's a vital tool in modeling how global warming may alter river dynamics and freshwater availability. Importantly, GRIT is open access, meaning its data is available to researchers, policymakers, and even citizen scientists across the world. This democratization of high-quality river data represents a major step towards equitable climate resilience, especially for vulnerable communities in flood-prone regions.

Looking Ahead

As the planet warms and water becomes an increasingly volatile resource, tools like GRIT offer hope. By understanding rivers not just as geographical features but as dynamic, interconnected lifelines, we can better protect our environments, cities, and lives.With GRIT, we're not just mapping rivers, we're charting a smarter, safer future.

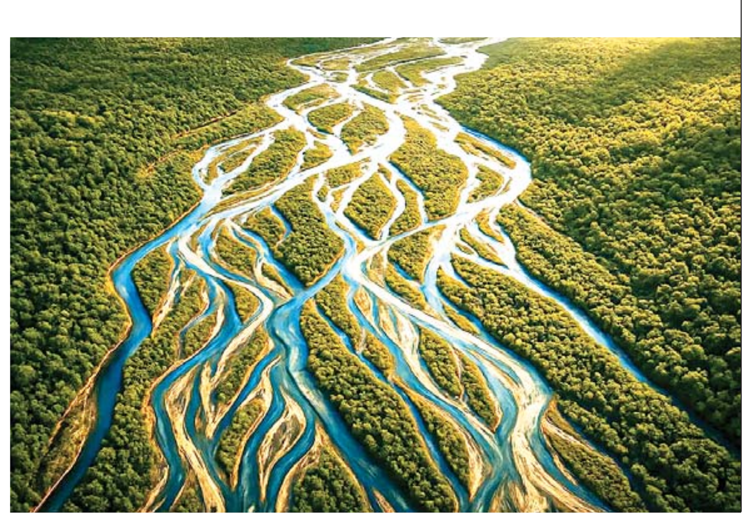

The Kargil War lasted for more than two months, and India conducted Operation Vijay in a most methodical and professional manner to attack and recapture the enemy-held heights. The operation was a unique display of bravery, resolve, and commitment under inhospitable conditions of terrain and weather.

Operation Safed Sagar

#KARGIL

● Gaurav Kumar

During 1998-1999, Pakistan Army had surreptitiously inducted its troops in disguise to the Indian side of the LoC to occupy commanding positions. It had ingressed into Kargil District with multiple aims, to internationalize the Kashmir issue, challenge the sanctity of the LoC, and most importantly, to renew and sharpen the Pakistan-organized events in the Kashmir region. This was made under assumption that they would be able to wrestle some concession from India on the issue of Kashmir. The Kargil war of 1999 was fought between Indian forces and Pakistani Army in the high-altitude mountains, with jagged, near vertical hill faces, which posed both tactical and logistical problems.

The Kargil War lasted for more than two months, and India conducted Operation Vijay in a most methodical and professional manner to attack and recapture the enemy-held heights. The operation was a unique display of bravery, resolve, and commitment under inhospitable conditions of terrain and weather.

The role of Indian Air Force in this critical operation on the high altitude mountains was rightly perceived by both the political and military policy makers, however, with its share of constraints and challenges. Air Vice Marshal (Dr.) Arjun Subramaniam (Retd) writes, "The IAF fought in an 'unconventional' manner in terms of the political constraints imposed on it in the form of stringent Rules of Engagement and terrain imperatives that had never been encountered before, and their associated impact on targeting. High altitude operations always come with challenges like severe degradation of aircraft and weapon performance."

Totally unfamiliar surroundings in the Kargil area made target recognition difficult from the ground, let alone from a fast moving aircraft. As a result, the initial few sorties from high levels were not effective as desired. However, once revised and modified profiles, tactics and manner of system usage had been perfected, the accuracy of the airstrikes improved dramatically.

The Western Air Command was given the responsibility to conduct operations during the Kargil War. The task assigned to the Indian Air Force was not to use air power, as an extended artillery, but only in assistance to the Indian Army. The primary task of the use of air power was to degrade the offensive capabilities of the intruders by targeting their gun positions, bunkers, defences on mountain tops, destroy their supply lines, supply camps, and distribution centres.

> The Western Air Command was given the responsibility to conduct operations during the Kargil War. The task assigned to the Indian Air Force was not to use air power, as an extended artillery, but only in assistance to the Indian Army. The primary task of the use of air power was to degrade the offensive capabilities of the intruders by targeting their gun positions...

PRELUDE TO AIR OPERATION

Indian Army had on 08 May, 1999 projected the requirement of Attack Helicopters for use against the intruders, and also Helicopters for transport of troops. This came for consideration to the Indian Government between 12 May, 1999 and 17 May, 1999 and it was decided not to use this option as it may lead to escalation. On 25 May, 1999 after an in-depth appreciation of the emerging situation, the Cabinet Committee on Security (CCS) took the decision to deploy the Indian Air Force. Finally, on 25 May, 1999, the CCS gave the go ahead for use of air power. Once the CCS approved the deployment of the Indian Air Force, the operations commenced on 26 May, 1999. The approval came with a limitation that the IAF would not cross the Line of Control (LoC).

Air Vice Marshal (Dr.) Arjun Subramaniam (Retd) writes, "Although, the IAF was not deployed during the initial phase of Operation Vijay, it had not only alerted its fighter Squadrons, but some aircraft were moved to the Valley for the impending operations. IAF also commenced a large-scale airlift of troops, ammunition and stores into the Sector. It also commenced aerial reconnaissance-and-strike familiarisation. The rapid mobilisation ensured that the IAF was ready for undertaking wide-ranging full-scale military operations by the morning of 15 May."

The IAF began conducting initial reconnaissance sorties over the Kargil heights as early as 10 May, 1999, less than a week after the presence of the enemy incursion was first confirmed. On 12 May, an IAF Helicopter was fired upon near the most forward-based Pakistani positions overlooking Kargil and landed uneventfully with a damaged rotor. In the next few days, IAF Jaguar fighters conducted Tactical Reconnaissance sorties in the Kargil area to gather target information using their onboard long-range oblique photography systems. On 21 May, 1999, the presence of the personnel from the Pakistani 4th and 6th Battalions of the Northern Light Infantry's and their positions was determined by an IAF Canberra Bomber of the 106th Photo Reconnaissance Squadron. The aircraft was tasked with flying over the Kargil Sector and identifying the enemy, who were likely to have been hiding inside igloo like entrenchments. The Photo Reece Canberra was effectively used in the Kargil conflict and brought the first photographic proof of enemy intrusion in our territory. Despite taking a missile hit, the aircraft managed to land back safely at a nearby base.

On the morning of 26 May, 1999, IAF commenced air operations by attacking enemy positions and supply lines. The first strike was launched at 06.30 hours by MiG-21, MiG-27ML and MiG-23BN fighters. MiG-29 on Combat Air Patrol provided Air Defence cover to strike aircraft. Post-strike, Canberra carried out recce to assess the damage inflicted on the enemy.

In the initial few days, the IAF suffered a few losses. Between 27 and 28 May, the IAF lost two aircraft, a MiG-21, a MiG-27 and a helicopter, Mi-17. On 27 May, the MiG-27, flown by Flight Lieutenant Kambampati Nachiketa, developed mechanical problems forcing the pilot to eject. The MiG-21, flown by Squadron Leader Ajay Ahuja orbiting in the area to look for Flight Lieutenant Kambampati Nachiketa, was shot down by a shoulder fired heat seeking missile. Squadron Leader Ajay Ahuja was awarded Vir Chakra Posthumously for displaying exceptional courage in going beyond the call of duty while searching for a downed brother officer. On 28 May, 1999 Nubra formation, 4 x Mi-17, were tasked to strike 'Point 5140' feature, located two kms North of Tololing. Nubra formation took off in time and all went on perfectly well. However, Flight Lieutenant Subramaniam Muhilan was flying the Nubra-3 formation which got hit by the Stinger Missile. Despite Flight Lieutenant Muhilan's best effort to control the damaged helicopter, it crashed killing him and all his crew members. He was awarded Vayu Sena Medal Posthumously. Wing Commander (later Air Commodore) Anil Kumar Sinha was the leader of the four aircraft formation. The rocket attack launched by the formation, despite the loss of the helicopter, was successful and inflicted heavy casualties on the enemy. Wing Commander Anil Kumar Sinha was awarded with the Vir Chakra.

> Legendary Air Commodore Jasjit Singh in his book, *Kargil 1999: Pakistan's Fourth War for Kashmir* concludes, "If India can beat a professional military force equipped with modern firepower, on the ground and at a time of Pakistan's choice, with the initiative also in its hands, with strategic and tactical surprise almost complete, then, India can beat Pakistan anytime, anywhere."

It was the air strikes conducted by the Indian Air Force on some of the key locations, that dramatically altered the equation in favour of India. The most prominent among them is the strike on the Muntho Dhalo. The Pakistani had built a supply camp in a bowl-shaped valley at Muntho. Over the days, it grew up into a major supply depot. The strike of 16 June and 17 June by MiG27s and Mirage-2000s were devastating and later attacks in the area ensured destruction of fresh Pakistani attempts to reuse the base. Each airstrike at the end was result of a carefully planned chain of events spanning several areas of specialisation. An airstrike had following components: -

(a) Recce mission(s).
(b) Airstrike mission(s).
(c) Battle Damage Assessment (BDA) mission(s).
(d) If so dictated by results of BDA, or by follow-up recce, repeated airstrikes.

As a result of these attacks, severe damage to enemy personnel and equipment became apparent in various areas. Any time the target was spotted, a very high success rate invariably resulted.

On 24 June, the IAF used LGBs to decimate the enemy on Tiger Hill. The IAF continued to mount search and destroy missions when on 05 July, a large Nissan hut in the Tiger Hill area was destroyed. Two days later, on 07 July, the IAF struck a logistics camp in the same area. Earlier, despite bad weather restricting flying, on 03 June, three enemy camps were destroyed. With Indian troops in very close proximity to the enemy, air attacks had to be carefully executed or on occasions even called off till a confirmation was received from the army that Indian troops were out of harm's way. On 08 June, the IAF engaged targets in the Mushkoh Valley where the Pakistan Army had many storage dumps and bunkers.

The Indian Air Force strike operations ended on 12 July, 1999. Overall during the air campaign, the IAF flew 550 strike missions, 150 reconnaissance missions, and over 500 escort flights. The IAF also flew 2185 helicopter sorties, logging 925 flying hours, for casualty evacuation and air transport operations.

CONCLUSION

This was the first-time combat air power has been used in the high mountain ranges above 15,000 ft altitude. The Indian Air Force was equipped with supersonic fighter aircraft. India had not used the combat components of its air force either in the 1962 War with China or in the Siachen conflict with Pakistan. The decision to deploy Air Force and the sheer professionalism of the Indian Air Force rapidly adapted itself to the challenge of offensive air operations in the high Himalayan terrain while ensuring that Indian own troops did not become victims of 'friendly fire' as has happened so often in other air forces. At the operational level, IAF's air operations during the Kargil conflict clearly stand out amongst many other significant achievements. It showcased IAF ability to adapt, prioritise and deliver in a hitherto new operational environment. The images of the pinpoint LGB attacks on Tiger Hill by Mirage aircraft as well as the destruction of main logistic node at Muntho Dhalo will forever remind us of IAF's professionalism and resolve.

Legendary Air Commodore Jasjit Singh in his book, *Kargil 1999: Pakistan's Fourth War for Kashmir* concludes, "If India can beat a professional military force equipped with modern firepower, on the ground and at a time of Pakistan's choice, with the initiative also in its hands, with strategic and tactical surprise almost complete, then, India can beat Pakistan anytime, anywhere."

rajeshsharma1049@gmail.com

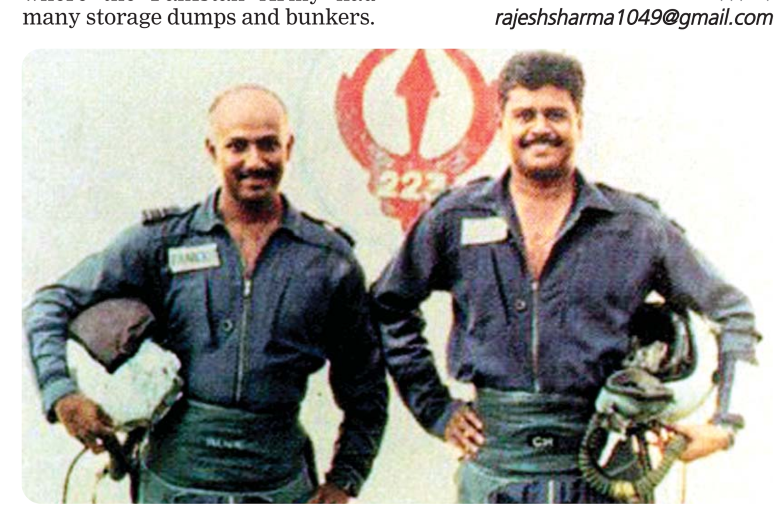

#FOOD-TALK

Good Morning, Healthy Heart!

Desi Breakfast Delights That Love Your Heart Back!

They say breakfast is the most important meal of the day, but what if it could also be the most heart-loving? With India's rich culinary diversity and growing health awareness, it's easier than ever to whip up a morning meal that doesn't just satisfy your taste buds but also gives your heart a warm hug. Whether you're juggling Zoom calls, school runs, or simply trying to start your day on a healthy note, here's a guide to heart-friendly Indian breakfast options that are high on taste, low on guilt, and great for the ticker.

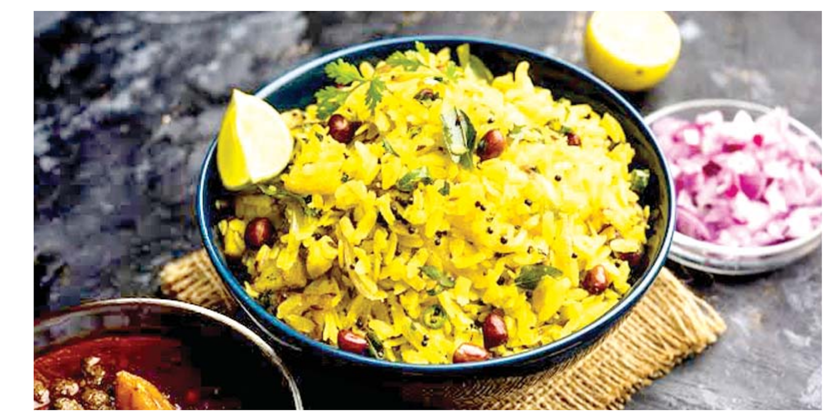

1. The South Indian Heartthrobs: Idli, Dosa & Co.

Light, fluffy, and fermented, idlis are every cardiologist's dream. Made from urad dal and rice, these steamed delights are low in fat and rich in complex carbs. Their fermentation process adds a bonus of gut-friendly probiotics. Pair them with coconut chutney (go easy on the oil) and sambar (packed with veggies and lentils), and you've got a fiber-rich, antioxidant-loaded meal. Want something crispier? Opt for dosa made with a similar batter, but try making it with less oil or ghee. You can even experiment with oats or ragi dosa, millet-based versions that are kind to both your heart and your waistline.

2. Poha with a Pulse

Poha is a breakfast classic in many Indian households, but did you know this humble dish is also heart-smart? Made from flattened rice, it's light, easy to digest, and when tossed with veggies, mustard seeds, and a sprinkle of peanuts, it becomes a great source of good fats and dietary fiber. To elevate the heart-health quotient, throw in some boiled moong sprouts or kidney beans. A handful of pomegranate seeds on top not only adds a sweet zing but also loads up on antioxidants.

3. Millet Mania: Ragi, Bajra & Jowar Bowls

The ancient grains are back in style, and with good reason. Millets like ragi, bajra, and jowar are rich in fiber, magnesium, and potassium, all of which are known to support healthy blood pressure and cholesterol levels. Whip up a warm ragi porridge with a splash of almond milk, jaggery, and chopped fruits. Or go savory with bajra upma or jowar khichdi loaded with carrots, beans, and peas. These meals keep you full, regulate blood sugar, and are deliciously rustic.

4. Moong Dal Chilla: The Pancake Your Heart Approves

Chillas are basically Indian-style savoury pancakes, and moong dal chilla is a powerhouse. High in protein, low in fat, and brimming with fiber, it's a perfect start for those watching their cholesterol. Grate in some carrots, cabbage, or spinach into the batter, serve it with low-fat curd, and you've got a breakfast that fuels your day while being gentle on the arteries.

5. The Smooth(ie) Operator

Who said smoothies are just a Western trend? Indianize your smoothie bowl with fruits like banana, mango, or papaya blended with oats, low-fat yogurt, and a spoonful of flax or chia seeds.

These seeds are tiny heroes, rich in omega-3 fatty acids and fiber, they're champions at reducing inflammation and improving heart health. Top your smoothie with berries, a sprinkle of crushed almonds, and maybe, a mint leaf or two for that extra flair.

6. Daliya, But Make It Delicious

Daliya (broken wheat) might have the reputation of being an old-school health food, but with a little creativity, it can become your breakfast superstar. Rich in fiber and whole grains, it's fantastic for lowering cholesterol.

Prepare a savory version with mustard seeds, curry leaves, and mixed vegetables, or go sweet with milk, dates, and slivered nuts. The bonus? It keeps you full for hours without weighing you down.

7. Tea-Time Tweaks

If your breakfast isn't complete without chai, switch to green tea or add tulsi leaves for a heart-soothing twist. And ditch the sugar, honey or jaggery in moderation is a better bet. Pair your tea with homemade baked snacks like oats laddoos or roasted chana instead of deep-fried samosas or kachoris. Your heart will thank you later.

In a Nutshell (Literally)

Adding a handful of nuts like almonds, walnuts, and pistachios to your morning routine can work wonders. These are rich in unsaturated fats and help lower bad cholesterol. Just don't go overboard, a closed fistful a day is plenty.

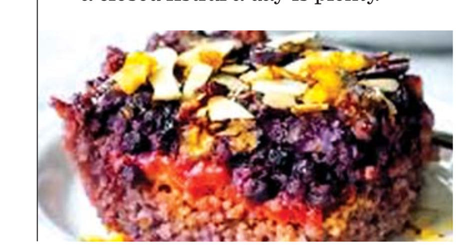

THE WALL

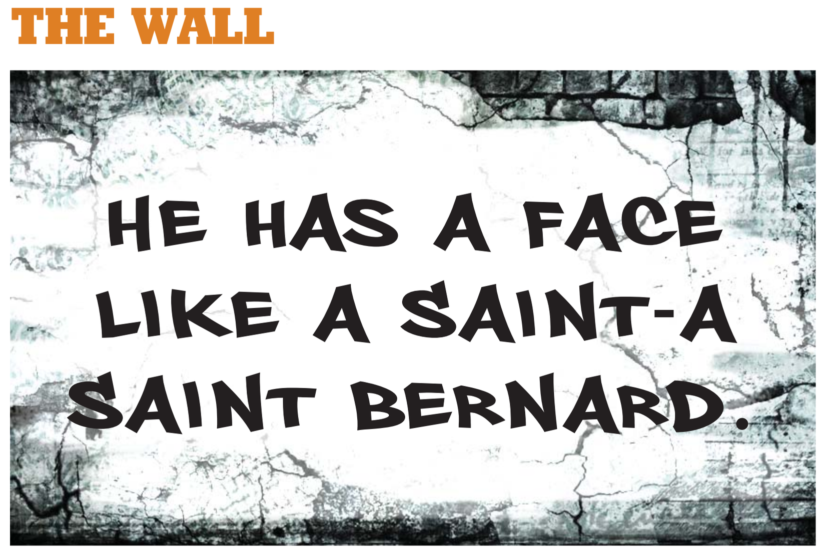

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

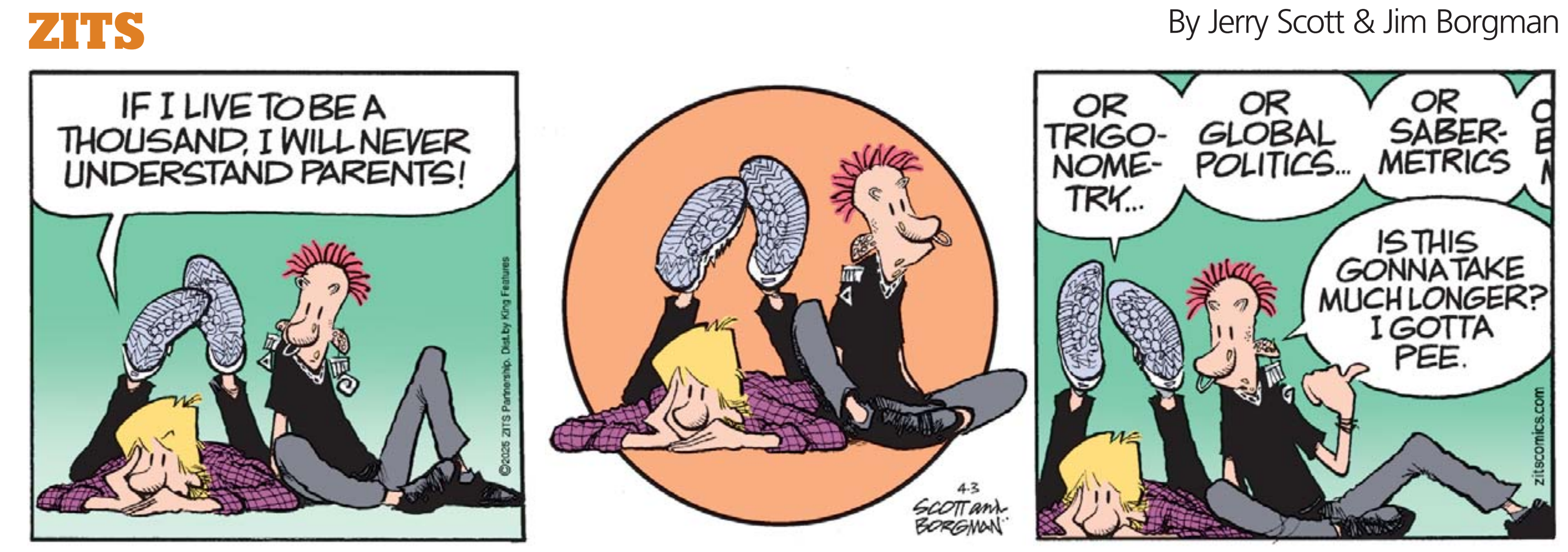

जोधपुर से 153 अवैध बांग्लादेशियों का जत्था फ्लाइट से पश्चिम बंगाल भेजा

अवैध बांग्लादेशियों के एक और जत्थे को रवाना किया

जोधपुर, (कासं)। भारत-पाक में हुई तनावपूर्ण स्थिति के बाद अब प्रदेशभर में अवैध बांग्लादेशियों की पहचान कर उन्हें वापस भेजा जा रहा है। अवैध बांग्लादेशियों की धरपकड़ करने का सिलसिला कई दिनों से जारी है। इस अभियान के तहत शुक्रवार को 153 अवैध बांग्लादेशियों का एक जत्था फ्लाइट से पश्चिम बंगाल भेजा गया है। वहां से इन्हें बांग्लादेश डिपोर्ट किया जाएगा। राजस्थान से अब तक (14 से 23 मई तक) 301 अवैध बांग्लादेशियों को भेजा जा चुका है।

■ **पहलगाम में आतंकी हमले के बाद सरकार हरकत में आई थी, राजस्थान से अब तक (14 से 23 मई तक) 301 अवैध बांग्लादेशियों को भेजा जा चुका है**

जिला कलेक्टर गौरव अग्रवाल ने बताया कि शुक्रवार को 153 अवैध बांग्लादेशियों का एक जत्था जोधपुर से रवाना किया गया। इन अवैध बांग्लादेशी नागरिकों को शुक्रवार सुबह कड़ी सुरक्षा में जोधपुर एयरपोर्ट लाया गया। इसके बाद एक विमान से इन्हें पश्चिम बंगाल रवाना किया। वहां से बीएसएफ इन्हें बांग्लादेश में डिपोर्ट करेगी। उन्होंने बताया कि प्रदेशभर में अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी पकड़े जा रहे हैं। इन्हें पकड़ने का अभियान आने वाले समय में भी चलेगा। गौरतलब है कि इससे पहले 14 मई को सीकर से 148 बांग्लादेशियों को जोधपुर लाया गया था, जिन्हें एयरफोर्स स्टेशन से सेना के विशेष विमान से भेजा गया था। राजस्थान में 17 जिलों से 1008 संदिग्ध बांग्लादेशी नागरिकों को पकड़ा गया था। इनमें जयपुर रेंज में ही 761 बांग्लादेशी हैं। सीकर में 394 अवैध बांग्लादेशी पकड़े गए। दस्तावेजों की जांच के बाद पहली खेप सीकर से 14 मई को 148 बांग्लादेशी नागरिकों की जोधपुर लाई गई थी। इन्हें पहले जोधपुर लाया गया था। यहां से सेना के विशेष विमान से भेजा गया था अब शुक्रवार को दूसरी खेप में 153 बांग्लादेशी नागरिकों को पश्चिम बंगाल भेजा गया है। वहां से इन्हें बीएसएफ बांग्लादेश डिपोर्ट करेगी।

पहलगाम में आतंकी हमले के बाद सरकार हरकत में आई थी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जिलों में अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी और रोहिंग्याओं को ढूंढने को कहा था। इसके लिए बाकायदा अभियान चलाया गया। इसके बाद विभिन्न जिलों में अवैध रूप से रह रहे ऐसे नागरिकों को पकड़ा गया। ये लोग अपनी पहचान छुपाकर रह रहे थे। अभियान के तहत प्रदेश के अलग-अलग जिलों से पहचान छुपाकर रह रहे संदिग्ध बांग्लादेशियों को पकड़कर डिटेंशन सेंटर पर रखा गया था। पहले चरण में 14 मई को 148 घुसपैठियों को जयपुर के प्रतापनगर डिटेंशन सेंटर से जोधपुर लाया गया था।

राजस्थान में बांग्लादेशी घुसपैठियों के खिलाफ विशेष अभियान के तहत छह डिटेंशन सेंटर बनाए गए हैं। इनमें अलवर, उदयपुर का झाड़ोल, नागौर के मेड़ता, बहरोड़ में एक-एक और जयपुर में दो डिटेंशन सेंटर बनाए गए हैं। इनमें अलवर का डिटेंशन सेंटर स्थायी है, जबकि घुसपैठियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करने के लिए पांच अस्थायी डिटेंशन सेंटर बनाए गए हैं। इन डिटेंशन सेंटर में करीब 1008 बांग्लादेशियों को डिटेन किया गया है।

एनडीपीएस कोर्ट ने डोडा चूरा तस्कर को सजा सुनाई

तस्कर को 4 साल की कैद और 40 हजार के जुर्माने से दंडित किया

पुलिस ने आरोपी को एनडीपीएस कोर्ट में पेश किया।

भीलवाड़ा, (निसं)। विशिष्ट न्यायाधीश एनडीपीएस कोर्ट ने डोडा-चूरा तस्करी के मामले में तस्कर को 4 साल की कैद और 40 हजार के जुर्माने से दंडित किया है।

विशिष्ट लोक अभियोजक रामस्वरूप गुर्जर ने बताया कि 29 जून 2019 को पारोली थाने के तत्कालीन थाना प्रभारी खीवराज गाडरी खेड़ा रोड स्थित तिराहे पर नाकाबंदी कर वाहनों की जांच कर रहे थे। इस दौरान छापडेल रोड की ओर से एक अल्टो कार आई जिसे चालक भगाकर कवलियास तालाब की ओर ले गया। पुलिस ने कार का पीछा किया तो आगे रास्ता बंद होने से उक्त कार को छोड़कर चालक भागने लगा, जिसे पुलिस ने पकड़ा और पूछताछ की तो उसने खुद को मांडलगढ़ थाना क्षेत्र के सारण का खेड़ा निवासी नारायण सिंह पुत्र मनोहर सिंह राजपूत बताया। पुलिस ने कर की तलाशी ली तो उसमें 5 प्लास्टिक के कट्टों में 48 किलो 500 ग्राम का डोडा-चूरा मिला, जिसे पुलिस ने कार सहित जब्त कर नारायण को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज किया। अनुसंधान के बाद पुलिस ने आरोपित नारायण सिंह के खिलाफ न्यायालय में चालान पेश किया। ट्रायल के दौरान अभियोजन पक्ष की ओर से 10 गवाहों के बयान दर्ज करवाते हुए 69 दस्तावेज पेश कर नारायण सिंह पर लगे आरोप सिद्ध करवाये। न्यायालय ने आरोपीं नारायण को 4 साल की कठोर कैद और 40 हजार के जुर्माने से दंडित किया है।

हादसे में दो की मौत

उदयपुर, (निसं)। उदयपुर में सड़क हादसे में नवविवाहित युवक और उसकी बुआ की मौत हो गई। परिवार की 3 महिलाएं भी बुरी तरह घायल हो गईं। हादसा ऋषभदेव थाना क्षेत्र में नेशनल हाईवे-48 पर कल्लाजी मंदिर के पास सुबह 7.30 बजे हुआ जब एक तेज रफ्तार कार ने ओवरटेक करने के चक्कर में कार को टक्कर मार दी। इस टक्कर से कार डिवाइडर से टकराते हुए पलट गई। हादसे में नैना देवी बेन (50) और पवन (28) की मौत हो गई। पवन की तीन दिन पहले ही शादी हुई थी। वह अपनी नवविवाहिता पत्नी और पूरे परिवार के साथ गुजरात के अंकलेश्वर से अजमेर घूमने जा रहा था।

एक रुपए का ऑनलाइन पेमेंट कर महिला ने लाखों का सोना ठगा

अलवर, (निसं)। अलवर में एक रुपए का ऑनलाइन पेमेंट कर दुकानदार से 1.54 लाख रुपए का सोना ठगने का मामला सामने आया है। महिला-पुरुष अंगूठी खरीदने के बहाने दुकान पर पहुंचे थे। इसके बाद दुकानदार ने अंगूठी दिखा दी। महिला ने ऑनलाइन पेमेंट करने की बात कही। पहले एक रुपया दुकानदार के खाते में डालकर मैसेज दिखाया। दूसरी बार में उसी मैसेज को एडिट कर 1.54 लाख रुपए का दिखा दिया। दुकानदार से कह दिया कि एनईएफटी किया है। दो घंटे में ये पैसा आपके खाते में आ जाएगा। दुकानदार ने मैसेज देखकर विश्वास कर लिया। खाते में पैसा नहीं आने पर शिवाजी पार्क थाने में मुकदमा दर्ज कराया, जिसके सीसीटीवी भी सामने आए हैं। मामला अलवर शहर के शिवाजी पार्क का है।

पीड़ित ज्वेलर सुरेन्द्र कुमार सोनी ने बताया कि उसकी दुकान में मंगलवार को जींस-टीशर्ट और चश्मा लगाए एक महिला व एक पुरुष आए थे। उनके साथ एक छोटी बच्ची भी थी। महिला ने कहा- इमरजेंसी में अंगूठी और मंगलसूत्र खरीदना है। पहले तो दुकानदार ने मना कर दिया। तब महिला ने कहा कि मुझे इमरजेंसी है। मंगलवार के कारण बाजार में दुकानें बंद हैं इसलिए ज्वेलरी यहीं से लेनी है। महिला ने कुल 15.2 ग्राम आभूषण खरीदे थे। जिनकी कीमत 1 लाख 54 हजार 500 रुपए थी। महिला ने आईसीआईसी बैंक से पहले एक रुपया बैंक खाते में डाला, जो आ गया। उसके बाद महिला ने उसी मैसेज को एडिट किया और कहा कि एनईएफटी के जरिए पैसा डाला है। दो घंटे में आ जाएगा। इस मैसेज को भी दिखाया। एक फर्जी ट्रांजैक्शन रसीद वॉट्सऐप पर भेजी और जल्द राशि आने का बहाना बनाकर सामान लेकर चले गए। बैंक से जांच कराने पर पता चला कि ट्रांजैक्शन फर्जी था। असली भुगतान नहीं हुआ था। बाद में महिला से संपर्क करने पर उसने धमकी दी और भुगतान से मना कर दिया। पुलिस ने दुकानदार की शिकायत पर मामला दर्ज किया है। दुकान में लगे सीसीटीवी फुटेज और वॉट्सऐप नंबर के आधार पर पुलिस ठगों की पहचान में जुटी है।

सरदार पटेल की प्रतिमा का अनावरण 29 को

डूंगरपुर/बांसवाड़ा, (निसं)। ज़िले के नागनसेल गांव में लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की भव्य प्रतिमा का अनावरण 29 मई को होगा।

इसके साथ ही गांव में श्री लक्ष्मीनारायण मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव भी 28-31 मई तक होंगे। जिसमें 28 मई को प्रायश्चित कर्म, हेमाद्रि संकल्प, देहशुद्धि नूतन यज्ञोपवीत धारण होगा। 29 मई को प्रातः आठ बजे से दीप प्रज्वलन, गणपति पूजन, पंचांग कर्म, मंडप प्रवेश, ब्राह्मण वरण, अग्नि स्थापन, ग्रह स्थापन, कुटीर होम, जलाधिवास, सायं पूजा, धान्याधिवास, लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा का अनावरण होगा। 30 मई को गणपत्याधावाहित देवता पूजन, गृह स्थापन, ग्रह होम, कलश यात्रा, शोभायात्रा, मंदिर वास्तु, अस्त भिक्षु, होम शांति, पौष्टिक होम, लक्ष्मीनारायण याग महास्नपन, तत्वन्यास, शय्याधिवास, सायं पूजन व आरती होगी। 31 मई को गणपत्याधावाहित देवता पूजन, लक्ष्मीनारायण याग, शिखर ध्वज प्रतिष्ठा, प्रसादोतिसर्ग, अचल प्रतिष्ठा, प्रतिष्ठा होम, उत्तर तन्त्र, पूर्णाहुति एवं महाआरती होगी। इसके बाद में दोपहर 12 बजे से महाप्रसाद का आयोजन होगा। गाँव के मुकेश पाटीदार ने बताया कि गाँव में अन्य धरोहर के रूप में श्री पितृ देव चबूतरा, श्री भैरव दादा मंदिर, श्री हनुमान दादा मंदिर, श्री कल्लाजी राठौड़ मंदिर, श्री कालिका माताजी मंदिर व श्री सीरा बावसी का मंदिर शामिल हैं।

अजमेर पैंथर सफारी प्रोजेक्ट एक बार फिर वित्तीय बाधाओं में उलझा

राज्य सरकार द्वारा योजना की घोषणा के बावजूद बजट आवंटन नहीं होने से परियोजना रुकी

अजमेर, (कासं)। अजमेर के काजीपुरा स्थित श्रीगंगा भैरव घाटी के जंगल में प्रस्तावित पैंथर सफारी प्रोजेक्ट एक बार फिर वित्तीय बाधाओं में उलझ गया है। राज्य सरकार द्वारा योजना की घोषणा के बावजूद बजट आवंटन नहीं होने से परियोजना रुक गई है। वन विभाग द्वारा जिला कलेक्टर को एक पत्र लिखकर बजट मंजूरी की मांग की है।

तीन करोड़ रुपए के फंड ट्रांसफर का भेजा प्रस्ताव :- वन विभाग ने अब कलेक्टर को तीन करोड़ रुपए के फंड ट्रांसफर के लिए प्रस्ताव भेजा है, ताकि अन्य मदों से संसाधन जुटाकर परियोजना को गति दी जा सके। इस प्रोजेक्ट को विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने राज्य बजट में शामिल करवाया था। अजमेर के अलावा दो अन्य जिलों में भी पैंथर सफारी के लिए घोषणाएं हुई थीं, लेकिन कहीं भी आवश्यक वित्तीय सहायता नहीं मिली। वन विभाग ने पूर्ववर्ती कांग्रेस शासन के दौरान मनरेगा के तहत पैदल मार्ग और हाल ही में सफारी के लिए कच्चे रास्ते का निर्माण कराया था। इन दोनों कामों के लिए फंड जुटाना भी विभाग के लिए चुनौतीपूर्ण रहा। अब जब इस प्रोजेक्ट के मुख्य कार्य शुरू होने हैं, तो बजट की अनुपलब्धता एक बड़ी रुकावट बन गई है। वन विभाग ने कलेक्टर लोकबंधु को प्रस्ताव भेजकर कैम्पा या अन्य योजनाओं से फंड ट्रांसफर की स्वीकृति मांगी है। फिलहाल यह फाइल कलेक्टर ऑफिस में लंबित है और मंजूरी के बाद ही फंड ट्रांसफर संभव हो पाएगा।

■ **वन विभाग द्वारा जिला कलेक्टर को पत्र लिखकर बजट मंजूरी की मांग की है**

काजीपुरा स्थित श्री गंगा भैरव घाटी तथा निरीक्षण करती टीम का फाइल फोटो।

क्षेत्र में पैंथर का मूवमेंट :- इसी बीच, पैंथर मूवमेंट को लेकर विभाग में असमंजस की स्थिति है। आमतौर पर गर्मी के मौसम में तारागढ़, पुष्कर घाटी, सोमलपुर जैसे इलाकों में पैंथरों की सक्रियता दर्ज होती रही है लेकिन इस बार अभी तक कोई मूवमेंट नहीं दिखा। केवल काजीपुरा जंगल में जेसीबी के पीछे एक पैंथर देखा गया, जिसे मजदूरों ने शोर मचाकर भगा दिया। इसे मूवमेंट की श्रेणी में शामिल नहीं किया गया क्योंकि यह उनका प्राकृतिक आवास क्षेत्र है। वन विभाग ने कलेक्टर से जल्द बजट प्रस्ताव मंजूर करने की बात कही।

कोटा की जरी साड़ी ने कान्स फिल्म फेस्टिवल में चमक बिखेरी

फ्रांस में आयोजित कान्स फिल्म फेस्टिवल में रेड कार्पेट पर कोटा ज़री साड़ी ने बिखेरी चमक, सबका ध्यान अपनी और आकर्षित किया

कोटा, (निसं)। हर वर्ष जब कान्स फिल्म फेस्टिवल की चकाचौंध दुनियाभर के सिनेमा प्रेमियों और कलाकारों को आकर्षित करती है, तब यह केवल फिल्मों का मंच नहीं रहता, यह सांस्कृतिक संवाद और वैश्विक सौंदर्यबोध का भी प्रतीक बन जाता है।

■ **कोटा की प्रीति सिंह पारीक ने कोटा जरी साड़ी को नई पहचान दिलाई**

ऐसे में, जब एक भारतीय हस्तशिल्प परिधान इस रेड कार्पेट पर अपनी गरिमा से सबका ध्यान खींचे, तो यह केवल एक फैशन स्टेटमेंट नहीं, बल्कि एक सांस्कृतिक वक्तव्य बन जाता है। कोटा ज़री साड़ी ने भी कोटा का नाम विश्व पटल पर ला दिया है।

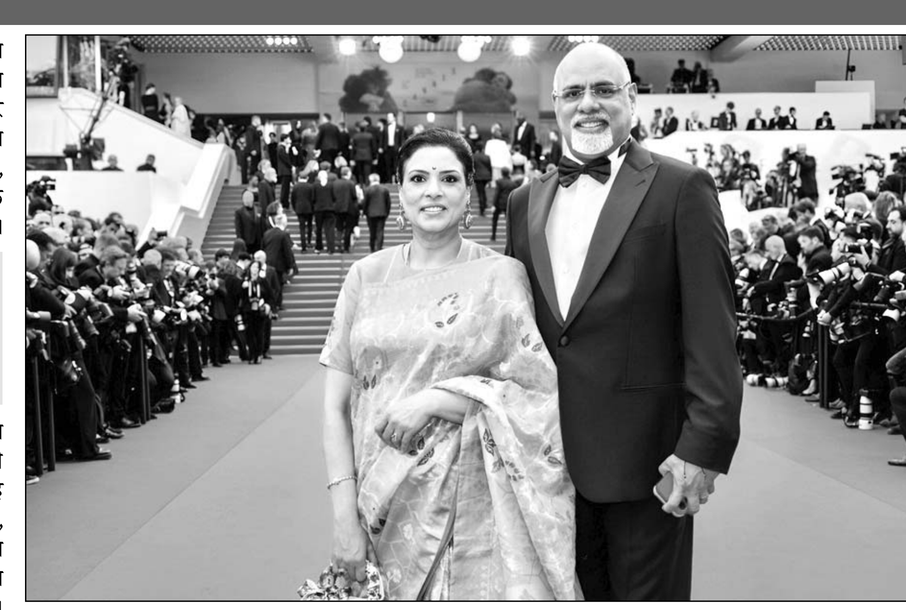

कोटा की जरी की साड़ी कान्स फिल्म फेस्टिवल में अपनी चमक बिखेर रही है।

कोटा की प्रीति सिंह पारीक की बनी ज़री साड़ी की चमक फ्रांस में फैली है। फ्रांस में आयोजित कान्स फिल्म फेस्टिवल में मास्टरकार्ड के चीफ मार्केटिंग ऑफिसर राजा राजमन्नार की पत्नी ज्योति राजामन्नार ने कोटा ज़री साड़ी पहनकर रेड कार्पेट पर कोटा की ज़री साड़ी की चमक को बढ़ाया है।

सोनचिरैया की सह-संस्थापक प्रीति सिंह पारीक ने बताया कि कोटा की पारंपरिक ज़री साड़ी कान्स फिल्म फेस्टिवल के आकर्षण का केंद्र बनी। इन साड़ियों की खूबसूरती, बुनाई और उस पर किया गया जरी कार्य इतना सूक्ष्म और भव्य है कि हर कोई मंत्रमुग्ध हो गया।

प्रीति ने यह भी साझा किया कि इससे पहले महारानी राधिका राजे गायकवाड़, महारानी अम्बिका राजे, मायूरभंज की महारानी राशमी राजे, टीना अम्बानी ने अनंत-राधिका की शादी में और बॉट के संस्थापक अमन गुप्ता की पत्नी प्रिया गुप्ता जैसे प्रतिष्ठित नाम भी कोटा ज़री साड़ी की शोभा बढ़ा चुके हैं।

मारवाड़ में भीषण गर्मी से आमजन बेहाल, नौतपा 25 से

जोधपुर, (कासं)। मानसून आने में अभी भी सवा महिना बाकी है। मारवाड़ इन दिनों भीषण गर्मी से झुलस रहा है। दिन तो दिन अब रात में भी चैन नसीब नहीं हो पा रहा है। रात को भी गर्म हवाएं परेशान कर रही है। सुबह दिन चढ़ने के साथ ही सूर्यदेव के तेवर तीखे होते जाते हैं और देखते ही देखते तापमान आसमां छूने लगता है। मूक पशु-पक्षियों से लेकर आम आदमी इन दिनों गर्मी से बेहाल है। ऐसे में उल्टी-दस्त की शिकायतें भी बढ़ रही है। लोगों को रूझान ठंडे पेय पदार्थों की तरफ ज्यादा होने लगा है। इधर भीषण गर्मी के बावजूद भी यातायात पुलिस द्वारा ट्राफिक सिग्नल को येलो जोन में नहीं लाया गया है। कई स्थानों पर अब भी वाहन चालकों को ट्रैफिक की लाल लाइट पर रूकना पड़ रहा है। हर बार नगर निगम द्वारा वाहन चालकों के लिए चौराहों पर छांव के लिए टेंट लगाए जाते हैं, मगर इस बार यह भी नजर नहीं आ रहे है। चौराहों पर ठंडा पानी भी नहीं रखा गया है। ताकि किसी राहगीर की भी प्यास बुझ सकें।

भीषण गर्मी के बीच में जिला कलेक्टर गौरव अग्रवाल ने अपील जारी कर लोगों से बचाव की बात की है। जरूरी काम से ही बाहर निकलने की हिदायत दी गई है। सरकारी गाइड लाइन की पालना करने को कहा ताकि वे भीषण गर्मी से खुद का बचाव कर सकें। अत्यधिक गर्मी के कारण अस्पतालों को विशेष व्यवस्थाएं करने को कहा गया है। तापघात के मरीजों के लिए अलग से वार्ड बनाए गए हैं। दोपहर दो से शाम पांच बजे तक अनाश्वयक रूप से बाहर नहीं निकलने को कहा है। सूर्यदेव 25 मई की आधी रात में रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश करेंगे। जोकि 8 जून तक इस नक्षत्र पर रहेंगे उसके बाद मंगल के मृगशिर नक्षत्र में चले जाएंगे। इस बीच में 25 मई से 2 जून तक यानी पूरे 9 दिन तक नौतपा रहेगा। जिसके कारण सूर्यदेव की किरणें सीधे धरती पर रहेगी और आमजन को बुरी तरह प्रभावित कर सकती है। नौ तपा में पड़ने वाली गर्मी से आने वाले दिनों में अच्छी बारिश की संभावना भी जताई जाती है।

हालांकि प्रदेश के कुछ हिस्सों में अब भी आंधी बारिश का दौर चल रहा है। मगर पश्चिम राजस्थान में पिछले 15 दिनों से लगातार भीषण गर्मी ने आमजन को बेहाल किया है। उससे पहले पश्चिमी विक्षोभ बनने से गर्मी से निजात मिली थी। अब प्रदेश पर कोई विक्षोभीय असर नहीं होने से गर्मी अपने प्रचंड रूप में है। जोधपुर के अलावा जैसलमेर, बाड़मेर, जालौर, सिरोही, पाली, बालोतरा और फलोदी में कमोबेश यही हालात है।

प्रवेश पत्र 29 मई को अपलोड होंगे

अजमेर, (कासं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा सहायक अभियोजन अधिकारी (मुख्य) परीक्षा-2024 का आयोजन आगामी एक जून को अजमेर जिला मुख्यालय पर किया जाएगा। निर्धारित कार्यक्रमानुसार सुबह 10 से दोपहर 1 बजे तक प्रश्न पत्र प्रथम एवं दोपहर 3.30 से 5.30 बजे तक प्रश्न पत्र द्वितीय की परीक्षा आयोजित की जाएगी।

■ **सहायक अभियोजन अधिकारी मुख्य परीक्षा-2024**

इस संबंध में विस्तृत सूचना आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध है। आयोग की संयुक्त सचिव ऋषिबाला श्रीमाली ने बताया कि 29 मई को परीक्षा के प्रवेश पत्र आयोग की वेबसाइट एवं एसएसओ पोर्टल पर अपलोड किए जाएंगे। इस अनुसार अभ्यर्थी यथाशीघ्र प्रवेश पत्र डाउनलोड कर लेवें। प्रवेश पत्र आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध एडमिट कार्ड लिंक के माध्यम से आवेदन पत्र क्रमांक व जन्म दिनांक प्रविष्ट कर डाउनलोड किए जा सकेंगे। इसके अतिरिक्त एसएसओ पोर्टल पर लॉगिन कर सिटीजन ऐप्स में उपलब्ध रिक्रूटमेंट पोर्टल लिंक से भी प्रवेश पत्रों को डाउनलोड किया जा सकता है।

अजमेर में सम्राट पृथ्वीराज चौहान मैराथन दौड़ में शहरवासियों का उत्साह दिखा

अजमेर, (कासं)। सम्राट पृथ्वीराज चौहान की 859 वीं जयंती के अवसर पर शुक्रवार को शहर के अपार जनसमूह ने मैराथन दौड़ में भाग लेकर इतिहास पुरुष को नमन किया। यह दौड़ बस स्टैंड के पास डॉ. भीमराव अम्बेडकर सर्किल से प्रारम्भ होकर विभिन्न मार्गों से होती हुई पुनः इसी परिसर पर सम्पन्न हुई। नन्हे-मुन्ने बच्चों से लेकर 92 वर्षीय वरिष्ठ नागरिक के साथ सी.आर.पी एफ., राजस्थान पुलिस एवं अन्य संस्थाओं के पुरुष एवं महिला धावकों ने इसमें भाग लेकर कीर्तिमान बनाया।

सम्राट पृथ्वीराज चौहान की 859 वीं जयंती के अवसर पर जनसमूह ने मैराथन दौड़ में भाग लिया।

■ **नन्ने-मुन्ने बच्चों से लेकर 92 वर्षीय वरिष्ठ नागरिक के साथ सी.आर.पी एफ., राजस्थान पुलिस एवं अन्य संस्थाओं के पुरुष एवं महिला धावकों ने दौड़ में भाग लिया**

समारोह समिति के खेल संयोजक विनीत लोहिया ने बताया कि शुक्रवार को प्रातः छह बजे अम्बेडकर सर्किल से दौड़ की पहली कड़ी के रूप में वरिष्ठजन पुरुष एवं महिला वर्ग का शुभारंभ मुख्य अतिथि राजस्व मंडल के एडिशनल रजिस्ट्रार हेमंत स्वरूप माथुर, आचार्य यशवंत, पूर्व उपमहापौर संपत सांखला, राजस्थान धरोहर प्राधिकरण के पूर्व सदस्य कंवल प्रकाश किशनानी, सीआरपीएफ तथा राजस्थान पुलिस के अधिकारियों ने किया। वरिष्ठजनों ग्रुप की यह दौड़ सर्किल से प्रारंभ होकर जिला परिषद मार्ग से होते हुए श्री रामकृष्ण परमहंस सर्किल, आजाद पार्क, अजमेर क्लब, ज्योतिबाराव फूले सर्किल से होते हुए कलेक्ट्रेट के सामाने मार्ग से पुनः सर्किल पर सम्पन्न हुई। आम शहरवासियों के लिए यह दौड़ एलिवेटेड रोड़ पर चढ़ते हुए आगरा गेट की ओर भुजा से नीचे उत्तर कर अग्रसेन सर्किल होते हुए पुनः अम्बेडकर सर्किल पर सम्पन्न हुई। 4 से 5 किमी की इस दौड़ में केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ग्रुप केन्द्र-प्रथम, राजस्थान पुलिस व विभिन्न संस्थाओं के सदस्य एवं शहरवासियों ने भाग किया। वरिष्ठजन वर्ग के लिए अलग मार्ग पर दौड़ आयोजित को गई।

समारोह समिति के कंवल प्रकाश किशनानी ने बताया कि अलग-अलग वर्ग के प्रथम दस स्थान प्राप्त करने वाले धावक-धाविकाओं को टी-शर्ट, प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। शंकर आयुर्वेदी, केशव माधव परमार्थ मंडल के सौजन्य से टी-शर्ट तथा स्वामी ग्रुप-रसोई फेमली रेस्टोरेंट की ओर से सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। समिति के वरिष्ठ सदस्य भैरू गुर्जर ने राजस्थान पुलिस, यातायात पुलिस, सीआरपीएफ एवं अन्य सभी सहयोगी संस्थाओं का आभार व्यक्त किया।

92 वर्षीय अग्रवाल बने प्रेरणास्त्रोत :- इस दौड़ में जहां युवा खिलाड़ियों की भरमार के साथ पुलिस एवं सीआरपीएफ के पुरुष एवं महिलाओं का बोलबाला रहा। वहीं 92 वर्षीय अग्रवाल सभी के प्रेरणा बने। उन्होंने वरिष्ठजन वर्ग की दौड़ को न सिर्फ पूरा किया अपितु प्रथम तीन स्थान में अपनी उपस्थिति दर्ज कराकर सभी की वाहवाही लूटी। इसके साथ ही दह वर्ष की आयु के नन्हे-मुन्नों से लेकर 10 वर्ष तक के छात्र-छात्राओं ने भारी उत्साह से दौड़ में भाग लिया।

संक्षिप्त

कार्यशाला का आयोजन

भरतपुर। उद्योग एवं वाणिज्य विभाग की ओर से विभिन्न सेक्टर में निवेश बढ़ाने एवं रोजगार के अवसर सृजित करने हेतु शुक्रवार को निजी होटल में जिला प्रशासन एवं जिला उद्योग एवं वाणिज्य केन्द्र, भरतपुर के द्वारा एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में निवेश प्रोत्साहन और औद्योगिक विकास से जुड़ी आठ महत्वपूर्ण योजनाओं तथा नीतियों के संबंध में उद्यमियों और निवेशकों को विस्तार से जानकारी दी गई। जिला कलक्टर डॉ. अमित यादव ने कहा कि भरतपुर एवं डीग जिले में औद्योगिक निवेश को आकर्षित करने के लिए राज्य सरकार और जिला प्रशासन सक्रिय रूप से काम कर रहे हैं।

गेंहू एवं चावलों से भरा ट्रक शांतिकुंज हरिद्वार भिजवाया

श्रीमाधोपुर। गायत्री शक्तिपीठ अजीतगढ़ की ओर से खाद्य सामग्री से भरा ट्रक शांतिकुंज हरिद्वार के लिए हरि झंडी दिखाकर वयोवृद्ध गायत्री उपासक घनश्याम पारीक के नेतृत्व में गायत्री भक्तों ने रवाना किया। इस मौके पर पारीक ने कहा कि शांतिकुंज हरिद्वार स्थित गायत्री शक्तिपीठ के लिए खाद्य-सामग्री भेजने का क्रम अनवरत कई वर्षों से चला आ रहा है जिसमें भक्तों , श्रद्धालुओं के सहयोग से सामग्री एकत्रित की जाती है और सीधे ही ट्रक द्वारा शांतिकुंज हरिद्वार भेजी जाती है।

कलेक्टर ने हरियालो राजस्थान व मानसून से निपटने के लिए अधिकारियों की ली बैठक

- खैरथल किशनगढ़ बास टपूकड़ा और भिवाड़ी में कलेक्टर ने औचक कार्यालयों का निरीक्षण किया

खैरथल। जिला कलेक्टर किशोर कुमार ने खैरथल टपूकड़ा किशनगढ़ बास व भिवाड़ी में सरकारी कार्यालयों का औचक निरीक्षण कर कार्यालयों की कार्यप्रणाली की समीक्षा की एवं व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि आमजन के कार्यों को समयबद्ध व पारदर्शी तरीके से पूर्ण करे।

किशनगढ़ बास में तहसील निरीक्षण पर पहुंचे जिला कलेक्टर ने तहसीलदार नरेंद्र भाटिया को सरकारी भूमि पर अतिक्रमण, धारा 91, 90 ए एवं म्यूटेशन से जुड़े प्रकरणों के निस्तारण के निर्देश दिए। सीमाज्ञान, सहमति एवं बंटवारे के मामलों को प्राथमिकता से सुलझाने के लिए निर्देशित किया। कलेक्टर ने तहसील भवन की जर्जर हालत को देखते हुए एसडीएम मनीष जाटव व सार्वजनिक निर्माण विभाग के अभियंता को अविलंब मरम्मत कार्य कराने के निर्देश दिए। इस दौरान संयुक्त व्यापार महासंघ अध्यक्ष परमानंद लखयाणी के साथ व्यापारियों ने पहुंचकर कलेक्टर का स्वागत किया।

खैरथल में नगर परिषद निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने सफाई व्यवस्था को चुस्त-दुरुस्त रखने, रिकॉर्ड संधारण में पारदर्शिता बरतने एवं सभी शाखाओं में नागरिकों को बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराने हेतु अधिकारी मुकेश शर्मा को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए व शहर में सफाई व्यवस्था व अतिक्रमण को लेकर जानकारी ली और सफाई व्यवस्था को सचारू बनाए रखने व अतिक्रमण पर कार्रवाई के लिए निर्देशित किया। टपूकड़ा में उप पंजीयन कार्यालय का निरीक्षण किया। वहां कलेक्टर ने तहसीलदार को पुराने प्रकरणों की वसूली करने तथा राजस्व लक्ष्य समय पर पूरा करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने फूल बाग पुलिस थाने का निरीक्षण किया व्यवस्थाओं का जायजा लिया और कानून व्यवस्था, सुरक्षा उपाय और पुलिस संसाधनों की व्यापक समीक्षा की। उन्होंने बंदीगृह, मालखाना, रिकॉर्ड शाखा और शिकायत कक्ष जैसी प्रमुख इकाइयों का निरीक्षण किया। साफ-सफाई, सुरक्षा और व्यवस्थापन पर संतोष व्यक्त करते हुए कुछ सुधारात्मक निर्देश भी दिए। उन्होंने पुलिस बल की उपलब्धता, तैनाती, रिक्त पदों की स्थिति और उनकी भर्ती प्रक्रिया की भी समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान अतिरिक्त जिला कलेक्टर सुमित्रा मिश्र, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अतुल साहू सहित अन्य पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे।

इसके साथ जिला कलेक्टर ने बीड़ा सभागार में अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में हरियालो राजस्थान एवं आगामी मानसून में जल भराव से निपटने व सघन वृक्षारोपण करने हेतु सभी अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में मुख्य कार्यकारी अधिकारी बीडा अतुल प्रकाश, अतिरिक्त जिला कलेक्टर भिवाड़ी सुमित्रा मिश्र, डीएफओ राजेंद्र हुड्डा, मुख्य स्टेकहोल्डर्स, औद्योगिक इकाइयों के प्रतिनिधि, वन विभाग सहित अधिकारी उपस्थित रहे।

निरीक्षण पर पहुंचे कलेक्टर किशोर कुमार का स्वागत करते व्यापारिक संगठनों के अध्यक्ष परमानंद लखयाणी, एसडीएम मनीष जाटव, तहसीलदार नरेंद्र भाटिया व व्यापारी।

अपर जिला न्यायधीश ने उपकारागृह का किया निरीक्षण

- अपर जिला एवं सैशन न्यायधीश दिनेश कुमार जलुथरिया ने उपकारागृह मालपुरा मे निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान कारागृह मे कुल 33 बंदी पाये गये

मालपुरा । जिला विधिक सेवा प्राधिकरण टोंक सचिव एवं अपर जिला एवं सैशन न्यायधीश दिनेश कुमार जलुथरिया ने शुक्रवार को उपकारागृह मालपुरा मे निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। मुख्य प्रहरी अब्दुल वहाब ने न्यायधीश को कारागृह की व्यवस्थाओं को लेकर जानकारी दी। निरीक्षण के दौरान कारागृह मे कुल 33 बंदी पाये गये। न्यायधीश द्वारा बंदियो का कारागृह मे मिलने वाली मूलभूत सुविधाओं व बंदियो से उनके मुकदमे की स्थिति एवं अधिवक्ता के संबंध मे जानकारी लेते हुये कहा कि अधिवक्ता न कर पाने की स्थिति मे निःशुल्क विधिक सहायता के तहत प्राधिकरण द्वारा अधिवक्ता उपलब्ध करवाने की व्यवस्था है। निरीक्षण के दौरान जमानत होने के बावजूद उपकारागृह मे निरूद्ध विचाराधीन बंदियो को जमानत शर्तो के मुताबिक जमानत मुचलके पेश करने एवं आवश्यक विधिक सहायता प्राप्त करने हेतु निर्देश दिये गये।

उपकारागृह मे संचालित विधिक सेवा क्लिनिक का भी निरीक्षण किया गया। साथ ही संधारित रजिस्टर की भी जांच कर मुख्य प्रहरी को आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये।

इस दौरान जेल मे भोजन की गुणवत्ता को देखा गया, परिसर की साफ-सफाई, विधिक सेवा क्लिनिक, पुरूष बैरख परिसर का निरीक्षण किया गया। इस दौरान न्यायिक अधिकारी के साथ पैनल अधिवक्ता अनीस जैन अब्दुल रज्जाक नकवी, पीएलवी न्यायमित्र रामप्रसाद वर्मा तथा मालपुरा तालुका कार्मिक रवि जांगिड मौजूद रहै।

खाद्य पदार्थों के 50 नमूने जांच में मिले अवमानक

अलवर । मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. योगेन्द्र शर्मा ने बताया कि जिले में मिलावटीखोरी पर लगाम लगाने हेतु चलाए जा रहे 'शुद्ध आहार मिलावट पर वार' अभियान के तहत 1 अगस्त 2024 से 30 सितम्बर 2024 तक खाद्य पदार्थों के 128 नमूने जांच हेतु लिए गए जिनमें से 50 नमूने अवमानक स्तर के पाये गए।

उन्होंने बताया कि रामगढ में बहादुरपुर रोड स्थित मैसर्स चौधरी डेयरी, दिल्ली-मुम्बई हाईवे पर लक्ष्मणगढ में मैसर्स श्री श्याम फेसिलिटी मेनजमेंट प्रा.लि, रामगढ के खालसा मार्केट में मैसर्स प्रजापति पनीर भंडार, लक्ष्मणगढ के बडोदामेव मैन मार्केट में मैसर्स खंडेलवाल एंटरप्राइजेज, बनबीरपुर में मैसर्स जेएसके फूड्स, अलवर में बस स्टैण्ड पर मैसर्स हनुमान पवित्र ढाबा एवं मैसर्स बाबा दा पराठा, लक्ष्मणगढ में निजाम नगर रोड स्थित मैसर्स कृष्णा डेयरी, नीमराणा में पुरानी सब्जी मंडी के पास मैसर्स बाबा डेयरी, खैरथल में हरसौली रोड स्थित मैसर्स ओम मिष्ठान भंडार, कोटकासिम में मैसर्स सोनू रसगुल्ला भंडार, कोटकासिम के भौकर में मैसर्स प्रदीप रसगुल्ला भंडार, सिलीसेरघ किशनपुर में मैसर्स साने रेजिडेंसी प्रा.लि, बानसूर में मैसर्स प्रिंस सरस लोटस एजेन्सी, तिजारा में अलीम शाह, तिजारा में गणपति सिनेमा के सामने मैसर्स दया मिष्ठान भंडार, तिजारा में विकास पथ पर मैसर्स मानसी मावा भंडार, तिजारा में मैसर्स श्याम डेयरी एवं फूड प्रोडेक्टस तथा तिजारा में बस स्टेण्ड बाइपास आरजे 40 रेस्टोरेंट से लिए गए पनीर के नमूने जांच रिपोर्ट में अवमानक पाए गए। इसी प्रकार अलवर के हाउसिंग बोर्ड में मैसर्स प्रीमियम बाल्सग मोसा ग्रुप से चाट मसाला, अलवर में वीर चौक में मैसर्स नन्दू जी स्वीट्स से बेसन के लड्डू, अलवर में अटा वाली गली में मैसर्स सौभाग्य ट्रेडर्स व थानागाजी में मैसर्स जय मातादी किराणा स्टोर से रेड चिल्ली पाउडर, धोबी गट्टा में मैसर्स बालाजी मिष्ठान भंडार से पतिसा मिठाई, अलवर में 60 फुट रोड स्थित मैसर्स लक्ष्मी मिष्ठान भंडार से नारियल लड्डू, तिजारा में मैसर्स विवेक सैनी से प्रयोग किया हुआ रिफाइंड सोयाबीन ऑयल, नीमराना में मैसर्स जोधपुर मिष्ठान भंडार व बानसूर में मैसर्स यादव कॉफी टी स्टोल और मिष्ठान भंडार से मावा, तिजारा में मैसर्स विशाल किराणा स्टोर से खुला हुआ मिर्च पाउडर, टपूकडा में मैसर्स यादव रसगुल्ला भंडार, तिजारा में मैसर्स श्याम डेयरी एण्ड फूड प्रोडेक्टस व कोटकासिम के भोकर में मैसर्स प्रदीप रसगुल्ला भंडार से रसगुल्ला, अलवर में स्टेशन रोड के पीछे मैसर्स सैनी मिष्ठान भंडार, किशनगढबास में मैसर्स जोधपुर मिष्ठान भंडार व भर्तृहरि धाम स्थित मैसर्स बलराम सैनी से बर्फ़ी, अलवर में 60 फुट रोड स्थित मैसर्स खंडेलवाल किराणा स्टोर से हल्दी पाउडर तथा बहरोड में मैसर्स खुशी होटल एण्ड रेस्टोरेंट से मिक्स मिल्क के नमूनों की जांच रिपोर्ट में अवमानक पाए गए। उन्होंने बताया कि खाद्य पदार्थों के नमूना जांच रिपोर्ट में अवमानक पाए जाने पर प्रकरण में 5 लाख तक के जुर्माने का प्रावधान है एवं खाद्य पदार्थों के नमूने जांच रिपोर्ट में असुरक्षित पाए जाने पर कारावास की सजा का प्रावधान है।

जिलाध्यक्ष पद के चुनाव कल

निवाई। अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा के जिलाध्यक्ष पद के लिए 25 मई को चुनाव संपन्न होंगे। जिसकी तैयारियां जोर शोर पर चल रही है। जिलाध्यक्ष प्रत्याशी कालूराम जांगिड़ ने बताया कि चुनाव प्रक्रिया को लेकर शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं सुव्यवस्थित मतदान करवाने के लिए 2 मतदान केंद्र स्थापित किए गए हैं। जिसको लेकर निवाई विश्वकर्मा मंदिर व टोंक में विश्वकर्मा मंदिर में बूथ स्थापित किए है। उन्होंने बताया कि करीब 917 मतदाता रविवार को सुबह 10 से शाम 5 बजे तक मतदान करेंगे। उसी दिन 5:30 बजे से मतगणना होगी। मतगणना के तुरंत बाद परिणाम घोषित किए जाएंगे।कालूराम जांगिड़ व हनुमान जांगिड़ अध्यक्ष पद के लिए चुनाव मैदान में है। उन्होंने बताया कि चुनाव प्रक्रिया को लेकर सभी मतदान केन्द्रों पर उम्मीदवारों व समर्थको को जगह देने के लिए बूथों पर स्थान चिन्हित किए सभी सुविधाओं की संपूर्ण व्यवस्थाओं को अन्तिम रूप दे दिया गया है।

जरूरतमंदों के लिए युवाओं ने किया रक्तदान

- 'नियमित रूप से रक्तदान करने से आयरन की अतिरिक्त मात्रा नियंत्रित हो जाती है'

शाहपुरा। शहर के रजनीश हॉस्पिटल के ब्लड बैंक में शुक्रवार को भीषण गर्मी में रक्त की कमी व जरूरतमंदों के लिए युवाओं ने रक्तदान किया । डॉ. रजनीश शर्मा ने बताया कि बिदारा निवासी सामाजिक कार्यकर्ता डॉ पूरणमल बुनकर की प्रेरणा से बिदारा निवासी साधुराम वर्मा, कम्प्यूटर अनुदेशक सांवर मल सैन,मुकेश कुमार बुनकर शंकर कॉलोनी निवासी व्याख्याता विजय चौपडा आदि ने पहली बार रक्तदान कर युवाओं को प्रेरित किया।

उन्होंने बताया कि रजनीश हॉस्पिटल ब्लड बैंक की ओर से अब तक 3567 यूनिट का वितरण किया जा चुका है। इस अवसर पर डॉ रजनीश शर्मा ने युवाओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि रक्तदान करने से दिल की सेहत में सुधार, दिल की बीमारियों और स्ट्रोक के खतरा कम हो जाता है। खून में आयरन की ज्यादा मात्रा दिल के दौरे के खतरे को बढ़ा सकती है। नियमित रूप से रक्तदान करने से आयरन की अतिरिक्त मात्रा नियंत्रित हो जाती है। जो दिल की सेहत के लिए अच्छी है। अवसर पर डॉ.बुनकर ने कहा कि हमें कम से कम वर्ष में एक बार तो रक्तदान करना ही चाहिए। ताकि रक्त की कमी से मरने वाले लोगों को जीवनदान मिल सके। अस्पताल निदेशक डॉ रजनीश शर्मा, प्रबंधन वैभव शर्मा, सुशीला देवी, लोकेश बुनकर,लालचंद सैनी आदि ने रक्तदाताओं को प्रशस्ति पत्र, प्रतीक चिन्ह भेंटकर सम्मान किया। इस दौरान शिक्षक मनोज कुमार बुनकर, शिक्षक रामस्वरूप वर्मा,विजय कुमार वर्मा आदि उपस्थित रहे।

एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

बयाना/भरतपुर । रूपवास क्षेत्र में बढ़ते अवैध खनन के खिलाफ राष्ट्रीय लोकदल ने मोर्चा खोल दिया है। पार्टी के राष्ट्रीय सचिव सुरेन्द्र कसाना ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नाम बयाना के उपखण्ड अधिकारी दीपक मित्तल को एक ज्ञापन सौंपा, जिसमें खनन माफियाओं की मनमानी और सरकारी नियमों की धज्जियां उड़ाने के आरोप लगाए गए हैं।रॉयल्टी ठेकेदार अवैध तरीके से अधिक रॉयल्टी वसूल रहे हैं न तो रॉयल्टी नाकों पर ई-रसीद दी जा रही है और न ही पहचान पत्रधारी कार्मिक मौजूद हैं। ठेकेदारों द्वारा खदान से निकलने वाले कच्चे माल के बजाय क्रेशर से निकलने वाले पक्के माल पर रॉयल्टी वसूलना भी नियमों के विरुद्ध बताया गया है। ज्ञापन की प्रतिलिपि केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी, राजस्थान सरकार के खनिज एवं पर्यावरण मंत्री, शासन सचिव, सम्भागीय आयुक्त भरतपुर, जिला कलक्टर सहित अन्य अधिकारियों को भेजी गई है।

ग्रामीणों ने पेयजल समस्या पर जताई नाराजगी, सौंपा ज्ञापन

निवाई। ग्राम पंचायत पलेई में तहसीलदार नरेशकुमार गुर्जर की अध्यक्षता में जनसुनवाई कार्यक्रम का आयोजन हुआ। जिसमे ग्रामीणों ने तहसीलदार गुर्जर को पेयजल समस्याओं से अवगत करवाया। जनसुनवाई में तहसीलदार गुर्जर ने ग्रामीणों की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए सभी समस्याओं का शीघ्र निस्तारण करने का आश्वासन देते हुए कहा कि सभी समस्याओं का संबंधित विभाग द्वारा शीघ्र निस्तारण किया जाएगा। इस दौरान किसान महापंचायत के ब्लॉक अध्यक्ष दशरथसिंह चौहान के नेतृत्व में पलेई के वार्ड नंबर 5 व 6 के राजपूत मोहल्ला, मीणा मोहल्ला, नाथों का मोहल्ला, बैरवा मोहल्ला अनाड़ी मोहल्ला के ग्रामीणों ने तहसीलदार गुर्जर को बताया कि कई दिनों से गांव में पेयजल समस्या बनी हुई है नलों में पानी केवल नाम मात्र ही आता है जिससे लोगों की प्यास नहीं बुझ पा रही है। इसके लिए कई बार ग्रामीणों ने ग्राम पंचायत को भी अवगत करवाया लेकिन इस भीषण गर्मी में पानी की कोई सुनिश्चित व्यवस्था नहीं की गई है। ग्रामीणों ने बताया कि पेयजल समस्या का समाधान 7 दिन में नहीं किया गया तो ग्रामीणों द्वारा ग्राम पंचायत के बाहर धरना प्रदर्शन और आंदोलन किया जाएगा। जिसकी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

इस अवसर पर प्रहलाद अनाड़ी, रामप्रसाद मीणा, गोविंद अनाड़ी, हनुमानप्रसाद शर्मा, बुधराम चौधरी, जितेंद्र सिंह, गिर्राज मीणा, भंवर सिंह, बृजमोहन चौधरी, दयाराम मीणा, शंकर अनाड़ी, हरिशंकर मीणा, गजेंद्र सिंह, चंद्रप्रकाश मीणा व श्योजीराम मीणा सहित कई ग्रामीण मौजूद थे।

गांव पलेई में आयोजित जनसुनवाई में ग्रामीणों से चर्चा करते हुए तहसीलदार गुर्जर।

आम सूचना जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर

क्रमांक/ज.वि.प्रा./[illegible]/2025/डी-341 दिनांक: 16.05.2025

निम्न आवेदक द्वारा सम्पत्ति के पट्टे/ अन्य कार्य हेतु आवेदन प्रस्तुत किये गये है, जिनका विवरण निम्नानुसार है:- [illegible]

न्यायालय अपर सिविल न्यायाधीश क्रम संख्या 3 जयपुर महानगर द्वितीय, जयपुर

वाद संख्या Civil Suit /2784/2025 श्रीमती नीरा आपटे पत्नी श्री हरीश भडसावले उर्फ हरीश कुमार भडसावले, आयु 50 वर्ष, निवासी बी 51, जे. एम. जे. ज्वैलर्स के पास वाली गली, वैशाली नगर, जयपुर। वादीया बनाम (1) निमिषा भडसावले पुत्री श्री हरीश भडसावले उर्फ हरीश कुमार भडसावले, आयु 22 वर्ष, निवासी बी 51, जे. एम. जे. ज्वैलर्स के पास वाली गली, वैशाली नगर, जयपुर। (2) आम जन साधारण वाद बाबत घोषणा करवाये जाने सिविल मृत्यु बनाम-आम जन साधारण [illegible] प्रस्तुतकर्ता अपर सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट, क्रम-3 जयपुर हस्ताक्षर

नाम परिवर्तन

I Mukesh Kumar Kumawat S/o Hanuman Lal Kumawat R/o 34, Marg A-4, Kumawat Colony, Jhotawara Jaipur 302012. I have change my name from Mukesh Kumar to Mukesh Kumar Kumawat. In future known me Mukesh Kumar Kumawat.

मैं आर्मी नं. 15686006M रैंक- हवलदार जितेन्द्र चौहान पुत्र शिवचंद निवासी- ओन्हाईच, पोस्ट- बगली, पिजरा, तह.-सदर, मऊ ने अपने सर्विस रिकॉर्ड में अपनी माताजी का नाम देवन्ती देवी (Deventi Devi) से बदलकर देवन्ती देवी (Dewanti Devi) व जन्मतिथि 01-07-1961 से 01-01-1960 कर लिया है।

मैंने अपना नाम अशोक कुमार अग्रवाल से बदलकर अशोक अग्रवाल पुत्र स्व. कन्हैयालाल अग्रवाल रख लिया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना जावे। B-57, प्रगति पथ, बजाज नगर, जयपुर।

मैंने अपना नाम अनुह्या के स्थान पर अनुह्या शर्मा रख लिया। अत: भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना जायें। B-348, महेश नगर, जयपुर

मैंने अपना नाम करण राज सिंह से बदलकर करण राज सिंह झाला कर लिया है जैसा कि मेरे आधारकार्ड में दर्ज है भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना पहचाना जाये। पता: प्लॉट नं. 102, सोनू अपार्टमेंट-21, रॉयल सिटी, कालवाड़ रोड, जयपुर-302012, Mob. 9660323309

मैंने अपना नाम धर्म सिंह से बदलकर धर्म सिंह चौधरी कर लिया है भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना पहचाना जावें। पता: जाटो की ढाणी, सरकारी स्कूल के पास, सांगानेर, जयपुर

मैं माणक चंद शर्मा, नंबर JC351135H, SUB/ Cipher, मुख्यालय 9 सेक्टर असम राइफल्स PPO 234981407136 से सेवानिवृत्त हूं। मैं अपने सर्विस रिकॉर्ड में अपनी बेटी का नाम खुशबू कुमारी से बदलकर खुशबू शर्मा और उसकी जन्मतिथि 07.09.1985 करवाना चाहता हूं। निवासी 684, जाट के कुवे का रास्ता, चांदपोल, जयपुर-302001

नम्बर मिलाइए 9587884433

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

RAJASTHAN REAL ESTATE REGULATORY AUTHORITY
2nd Floor, RSIC Wing, Udyog Bhawan, Tilak Marg, C-Scheme, Jaipur-302005
Phone No.: 0141-2851900, Website: http://rera.rajasthan.gov.in

NOTICE FOR HEARING

Sub: Complaint No. RAJ-RERA-C-N 2022- 5259 titled HEEN. HARISH SAGAR V/S Shivaay Affodable Homes. [illegible]

By order, Deputy Registrar (Court)

आम सूचना [illegible]

राजस्थान आवासन मण्डल, वृत तृतीय
ज.ए.एल.एन. मार्ग, जवाहर सर्किल के पास, जयपुर-0141-4001653
क्रमांक: 1451 दिनांक: 14.05.2025

आम जाहिर सूचना

[illegible] पत्र के श्रीमती रविता मीना पत्नी श्री सतीश मीना को कर विक्रय पत्र का निष्पादन कार्यालय उप पंजीयक अष्टम में दिनांक 25.03.2021 को करवाया गया। श्रीमती रविता मीना पत्नी श्री सतीश मीना के द्वारा आवास का मूल आवंटी के नाम पंजीयन हो जाने के बाद पश्चातवर्ती अंतिम क्रेती का नाम मण्डल अभिलेख में दर्ज करने बाबत निवेदन किया गया गया है। अंत: नाम दर्ज करने के संबंध में किसी भी व्यक्ति / बैंक/ संस्था को कोई आपत्ती हो तो विज्ञिप्त प्रकाशन के 07 दिवस मै व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर साक्ष्य सहित अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर देवे, अन्यथा उक्त अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने पर उक्त आवेदनकर्ता श्रीमती रविता मीना पत्नी श्री सतीश मीना का नाम मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कर दिया जायेगा।

संपदा प्रबंधक, वृत्त तृतीय, रा.आ.म., जयपुर

प्रपत्र संख्या 7 (देखिये नियम 21)
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 19(2) के अधीन नोटिस
कार्यालय सहायक आयुक्त (द्वितीय) देवस्थान विभाग, जयपुर
समस्त संबंधित व्यक्तियों को (नाम, वर्णन तथा निवास स्थान)

मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-II/TRUST/2025-283 [illegible] के संबंध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे। और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा। आज दिनांक 19.05.2025 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 22.07.2025

सहायक आयुक्त
देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

न्यायालय अपर सिविल न्यायाधीश क्रम संख्या 3, जयपुर महानगर द्वितीय, जयपुर

वाद संख्या Civil Suit/2784/2025

श्रीमती नीरा आपटे पत्नी श्री हरीश भडसावले उर्फ हरीश कुमार भडसावले, आयु 50 वर्ष, निवासी बी 51, जे. एम. जे. ज्वैलर्स के पास वाली गली, वैशाली नगर, जयपुर । वादीया

बनाम

(1) निमिषा भडसावले पुत्री श्री हरीश भडसावले उर्फ हरीश कुमार भडसावले, आयु 22 वर्ष, निवासी बी 51, जे. एम. जे. ज्वैलर्स के पास वाली गली, वैशाली नगर, जयपुर।

(2) आम जन साधारण

वाद बाबत घोषणा करवाये जाने सिविल मृत्यु

बनाम- आम जन साधारण

उक्त वादीया ने इस न्यायालय के समक्ष एक वाद पत्र श्री हरीश भडसावले उर्फ हरीश कुमार भडसावले, निवासी बी 51, जे. एम. जे. ज्वैलर्स के पास वाली गली, वैशाली नगर, जयपुर, जो पिछले सात वर्ष से भी अधिक समय से लापता है, जिसकी इस अवधि के दौरान किसी भी ने कोई खबर या जीवित होने की सूचना नहीं दी जिस बाबत वादीया ने उनकी सिविल मृत्यु घोषित किये जाने बाबत वाद पत्र प्रस्तुत किया है। अतः एतद द्वारा आम जन साधारण को सूचना दी जाती है कि श्री हरीश भडसावले उर्फ हरीश कुमार भडसावले की सिविल मृत्यु की घोषणा न्यायालय द्वारा की जाने में किसी को कोई आपत्ति हो तो दिनांक 31.05.2025 को इस न्यायालय में उपस्थित होकर जाहिर करे।

यह आज दिनांक 16.05.2025 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर जारी किया गया।

मुहर

प्रस्तुतकार
अपर सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट, क्रम-3
जयपुर महानगर द्वितीय

विवाद्यकों के स्थिरीकरण के लिए सम्मन
(आदेश 5 के नियम 1 और 5)
न्यायालय सहायक कलेक्टर क्रम-2, जयपुर
सोनी देवी बनाम सुआ लाल अन्य
वाद बाबत घोषणा स्थाई निषेधाज्ञा
वाद सं.
टी आई संख्या

बनाम
1 राम सहाय पुत्र कल्याण
2 बद्री पुत्र कल्याण
3 सीताराम पुत्र रामनाथ
4 मंजू देवी पुत्री स्व. जगन्नाथ
निवासीगण ग्राम बीलवा, तहसील सांगानेर, जिला जयपुर
5 सुनीता चन्द्रालिया पुत्री बलवन्त, निवासी गंगवल पार्क, जयपुर
6 वी.पी.जी. फ्लीसर पुत्र श्री के.पी. फ्लीसर डायरेक्टर मैसर्स सिल्वर लेक रिसोर्टर्स प्रा. लि. कम्पनी पंजीकृत कार्यालय बी-360, हिम्मत नगर, गोपालपुरा रोड़ टोंक रोड़, जयपुर जरिये डायरेक्टर

वादी ने आपके विरूद्व घोषणा व स्थाई निषेधाज्ञा के लिए वाद पंजीयन किया है। आपका इस न्यायालय में तरीख 26 माह 5 सन् 2025 को दिन में 10.00 बजे दावे का उत्तर देने के लिये उपसंजात (हाजिर) होन के लिये वचन दिया जाता है। आप न्यायालय में स्वयें या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते हैं, जिसे सम्यक अनुदेश दिए गये हों और जो इस वाद से सम्बन्धित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रशनों का उत्तर दे सके । आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि आप उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित साक्ष्य दाखिल करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे में या शक्ति में हैं, पेश करें जिन पर आपकी प्रतिरक्षा या दाखिल सुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित है और यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर, चाहे वह आपके कब्जे व शक्ति में हो अपना प्रतिरक्षा या मुजराई के दावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते है तो आप ऐसे दस्तावेजों को उल्लिखित समय के बाद उपाबद्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्ट करें। आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप ऊपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा। यह वाद ता. 21 माह 5 सन् 25 को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।

मोहर अदालत

सहायक कलक्टर
जयपुर शहरी द्वितीय

कार्यालय नगर परिषद किशनगढ़ जिला अजमेर (राज)

क्रमांक / नपकि / स्टोर / 2025 / 86 दिनांक 19.05.2025

ई-निविदा सूचना संख्या - 05/2025-2026

नगर परिषद के समय-समय पर विशेष शिविरों, सरकारी उपलब्धियों नीलामी स्कीमों राष्ट्रीय पर्वो, त्यौहारों इत्यादि कार्यकमों पर विभिन्न साईजों के होर्डिंग बैनर बनाने व लगाने का कार्य हेतु सामग्री क्रय/सेवाओं में इच्छुक एवं अनुभवी संवेदको से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्योर्मेन्ट प्रक्रिया हेतु ऑनलाईन दर संविदा हेतु निविदाएँ आमंत्रित की जाती है। कार्य की निविदा बेचे जाने की दिनांक 22.05.2025 को प्रातः 09.00 बजे से तथा प्राप्त करने की दिनांक 02.06.2025 को सायं 06.00 बजे तक एवं निविदा शर्ते आदि सम्पूर्ण विवरण वेबसाईट http://sppp.rajasthan.gov.in/ व https://eproc.rajasthan.gov.in/ पर देखी जा सकती है।

यूबीएन नं. DLB2526A1570 | सभापति | आयुक्त
राज.संवाद/सी/25/2889 | नगर परिषद, किशनगढ़ | नगर परिषद, किशनगढ़

कार्यालय नगर निगम, भरतपुर
सार्वजनिक सूचना
क्रमांक : पट्टा शा०/न.नि.भ./2025-26/3109-10 दिनांक : 21.05.2025

रीजनल सैटलमेंट कमिश्नर राज० जयपुर द्वारा श्री ठाकुर सिंह पुत्र मिट्ठा सिंह, जाति सिख, निवासी मथुरा गेट बाहर गोलबाग रोड, भरतपुर को कस्टोडियन भूमि नं. 30 वार्ड नं. 2 मथुरा गेट बाहर, भरतपुर क्षेत्रफल 275 का आवंटन किया गया था। श्री ठाकुर सिंह द्वारा अपने जीवनकाल में उक्त भूमि की पंजीकृत वसीयत 22.02.1994 के द्वारा अपनी पत्नि दुर्गादेवी व अपने पुत्रगण श्री गुरमुख सिंह, राजेश सिंह, अमरसिंह, साधु सिंह व पुत्री पदमी को कर दिया गया। श्री ठाकुर सिंह एवं उनकी पत्नि श्रीमती दुर्गादेवी का स्वर्गवास हो चुका है। तदोपरान्त श्री गुरमुख सिंह, राजेश सिंह, अमरसिंह, साधु सिंह पुत्रगण स्व. ठाकुर सिंह व पदमी उर्फ परमजीत कौर द्वारा नाम हस्तान्तरण कराने हेतु शपथ पत्र, वसीयतनामा की प्रति प्रस्तुत की है। निगम द्वारा नाम हस्तान्तरण की अग्रिम कार्यवाही की जानी है।

उक्त के सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति को किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो अन्दर अवधि सात दिवस में अपनी लिखित आपत्ति साक्ष्य सहित इस कार्यालय में प्रस्तुत करें अन्यथा नाम हस्तान्तरण आवेदकान् के पक्ष में किये जाने की अग्रिम कार्यवाही की जावेगी।

प्रभारी अधिकारी
नगर निगम, भरतपुर

कार्यालय नगर निगम, भरतपुर
सार्वजनिक सूचना
क्रमांक : पट्टा शा०/न.नि.भ./2025-26/3237-230 दिनांक : 23.05.2025

रीजनल सैटलमेंट कमिश्नर राज० जयपुर द्वारा श्री हरदास सिंह पुत्र बसना सिंह, जाति सिख, निवासी मथुरा गेट, भरतपुर को कस्टोडियन भूमि नं. 27 वार्ड नं. 2 मथुरा गेट बाहर, भरतपुर क्षेत्रफल 98.99 वर्गगज का आवंटन किया गया था। श्री हरदास सिंह उर्फ हरीसिंह द्वारा में उक्त भूमि की पंजीकृत बयनामा दिनांक 24.02.1994 से श्री जयशंकर शर्मा पुत्र श्री हुकम सिंह, निवासी गोलबाग रोड, भरतपुर को विक्रय कर दिया गया। तदोपरान्त श्री जयशंकर शर्मा की मृत्यु दिनांक 29.04.2000 को हो जाने के उपरान्त उनके वारिसानों में श्रीमती प्रतिभा शर्मा पत्नि स्व. श्री जयशंकर शर्मा, श्रीमती नेहा शर्मा पुत्री स्व० श्री जयशंकर शर्मा पत्नि श्री लोकेश कुमार द्वारा अपना हक जरिये पंजीकृत रिलीजडीड दिनांक 13.02.2025 से अपने पुत्र/भाई श्री पियूष शर्मा पुत्र स्व० श्री जयशंकर शर्मा निवासी 324, सूर्यासिटी, आगरा रोड, भरतपुर के पक्ष में कर दिया गया है। अब आवेदक श्री पियूष शर्मा द्वारा नाम हस्तान्तरण कराने हेतु शपथ पत्र, बयनामा, मृत्यु प्रमाण पत्र एवं रिलीजडीड की प्रति प्रस्तुत की है। निगम द्वारा नाम हस्तान्तरण की अग्रिम कार्यवाही की जानी है।

उक्त के सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति को किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो अन्दर अवधि सात दिवस में अपनी लिखित आपत्ति साक्ष्य सहित इस कार्यालय में प्रस्तुत करें अन्यथा नाम हस्तान्तरण आवेदक के पक्ष में किये जाने की अग्रिम कार्यवाही की जावेगी।

प्रभारी अधिकारी
नगर निगम, भरतपुर

खोया-पाया

दिनांक 24.4.2005 को भैरव गृह निर्माण सहकारी समिति लि. जयपुर की रिद्धि-सिद्धि नगर-सी योजना के आवासीय भूखंड सं. डी-12 एवं दुकान न. डी-24 एवं D-25 के मूल सोसायटी पट्टे एवं ट्रांसफर लेटर [illegible] हरमाडा के आसपास गुम गये। मिलने पर सूचित करें। 7014369827

मेरे मकान संख्या G-23, मधुबन कॉलोनी, टोंक फाटक, जयपुर के मूल अलॉटमेंट लैटर, साईट प्लान, पेमेंट रसीद व सोसा यटी पट्टा जो बजाज नगर गृह निर्माण सहकारी समिति द्वारा जारी किये गये थे। कहीं गुम हो गये हैं। मिलने पर सूचित करें। संजीव भटनागर- 9829056538

आवास संख्या 21/221, मानसरोवर जयपुर का मूल आवंटन नियमितीकरण एवं आवंटन प्रमाण, कब्जा पत्र, व अन्य संबंधी दस्तावेज गिर/गुम हो गये मिलने पर सूचित करें। हरीश भाटिया मो. 9982743252

सार्वजनिक सूचना/विज्ञप्ति जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर

दिनांक : 22.05.2025

[illegible] मनन चौधरी [illegible] खातेदारी की [illegible] सं. बी-59 [illegible] पत्र चाहने [illegible] दिनांक 30.04. [illegible] मृत्यु प्रमाण पत्र, पंजीकृत वसीयतनामा, [illegible] पत्र, आदि। [illegible] उपायुक्त जोन-14

प्रपत्र संख्या 7 (देखिये नियम 21)
दिनांक: 22.05.2025
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर : DEV/JAIPUR-I / TRUST / 2025/308

चूंकि प्रार्थी श्री KAILASH CHAND DIXIT, WARD NO. 09, BILANDARPUR TEHSIL SHAHPURA, JAIPUR, RAJASTHAN 303803 ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17(1) के अंतर्गत प्रन्यासश्री नृसिंह मंदिर सेवा ट्रस्ट, GRAM BILANDARPUR TEHSIL SHAHPURA, DISTRICT JAIPUR, RAJASTHAN 303803 के सम्बन्ध में अग्रिम जांच [illegible] आज दिनांक 22-05-2025 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया। आइंदा तारीख पेशी 29/07/2025

सहायक आयुक्त
देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

न्यूक्लिर पावर कारपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड
NUCLEAR POWER CORRPRATION OF INDIA LIMITED
(भारत सरकार का उद्यम) (A Government of India Enterprise)

माही बांसवाड़ा राजस्थान परमाणु ऊर्जा परियोजना की पर्यावरण मंजूरी

environment clearance of mahi banswara rajasthan atomic power project

ईएसी (एनएंडडी) की सिफारिश के आधार पर, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (एमओईएफएंडसीसी) ने 19/05/2025 को एनपीसीआईएल द्वारा माही-बांसवाड़ा राजस्थान परमाणु ऊर्जा संयंत्र (एमबीआरएपीपी) 4X700 डब्ल्यूएमई पीएचडब्ल्यूआर (प्रेशराइज्ड हैवी वाटर रिएक्टर) जिला-बांसवाड़ा, राज्य-राजस्थान को ईआईए अधिसूचना, 2006 की अनुसूची 1 (ई) के तहत कवर किए गए परमाणु ऊर्जा संयंत्र के संबंध में विशिष्ट शर्तों के अधीन पर्यावरणीय मंजूरी प्रदान की है। अधिक जानकारी के लिए कृपया https://www.npcil.nic.in/ पर जाएं।

in the basis of recommendation of the eac (nsd), the ministry of encironment, forest and climate change (moefscc)has accorded environmental clearance to mahi-banswara rajasthan atomic powar plant (mbrapp) 4x700 wme phwr (pressurised heavy water reactor) district-banswara, state-rajasthan by npcil on 19/05/2025 w.r.t. the nuclear power plant covered under schedule 1(e) of eia notification, 2006 subject to specific conditions. for ,ore details kindly visit https://www.npcil.nic.in/.

परियोजना निदेशक (एमबीआरएपीपी)
cbc48157/12/0001/2526 project director (MBRAPP)

संक्षिप्त

संभागीय आयुक्त ने निरीक्षण किया

दूदू। निकटवर्ती ग्राम पंचायत बिचून मुख्यालय पर विभिन्न सरकारी कार्यालय एवं योजना का संभागीय आयुक्त डॉ पूनम ने निरीक्षण किया तथा पाई गई कमियों को दूर करने के निर्देश दिए इस दौरान सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र निरीक्षण के समय चिकित्सा प्रभारी डॉ रवि यादव से हिटवेव से संबंधित व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी ली तथा सभी व्यवस्था सुचारू रूप से रखने एवं स्टाफ का मुख्यालय पर रहने के निर्देश दिए पश्चात अन्नपूर्णा रसोई घर मनरेगा में बनाए जा रहे हैं सार्वजनिक पार्क पौध शाला कार्यों का भी निरीक्षण किया तथा अधिक से अधिक श्रमिक लगाया जाकर कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए इस दौरान उपखंड अधिकारी बलवीर सिंह उप तहसीलदार राजवेंद्र विकास अधिकारी जगदीश प्रसाद भी साथ रहे।

हत्या का प्रयास करने के मामले में 5 आरोपी को जेल

निवाई। हत्या का प्रयास करने के मामले में 5 अरोपितों को न्यायालय ने जेल भेजने के आदेश पारित किए हैं। थानाधिकारी रामजीलाल बैरवा ने बताया कि परिवादी रामराय शर्मा निवासी पथराज ने मामला दर्ज करवाया था कि पर कुछ लोगों ने उसके भाई गोपाल शर्मा पर एक राय होकर लाठियों व सरिए से जानलेवा हमला कर दिया था। जिससे वह गंभीर घायल हो गया था। घटना के कुछ दिनों बाद उसकी मौत हो गई थी। पुलिस ने हत्या का प्रयास करने का मामला दर्ज करके आरोपी रामजीलाल शर्मा, दीपक उर्फ दीपू शर्मा, रामनारायण शर्मा, राकेश शर्म व शंकरलाल शर्मा को गिरफ्तार करके न्यायालय में पेश किया। परिवादी के अधिवक्ता एडवोकेट महेश तिवाडी व विक्रम जैन ने बताया कि अपर जिला न्यायाधीश सृष्टि चौधरी ने हत्या का प्रयास करने के मामले में उक्त सभी आरोपितों को 7 वर्ष की जेल व 15-15 हजार रूपए का जुर्माना करने के आदेश पारित किए।

नक्ष, निशांक व लक्षिता बने जूनियर चैम्पियन

श्रीमाधोपुर। गुरुकृपा स्पोर्ट्स अकेडमी के द्वारा आयोजित श्रीमाधोपुर बैडमिंटन लीग में शुक्रवार को खेले गये अडंर 11 वर्ष मुकाबले में नक्ष माथूर सीकर ने वेदांत पारीक श्रीमाधोपुर को अडंर 13 वर्ष में निंशाक खीचड़ ने अर्णव शर्मा को तथा अंडर 15 बालिका वर्ग में लक्षिता कटारिया ने वैष्णवी चौधरी को हराकर जूनियर चैम्पियनशिप खिताब अपने नाम किया ।श्रीमाधोपुर बैडमिंटन संघ के सचिव कमलेश पारीक ने बताया कि बाल वर्ग में श्रीमाधोपुर व सीकर की टीमों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली । प्रतियोगिता में सीनियर ऑपन व वेटर्न केटेगरी के मैचों का रोमांचक दौर शुक्रवार से शुरू हुआ । संयोजक सुरेश बिजारनियाँ के अनुसार समापन 25 मई को होगा ।

3 किलो 708 ग्राम डोडा पोस्त चुरा बरामद किया

दूदू। स्थानीय थाने की पुलिस ने ऑपरेशन नॉकआउट अभियान के तहत राष्ट्रीय राजमार्ग पर पड़ा सोली स्थित लाडी होटल के पास डॉबीज देकर एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर 3 किलो 708 ग्राम डोडा पोस्त चुरा बरामद कर लिया, थाना प्रभारी मुकेश कुमार ने बताया कि आरोपी बाबूलाल जाट निवासी लहराना होटल के पास अवैध रूप से डोडा पोस्त की बिक्री कर रहा था।

‘अवैध खनन पर प्रभावी कार्रवाई के लिए संयुक्त अभियान चलाया जाए’

अधिकारियों की बैठक लेते जिला कलेक्टर व पुलिस अधिक्षक।

- खनन, पुलिस, परिवहन व वन विभाग आपसी समन्वय से अवैध खनन की रोकथाम के लिए सजगता से कार्य करें - जिला कलक्टर

कोटपूतली। जिला कलक्टर कल्पना अग्रवाल की अध्यक्षता में अवैध खनन की रोकथाम हेतु समीक्षा बैठक का आयोजन कलेक्ट्रेट सभागार में किया गया। इस दौरान जिला पुलिस अधीक्षक दुष्यंत राजन भी मौजूद रहे। जिला कलक्टर ने जिले में अवैध खनन निर्गमन की रोकथाम हेतु आवश्यक कार्यवाही करवाकर अवैध खनन निर्गमन पर सतत् निगरानी रखये हुए अवैध खनन में लिप्त लोगों पर कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि खनन माफियाओं पर कड़ी कार्रवाई करें और कानून की सख्ती से पालना सुनिश्चित करें।

उन्होंने यह भी कहा कि अब अवैध खनन पर प्रभावी कार्रवाई के लिए आकस्मिक संयुक्त अभियान चलाया जाए। उन्होंने अवैध खनन की रोकथाम हेतु संयुक्त टीम बना कर औचक निरीक्षण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन, पुलिस, वन, परिवहन और खनन विभाग को आपसी समन्वय बनाकर काम करना होगा, ताकि अवैध खनन पर पूरी तरह से रोक लग सके। जिला कलेक्टर ने नियमानुसार पट्टाधारियों द्वारा खनन कार्य करने और पर्यावरण संतुलन हेतु अधिकाधिक पौधारोपण करने को कहा।

जिला पुलिस अधीक्षक ने कहा कि अवैध खनन की प्रभावी रोकथाम हेतु पुलिस विभाग के समन्वय एवं सहयोग से अवैध खनन के संभावित स्थानों एवं नाकों पर चेक पोस्ट स्थापित करें, अवैध खनन के संभावित मार्गों पर बड़े गड्ढे करवाएं जिससे वाहनों का आवागमन नहीं हो सके, सतत् निगरानी कर सख्त कार्यवाही करें, नियमानुसार जुर्माना लगाकर अवैध खनन में संलिप्त वाहनों व मशीनरी को जब्त करें। उन्होंने कहा औचक तरीके से आपस में समन्वय कर सम्मिलित कार्यवाही करें, रास्तों को चिन्हित कर प्लांनिंग के साथ कार्यवाही करें. उन्होंने कहा कि पुलिस प्रशासन अवैध खनन की रोकथाम हेतु गंभीर है और आवश्यकता पड़ने पर पुलिस जाब्ता भी उपलब्ध करवा दिया जाएगा। इस दौरान सहायक खनि अभियंता, खान एवं भू-विज्ञान विभाग, कोटपूतली (सदस्य सचिव) पुष्पेन्द्र सिंह ने विभाग द्वारा की जा रही कार्यवाहियों एवं कार्ययोजना के बारे में बताया. इस दौरान अतिरिक्त जिला कलेक्टर ओमप्रकाश सहारण सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

दो स्थायी वारंटी गिरफ्तार

टोंक। जिला पुलिस अधीक्षक विकास सागवान द्वारा चलाये जा रहे फरार अपराधियों की धरपकड़ के लिए विशेष अभियान के तहत टोंक वृताधिकारी राजेश कुमार विद्यार्थी व पुरानी टोंक थानाधिकारी नेमी चन्द गोयल के नेतृत्व में थाने की गठित टीम ने कार्यवाही करते हुये थाने में दर्ज प्रकरण में वांछित दो साल से फरार स्थाई वारन्टी छोटू उर्फ कानाराम पुत्र किशन लाल जाति गुर्जर उम्र 26 साल निवासी वार्ड न. 08 मालियों का मोहल्ला टोडारायसिंह को गिरफ्तार किया गया। जिसे आज अति. न्यायिक मजिस्ट्रेट टोंक में पेश किया जावेगा। इसी प्रकार वृत्ताधिकारी निवाई मृत्युंजय मिश्रा के निर्देशन में थाना दतवास पुलिस ने 5 साल से फरार चल रहे स्थायी वारंटी देवीलाल पुत्र प्रभाती लाल कोली उम्र 33 साल निवासी कोलियों का मोहल्ला थाना दतवास को गिरफ्तार किया गया। आरोपी थाना दत्तवास में दर्ज आबकारी अधिनियम के तहत दो प्रकरण में में फरार था।

भारतीय सेना के सम्मान में निकली तिरंगा यात्रा

टोंक। दत्तवास क्षेत्र में भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा भारतीय सेना के सम्मान में तिरंगा यात्रा निकाली गई। इस यात्रा का प्रारम्भ विवेकानंद महाराज और विधायक रामसहाय वर्मा ने किया। यात्रा बाबा रामदेव मन्दिर से प्रारम्भ होकर मैन रोड, बस स्टैंड और मुख्य बाजार से होती हुई प्राचीन बालाजी मंदिर पर समाप्त हुई। इस दौरान हजारों लोगों ने हाथों में तिरंगा लेकर देशभक्ति गीतों पर नारे लगाए। यात्रा के दौरान विधायक रामसहाय वर्मा ने कहा कि भारत-पाक तनाव के समय भारतीय सेना ने हर मोर्चे पर मजबूती से जवाब दिया।

प्रधानमंत्री के नेतृत्व में ऑपरेशन सिंदूर के जरिए पाकिस्तान को करारा जवाब मिला, सेना को आतंकवाद से निपटने की खुली छूट दी गई। सेना ने आतंकियों के ठिकानों को पूरी तरह नष्ट किया। इसी प्रकार अरनिया मंडल अध्यक्ष शिवराज लांगड़ी ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर में आतंकियों को दिया गया जवाब गर्व की बात है, उन्होंने कार्यकर्ताओं को आयोजन में भाग लेने के लिए धन्यवाद दिया।

भाजपाईयों ने भारतीय सेना के सम्मान में तिरंगा यात्रा निकाली।

अतिक्रमण पर चला पालिका का पीला पंजा

निवाई। 80 फीट रोड पर हो रहे अतिक्रमण को गुरूवार की शाम को नगरपालिका प्रशासन व पुलिस जाप्ते की मौजूदगी में अधिशाषी अधिकारी मनोहरलाल जाट के नेतृत्व में तीन जेसीबी मशीनों से हटाया गया। इस दौरान अतिक्रमियों द्वारा विरोध करने पर समझा बुझाकर अतिक्रमण हटाया। अधिशाषी अधिकारी मनोहरलाल जाट ने बताया कि 80 फीट रोड पर कुछ लोगों ने चार दीवारी व पक्का निर्माण करके अतिक्रमण कर रखा था। जिसकी कॉलोनीवासियों व लोगों द्वारा नगरपालिका कार्यालय में शिकायत की गई। गुरूवार की शाम को तीन जेसीबी मशीनों सहित 6 ट्रैक्टर-ट्रॉलियों की सहायता से पुलिस जाप्ते की मौजूदगी में नगरपालिका के अक्रिमण दस्ते द्वारा अतिक्रमण को ध्वस्त किया गया। अतिक्रमियों द्वारा विरोध करने पर समझा बुझाकर अतिक्रमण हटाया गया।

10 करोड़ के सड़क कार्य स्वीकृत कराने पर पायलट का जताया आभार

टोंक। कांग्रेस कार्यकर्ताओं व टोंक विधानसभा क्षेत्र के आमजनों ने 10 करोड़ रूपये के सड़क कार्य स्वीकृत करवाने तथा नवीन ट्यूबवैल एवं हैण्डपम्प स्वीकृत होने पर एआईसीसी महासचिव, छतीसगढ़ प्रभारी एवं टोंक विधायक सचिन पायलट का आभार जताया।

टोंक कांग्रेस जिलाध्यक्ष हरिप्रसाद बैरवा ने टोंक विधानसभा क्षेत्र में 10 करोड़ रूपये की लागत से नॉन-पेचेबल एवं मिसिंग लिंक सड़के स्वीकृति तथा 6 नवीन ट्यूबवैल एवं 26 हैण्डपम्प स्वीकृत करवाने पर स्थानीय जनप्रतिनिधियों, कांग्रेस कार्यकर्ताओं एवं आमजन ने सचिन पायलट का आभार जताया है। इस दौरान सडक योजना के तहत ग्राम वजीरपुरा से अहमदपुरा चौकी सड़क का सुदृढ़ीकरण कार्य, बमोर से खलीलपुरा पापड़ सड़क कार्य, मेहन्दवास से मालियों की झोपड़ी सड़क कार्य, चिरोंज, हथोना सड़क से शुक्लपुरा सड़क का सुदृढ़ीकरण कार्य तथा स्टेट हाईवे 37-ए से जैकमाबाद वाया कल्याणपुरा सड़क का नवीनकरण कार्य, पन्द्राहेड़ा से कल्याणपुरा सड़क के निर्माण कार्य, बांसेडा से गोपालपुरा वाया माधोगंज सड़क के निर्माण कार्य, हमीरपुर खेल मैदान से श्रीरामपुरा बास धाकड़ान सड़क के निर्माण कार्य तथा छाण सांखना से किशनपुरा वाया गौशाला सड़क के निर्माण कार्य हेतु स्वीकृति जारी की गई।

उक्त कार्यों की स्वीकृति होने पर पीसीसी सदस्य सउद सईदी, जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष हरिप्रसाद बैरवा, संगठन महासचिव दिनेश चौरसिया, सरपंच संघ के प्रदेश उपाध्यक्ष हंसराज फागणा, पं.स. टोंक प्रधान सुनीता गुर्जर, जर्रार खांन, ब्लॉक अध्यक्ष इरशाद बैग, कैलाशी देवी मीणा, मंडल अध्यक्ष घांस मुकेश गुर्जर, बावड़ी रामसिंह चौधरी, हतौना रामअवतार प्रजापत, बरवास मूलचन्द बैरवा, नवीन बैरवा, रामअवतार टांक, सेवादल जिलाध्यक्ष अब्दुल खालिक सहित जिला कांग्रेस कमेटी पदाधिकारियों, स्थानीय सरपंचगण, पार्षदगण, जिला परिषद् सदस्यों, पंचायत समिति सदस्यों ने पायलट का आभार व्यक्त किया है। इसी क्रम में राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी ओबीसी विभाग की प्रदेश महासचिव भारती कुमावत के टोंक आगमन पर जिलाध्यक्ष हरिप्रसाद बैरवा सहित कांग्रेजजनों ने स्वागत किया। इस अवसर पर भारती कुमावत ने कालीपलटन तथा अन्य क्षेत्रों में पक्षियों के परिण्डे लगाये तथा परिण्डों का वितरण किया। भारती ने परिण्डे लगाने को एक महान पुण्य कार्य बताया।

महाराज की मूर्ति का नगर भ्रमण

पावटा। बड़नगर ग्राम के रामलीला मैदान के पास स्थित श्री भोमिया जी महाराज के मंदिर में हर वर्ष की भांति इस बार भी महाराज श्री श्री 1008 श्री ज्ञान दास जी महाराज के सानिध्य में भंडारे का आयोजन बुधवार 28 मई को बड़े ही हर्षोल्लास के साथ होने जा रहा है । इस बार श्री भोमिया जी के मंदिर में मूर्ति स्थापना भी होगी ,जिसके तहत शनिवार आज सुबह 7 बजे से श्री श्री 1008 श्री ज्ञानदास जी महाराज की बगीची से श्री भोमिया बाबा की मूर्ति को कलश यात्रा के साथ नगर भ्रमण करवाया जाएगा और फिर पांच दिन तक लगातार पंडितों द्वारा मंत्रोच्चार के साथ ही विधिवत प्राण प्रतिष्ठा की जाएगी।

मंगलवार 27 मई को रात्रि में श्री भोमिया बाबा का जागरण और बुधवार, 28 मई को मूर्ति स्थापना के साथ ही विशाल भंडारे का आयोजन भी किया जाएगा और महासी महावीर यादव द्वारा श्री भोमिया बाबा जी की कथा का गायन नेहड़ा शैली में किया जाएगा । गांव के बुजुर्ग सोहन लाल खोल्या ने बताया कि यह भंडारा पिछले 50 वर्षों से लगातार चल रहा है। दिन ब दिन जिसका स्वरूप बढ़ता ही जा रहा है इस भंडारे में हजारों श्रद्धालु उपस्थित होकर बाबा का आशीर्वाद और प्रसादी ग्रहण करते हैं।

अरड़की एनीकट के जीर्णोद्धार की मिली प्रशासनिक मंज़ूरी

- 2 करोड़ 23 लाख 70 हजार रूपयों की प्रशासनिक स्वीकृति हुई जारी
- एनीकट के जीर्णोद्वार से आसपास के गांवों में बढ़ेगा भू-जल स्तर

मनोहरपूर। शाहपुरा तहसील क्षेत्र के बिशनगढ़ ग्राम स्थित माधोवेणी नदी पर बने अरड़की एनीकट के जीर्णोद्धार व मरम्मत कार्य को लेकर ग्रामीणों की वर्षों पुरानी मांग अब पूरी होने की उम्मीद जगी है। राज्य सरकार ने इसके लिए 2 करोड़ 23 लाख 70 हजार रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति जारी कर दी है। विधायक मनीष यादव ने विधानसभा में इस मुद्दे को पुरजोर तरीके से उठाया था। इसके बाद जल संसाधन विभाग हरकत में आया और एनीकट की मरम्मत के लिए प्रस्ताव तैयार किया गया। बताया गया कि माधोवेणी नदी पर वर्षों पहले वर्षा जल संग्रहण के उद्देश्य से यह एनीकट बनाया गया था।

बारिश के समय यह एनीकट लबालब भर जाता है, लेकिन इसकी भराव क्षमता सीमित होने और पाल की क्षितग्रस्त स्थिति के कारण ओवरफ्लो और रिसाव से पानी व्यर्थ बह जाता है। जल संसाधन विभाग के अनुसार, एनीकट की पाल की कुल लंबाई वेस्ट वियर सहित 150 मीटर व ऊंचाई 2 मीटर है। मरम्मत व जीर्णोद्धार कार्य पर कुल 2.23 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। इस राशि से एनीकट की वेस्ट वियर मरम्मत, रिंग निर्माण व सिल्ट निकालने का कार्य किया जाएगा।

गौरतलब है कि यह एनीकट जमवारामगढ़ बांध के कैचमेंट एरिया में आता है, जिसमे माधोवेणी नदी का पानी संचय होता है। गौरतलब है कि माधोवेणी नदी अमरसर में काली माता की पहाड़ियों से निकलकर मारखी, हनुतिया, राडावास, बिशनगढ़, मनोहरपुर, शिवपुरी होते हुए जमवारामगढ़ के कैचमेंट एरिया में शामिल हो जाती है। जिससे इसका सामरिक महत्व और भी बढ़ जाता है।

एनीकट के पुनर्निर्माण से बिशनगढ़, मनोहरपुर, नवलपुरा, मामटोरी, गोना, चतरपुरा, देवीपुरा, खोरी, रडावास, नायन, हनुतिया, मारखी, अमरसर, शेरपुरा, चतरपुरा, पीपलोद, ढेलावास, बिदारा, राजपुरा, घासीपुरा, ऊदावाला, टोड़ी, सुराणा, छारसा, कुम्भावास, खोरा सहित करीब दो दर्जन गांवों का जलस्तर बेहतर होने की उम्मीद है।

पीएम श्री में टॉपर्स विधार्थियों को किया सम्मानित

- प्रधानाचार्य टॉपर तनिषा कुमावत को करवायेगें हवाई यात्रा

श्रीमाधोपुर। पीएम श्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय श्रीमाधोपुर में माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की उच्च माध्यमिक परीक्षा 2025 के टॉपर्स 29 विद्यार्थियों को विद्यालय द्वारा सम्मानित किया गया। इस अवसर पर श्रीमाधोपुर मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी राजेश कुमार शर्मा तथा एसडीएमसी सदस्य रोशन लाल बिजारनिया , सत्यनारायण खाण्डल , दीपेन्द्र योगी व स्टाफ सहित अभिभावक मौजूद रहे।विद्यालय में सम्मानित होने वाले में तनीषा कुमावत 94.40 प्रतिशत , शुभम सैनी 93.20 प्रतिशत ,शिवम शर्मा 91 प्रतिशत ,संदीप कुमार रेगर 90.60 प्रतिशत, कन्हैयालाल सैनी 89.20 प्रतिशत, मनीष जांगिड़ 89.20 प्रतिशत, वैष्णवी शर्मा 89.20 प्रतिशत, पवन कुमावत 88.80 प्रतिशत, ललिता कुमारी 88 प्रतिशत, पायल सैनी 86.60 प्रतिशत, निखिल सैनी 86 , सीमा चौधरी 86 प्रतिशत, अस्मिता कंवर 85.80 प्रतिशत, सोनम कुमारी 84.60 प्रतिशत, शुभम वर्मा 84.40 प्रतिशत, विजेंद्र कुमार पालीवाल 84 प्रतिशत, रामनिवास 83.40 प्रतिशत ,खुशबू सैनी 83.40 प्रतिशत, आस्तिक तिवारी 83 प्रतिशत, कुलदीप सामोता 82.40 प्रतिशत, कुणाल जांगिड़ 81.60 प्रतिशत, पायल कलवानिया 81.40 प्रतिशत, कोमल सैनी 80.80 प्रतिशत, मनीषा सैनी 80.80 प्रतिशत, हर्षित रोहिल्ला 80.60 प्रतिशत, समर सैनी 80.40 प्रतिशत, राघव तिवारी 80 प्रतिशत,रिहान कुरेशी 80 प्रतिशत, मनोज यादव 80 प्रतिशत को साफा माला पहनाकर व पेन , डायरी देकर मिठाई खिलाकर के सम्मानित किया गया।

शिव परिवार ने प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में कलश यात्रा निकाली

- भोनावास बाबा मोहनदास आश्रम मंदिर प्रांगण में शिव परिवार प्राण प्रतिष्ठा को लेकर तीन दिवसीय धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन

पावटा। भोनावास बाबा मोहनदास आश्रम मंदिर प्रांगण में शिव परिवार प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में शुक्रवार को भव्य कलश यात्रा के साथ तीन दिवसीय धार्मिक कार्यक्रमों के आयोजन का शुभारंभ हुआ। भव्य कलश व शोभायात्रा निकालने के बाद प्रसाद वितरण किया गया।

उपखंड पावटा क्षेत्र की ग्राम पंचायत भोनावास के बाबा मोहनदास आश्रम मंदिर प्रांगण में भगवान शिव परिवार की प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में तीन दिवसीय अनुष्ठान चल रहा है। जिसे लेकर महोत्सवाचार्य पंडित कपिलेश शास्त्री खेलना ने कहा कि शिव परिवार की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर शुक्रवार को भव्य कलश यात्रा, मंडप प्रवेश, मंडलार्चन के साथ तीन दिवसीय धार्मिक आयोजन का शुभारंभ हुआ। 24 मई शनिवार को देवाधिवासना, महास्नान, देवन्यास कार्यक्रम का आयोजन व 25 मई रविवार को मूर्तियों को नगर भ्रमण, देव प्रतिष्ठा व पूर्णाहुति कार्यक्रम व उसके बाद भंडारा व प्रसादी का वितरण होगा।

महोत्सवाचार्य पंडित कपिलेश शास्त्री खेलना ने कहा कि मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा करने से देश, क्षेत्र समेत नगर में सुख शांति आती है। मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा कराने और करने वालों के पितरों को मुक्ति मिलने के साथ ही उनके पूर्वजों का उद्धार होता है। उन्होंने बताया कि मूर्तियों को फूल फल, वस्त्र समेत पंचामृत अधिवास कराए गए हैं। यज्ञ में आहूति देकर मानव कल्याण, विश्व शांति और देश में खुशहाली की कामना करने के उपरांत भंडारे में प्रसाद वितरण किया जाएगा।

भव्य कलश यात्रा के साथ तीन दिवसीय धार्मिक कार्यक्रमों के आयोजन का शुभारंभ हुआ।

सार-समाचार

प्रतिभाओं को किया सम्मानित

पावटा। माध्यमिक शिक्षा बोर्ड अजमेर द्वारा गुरुवार शाम को घोषित किए गए कक्षा 12 विज्ञान, कलां व वाणिज्य संकाय के परीक्षा परिणाम में इस बार सरकारी स्कूलों के विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए निजी स्कूलों के विद्यार्थियों को कड़ी टक्कर दी है। माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान अजमेर के द्वारा घोषित उच्च माध्यमिक परीक्षाओं के परीक्षा परिणाम में कला संकाय से राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय पावटा की छात्रा अंशिका शेखावत ने 95.20 प्रतिशत, पलक्षी मुद्गल ने 95.20 प्रतिशत, पायल शर्मा ने 94.60 प्रतिशत, तुलसी यादव ने 92.20 प्रतिशत, संकेत सैनी ने 88.80 प्रतिशत, शीतल शेखावत ने 87.80 प्रतिशत, वंशिका शर्मा ने 86.80 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। इस अवसर पर विद्यालय सचिव वीरेंद्र अग्रवाल, धीरज वशिष्ठ, प्रीति यादव, दिलीप सिंह यादव, वीरेंद्र कुमार, उपस्थित रहे। सम्मानित छात्राओ ने बताया कि विद्यालय में प्राप्त गुरुजनों के सर्वोच्च मार्गदर्शन और अनुशासन के कारण वे इस लक्ष्य को प्राप्त करने में समर्थ हो सके हैं। साथ ही यह भी कहा कि राजकीय विद्यालय निजी विद्यालयों से किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं है।

90 प्रतिशत से अधिक अंक लाने वाले छात्रों का किया सम्मान

नारायणपुर । राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा गुरुवार को घोषित 12वीं कक्षा के परीक्षा परिणाम में नारायणपुर के भगतपुरा मोहल्ले स्थित बाल भारती सीनियर सैकंडरी स्कूल ने शानदार प्रदर्शन कर क्षेत्र में अपनी उत्कृष्टता का परिचय दिया। विज्ञान और कला संकाय दोनों में विद्यालय के विद्यार्थियों ने बेहतरीन अंक प्राप्त करते हुए विद्यालय और क्षेत्र का नाम रोशन किया। परीक्षा परिणाम के उपरांत शुक्रवार को विद्यालय परिसर में सम्मान समारोह आयोजित किया गया, जिसमें उत्कृष्ट अंक प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को माला पहनाकर, साफा बांधकर और मिठाई खिलाकर सम्मानित किया गया। विद्यालय की कला संकाय की छात्राएं खुशी गोठवाल और रितिका कँवर ने 96.20 प्रतिशत अंक प्राप्त कर शीर्ष स्थान हासिल किया। गुंजन गोठवाल ने 95.40 प्रतिशत तथा गौतम कुमार जांगिड ने 95 प्रतिशत अंक अर्जित कर अपनी मेहनत का परिचय दिया। विज्ञान संकाय में सपना प्रजापत ने 95.60 प्रतिशत अंक प्राप्त कर सभी का ध्यान आकर्षित किया और क्षेत्र में विद्यालय की प्रतिष्ठा को और मजबूती दी। विद्यालय निदेशक मुकेश यादव ने जानकारी देते हुए बताया कि इस वर्ष विद्यालय के 22 विद्यार्थियों ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए हैं, जो कि विद्यार्थियों की कड़ी मेहनत और शिक्षकों के मार्गदर्शन का प्रतिफल है। उन्होंने कहा कि ऐसे परिणाम संस्था की गुणवत्ता और समर्पण को दर्शाते हैं। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य महिपाल यादव सहित समस्त स्टाफ ने विद्यार्थियों को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम में शिक्षक रामावतार यादव, महिपाल चौधरी, ब्रिजेन्द्र शर्मा, सुरेन्द्र योगी, मदन लाल यादव और उमेश शर्मा के साथ-साथ छात्र-छात्राओं के परिजन भी उपस्थित थे।

भरत गौतम ने सैनिक स्कूल का रिटर्न टेस्ट क्वालीफाई किया

गोविंदगढ़ /अलवर । गोविन्दगढ़ कस्बे के निवासी भरत गौतम पुत्र गोविन्द गौतम अपने परिवार का नाम रोशन किया है परिवार में दादा-दादी और दो चाचा है अंकित गौतम कंपनी में मैनेजर के पद पर है सुनील गौतम सिविल इंजीनियर है सभी मुझे पढ़ाई के लिए प्रोत्साहित करते रहते हैं भरत गौतम के दादाजी पंचायत प्रसार अधिकारी के पद से सेवानिवृत है और दादी ग्रहणी है सभी लोग मुझे बहुत प्यार करते हैं और पढ़ाई के प्रति जागरूक करते हैं भरत गौतम का रिटन टेस्ट क्वालीफाई होने पर उन्हें बहुत ही खुशी हुई और घर में खुशी का माहौल है भरत गौतम ने अपने क्षेत्र और गाँव का नाम रोशन किया है छोटी सी उम्र में ऑल इंडिया सैनिक स्कूल का 6 क्लास रिटन पेपर क्वालिफाइड किया है। 300 अंको में से 131 अंक प्राप्त किए हैं भरत गौतम ने अपनी शिक्षा गोविंदगढ़ के जेपीएस स्कूल में प्राप्त की है उनकी उम्र करीब 11 साल है डिफेंस की सर्विस करना चाहता हूं और सिविल सर्विस में जाना चाहते हैं आई ए एस या आईपीएस बनना चाहते हैं।और देश की सेवा करना चाहते हैं उन्होंने बताया कि शिक्षा से बड़ा मित्र कोई नहीं है अगर अपनी परिस्थितियों को सुधारना है तो पूरी लग्न और मेहनत से पढ़ाई करना बहुत जरूरी है।

‘सक्षम व्यक्ति योजना के लाभ का स्वेच्छा से करे त्याग’

टोंक। राज्य सरकार के निर्देशानुसार खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग द्वारा गिव अप अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत जिले में अब तक 82 हजार 805 यूनिट को खाद्य सुरक्षा सूची से हटाया गया है। साथ ही, वंचित पात्र परिवारों को खाद्य सुरक्षा में जोड़ने का कार्य भी किया जा रहा है प्रदेश के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की घोषणा के तहत 26 जनवरी 2025 को खाद्य सुरक्षा योजना का पोर्टल खोला गया। जिला रसद अधिकारी इंद्रपाल मीणा ने बताया कि योजना के तहत जिले में 75 हजार 613 यूनिट परिवारों को जोड़ा जा चुका है। राज्य सरकार के महत्वपूर्ण अभियान में स्वेच्छा से गिव अप आवेदन पत्र दिये जा रहे है। साथ ही, जो व्यक्ति सक्षम होते हुए भी आवेदन नहीं कर रहे है उनको चिन्हित करने का कार्य विभाग द्वारा लगातार किया जा रहा है। रसद कार्यालय द्वारा प्रति सप्ताह 20 अपात्र परिवारों को नोटिस जारी किये जा रहे है। उन्होंने बताया कि अभियान की अवधि 31 मई तक बढा दी गई है। उसके पश्चात् विभाग द्वारा चिन्हित करने पर अब तक प्राप्त गेहूं की वसूली एवं नियमानुसार अन्य कार्यवाही अमल में लाई जावेगी।

यात्रियों ने ज्ञापन सौंपा

श्रीमाधोपुर । रेल के माध्यम से राज्य की राजधानी से सीधी कनेक्टिविटी नहीं होने के कारण क्षेत्र में आमजन को सस्ती एवं सुरक्षित यात्रा से वंचित होना पड़ रहा है। गौरतलब है कि गत माह तक ट्रेन संख्या 09733/09734 जयपुर भिवानी जयपुर संचालित थी, लेकिन रेवाड़ी के समीप काठूवास में इंटरलॉकिंग कार्य के कारण 18 मई तक ट्रेनों का संचालन बंद कर दिया गया था। इसके बाद बंद हुई दूसरी ट्रेन तो चला दी गई लेकिन जयपुर भिवानी ट्रेन नहीं चलाई गई। सैकड़ों दैनिक यात्रियों, दिहाड़ी मजदूरों, किसानों, विद्यार्थियों, खाटूश्यामजी के दर्शन हेतु आने वाले हजारों भक्तों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इस अवसर पर विनोद कुमार सैनी तथा उमेश कुमार मीणा ने मंडल रेल प्रबंधक के नाम ज्ञापन देते हुए बताया कि इस ट्रेन के अलावा पूर्व में संचालित रोहतक मदार रोहतक ट्रेन भी बंद कर दी गई है, जिससे क्षेत्रवासियों में आक्रोश है । ज्ञापन की प्रति रेल मंत्री भारत सरकार तथा क्षेत्रीय विधायक को भी भिजवाई गई है ।

शहीद हुए वीरो को दी श्रद्धांजली

टोंक। देवनारायण गुर्जर छात्रावास टोंक में गुर्जर आरक्षण संघर्ष समिति के जिला अध्यक्ष रामलाल गुर्जर संडीला के नेतृत्व में गुर्जर आरक्षण आंदोलन में शहीद हुए 73 वीर गुर्जर समाज के वीरो की शहादत को श्रद्धांजलि दी गई। इस अवसर पर संडीला ने कहा कि शहीदों की शहादत को गुर्जर समाज कभी नहीं भूल पाएगा, जिन्होंने अपने समाज के लिए अपने प्राण न्यौछावर कर दिये। आज इन शहीदों की वजह से ही गुर्जर समाज को पांच प्रतिशत एमबीसी वर्ग में आरक्षण मिला है, जिसमें समाज के हजारों बच्चे आज प्रशासनिक और राजकीय सेवा मे सेवारत है।

मैं अगले 10 साल तक फुटबॉल खेल सकते हैं। ये टेस्ट फिटनेस ट्रैकर और स्वास्थ्य निगरानी उपकरणों में विशेषज्ञता रखने वाली एक तकनीकी कंपनी ने किए थे।
– क्रिस्टियानो रोनाल्डो

दुनिया के सर्वश्रेष्ठ फुटबॉलर, अपनी फिटनेस को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

शुभमन गिल

गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल ने मौजूदा आईपीएल में टीम के बेहतरीन प्रदर्शन का श्रेय हेड कोच आशीष नेहरा को दिया। उन्होंने कहा कि पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज को पता था कि टीम को कैसे तैयार करना है। आईपीएल 2022 में डेब्यू करते हुए खिताब जीतने वाली जीटी मौजूदा सत्र में 12 मैच में 9 जीत के साथ अंक तालिका में टॉप पर है।गिल ने टीम की पहचान बनाने और गेंदबाजी इकाई को सशक्त बनाने का श्रेय पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज नेहरा को दिया। गिल ने कहा कि, मुझे लगता है कि जब गुजरात टाइटंस पहले साल में खेल रही थी तब आशीष नेहरा के पास एक स्पष्ट दृष्टिकोण था।

क्या आप जानते हैं ?... क्रिस्टियानो रोनाल्डो और लियोनेल मेसी पुरुषों के फुटबॉल में शीर्ष दो सक्रिय अंतरराष्ट्रीय गोल स्कोरर हैं।

पंजाब किंग्स का सामना आज शाम 7:30 बजे जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में दिल्ली कैपिटल्स से होगा। ये मैच पहले भारत-पाकिस्तान तनाव के बीच रद्द कर दिया गया था। अब एक बार फिर यह मुकाबला खेला जाएगा। टूर्नामेंट के दूसरे चरण में बदलाव के कारण पंजाब किंग्स बनाम दिल्ली कैपिटल्स अब मूल रूप से निर्धारित मैच नंबर 58 के बजाय मैच नंबर 66 है। इसके साथ ही जयपुर का सवाई मानसिंह स्टेडियम अब लाल रंग में रंग चुका है।

पंजाब किंग्स का लक्ष्य शीर्ष 2 में जगह बनाना

जयपुर, 23 मई । पंजाब किंग्स का लक्ष्य 11 साल बाद इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के प्लेऑफ में जगह पक्की करने के बाद शीर्ष दो में जगह बनाना है। वर्तमान में, टीम तीसरे स्थान पर है और उसका लक्ष्य शीर्ष दो में जगह बनाकर क्वालिफायर 1 में खेलने और फाइनल में पहुंचने का मौका बनाना है.

श्रेयस अय्यर की अगुआई वाली पंजाब किंग्स टीम का सामना शनिवार को जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में 66वें मैच में दिल्ली कैपिटल्स से होगा, जो पहले ही प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो चुकी है और अपने निराशाजनक सीजन का शानदार तरीके से अंत करना चाहेगी।

पंजाब इस सीजन में सबसे लगातार अच्छा प्रदर्शन करने वाली टीम रही है, जिसने 12 मैचों में 17 अंक प्राप्त किये हैं और दो मैच शेष रहते प्लेऑफ में जगह पक्की कर ली है। अय्यर ने आईपीएल 2025 में 175 के स्ट्राइक रेट से 435 रन बनाए हैं, इसके अलावा पंजाब की बल्लेबाजी को प्रभसिमरन सिंह (458 रन) और प्रियांश आर्य (356 रन) के लगातार प्रदर्शन से मजबूती मिली है। विदेशी खिलाड़ियों मार्कस स्टोइनिस और जोश इंगलिस की वापसी से टीम बल्लेबाज और गेंदबाजी में ज्यादा मजबूती मिली है।

गेंदबाजी के प्रारूप में तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने अब तक 16 विकेट चटकाकर बेहतरीन प्रदर्शन किया है। स्पिनर युजवेंद्र चहल और ऑलराउंडर हरप्रीत बरार, जिन्होंने अपने पिछले मैच में 22 रन देकर तीन विकेट चटकाए थे, संतुलित गेंदबाजी का प्रदर्शन किया है, जो खेल को नियंत्रित करने में काफी सक्षम रहे हैं। दूसरी ओर, दिल्ली कैपिटल्स ने इस सीजन में मजबूत शुरुआत के बाद संघर्ष किया है, अपने पिछले नौ मैचों में से केवल दो में जीत हासिल की है और प्लेऑफ की उम्मीदें खो दी हैं। उनकी बल्लेबाजी केएल राहुल पर काफी निर्भर है, जिन्होंने 504 रन बनाए हैं, जबकि अभिषेक पोरेल और अक्षर पटेल ने कभी-कभार टीम के लिए मददगार साबित हुए हैं।

प्रमुख गेंदबाज मिशेल स्टार्क की अनुपस्थिति ने उनके गेंदबाजी आक्रमण को कमजोर कर दिया है, हालांकि मुस्तफिजुर रहमान और कुलदीप यादव ने टीम को काफी संभालने की कोशिश की है। सवाई मानसिंह स्टेडियम की पिच से शुरुआत में अच्छा उछाल और गति की सहायता मिलने की उम्मीद है, जो तेज गेंदबाजों के लिए अनुकूल है। यह मैदान उच्च स्कोरिंग के लिए जाना जाता है, साथ ही शुष्क और गर्म मौसम भी बल्लेबाजों के अनुकूल संकेत देता है। शाम को ओस पड़ने पर लक्ष्य का पीछा करने वाली टीम के लिए यह पिच मददगार साबित हो सकती है।

पंजाब किंग्स में प्रियांश आर्य, प्रभसिमरन सिंह (विकेट कीपर), श्रेयस अय्यर (कप्तान), शशांक सिंह, नेहल वढेरा, मार्कस स्टोइनिस, अजमतुल्लाह उमरजई, मार्को जेनसन, जोश इंग्लिस/जेवियर बार्टलेट, अर्शदीप सिंह, युजवेंद्र चहल हैं।

दिल्ली कैपिटल्स में फाफ डु प्लेसिस, केएल राहुल, अभिषेक पोरेल (विकेट कीपर), अक्षर पटेल (कप्तान), ट्रिस्टन स्टब्स, आशुतोष शर्मा, विप्रज निगम, माधव तिवारी, कुलदीप यादव, दुष्मंथा चमीरा, मुकेश कुमार शामिल हैं।

गिल बन सकते हैं टेस्ट कप्तान, आज टीम का ऐलान संभव

नई दिल्ली, 23 मई। दाएं हाथ के बल्लेबाज शुभमन गिल को टेस्ट में भारतीय टीम का कप्तान बनाया जा सकता है। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने 7 मई और विराट कोहली ने 12 मई को टेस्ट से संन्यास ले लिया था। उनके रिटायरमेंट से टीम में लीडरशिप को लेकर कयास लगाए जा रहे हैं। न्यूज एजेंसी ने सूत्र के हवाले से बताया, गिल कप्तान बनने की रेस में सबसे आगे हैं। उनके अलावा, जसप्रीत बुमराह, केएल राहुल और ऋषभ पंत भी कप्तानी की रेस में बने हुए हैं। पंत अगर कप्तान नहीं बनते हैं तो उन्हें उप कप्तान बनाया जा सकता है। सिलेक्शन कमेटी शनिवार, 24 मई को इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय टेस्ट टीम का ऐलान कर सकती है। यह दौरा 20 जून से शुरू होगा। भारत को वहां 5 टेस्ट की सीरीज खेली जाएगी। शुभमन कप्तानी की रेस में सबसे आगे शुभमन कप्तानी की रेस में बुमराह से आगे चल रहे हैं। वे वनडे और टी-20 में टीम की कप्तानी कर चुके हैं। युवा बैटर्स में यशस्वी, पंत और शुभमन ही फिलहाल परमानेंट नजर आते हैं। शुभमन 25 साल के हैं और लगभग इसी उम्र में विराट ने भी कप्तानी संभाली थी। अगर शुभमन अभी कप्तान नहीं भी बने तो टीम उन्हें उप कप्तान बनाकर आगे के लिए तैयार कर सकती है। पिछले 5 सालों में दुनियाभर की पिचें बैटिंग के लिए मुश्किल रहीं। इसके बावजूद शुभमन ने बेहतरीन बैटिंग करते हुए 5 शतक लगाए हैं।

जिंक फुटबाल अकादमी ने ब्रदर्स यूनाइटेड फुटबाल क्लब को 3-0 से रौंदा

जयपुर, 23 मई। जेरथी फुटबॉल क्लब सीकर ग्राउंड, रॉयल क्लब जयपुर ओर जावर उदयपुर में मैच खेले गए राजस्थान फुटबॉल संघ के सचिव श्री दिलीप सिंह शेखावत ने बताया कि आज के दिन 4 मैच खेले गए जिसमें सभी टीमों ने उत्कर्ष प्रदर्शन किया।

प्रथम मैच :- जेरथी फुटबाल क्लब और राइजिंग जयपुर फुटबाल क्लब के बीच खेला गया एक मैच में जेरथी फुटबाल क्लब ने मैच 9-0 से जीत हासिल की। जिसमें जेरथी फुटबॉल क्लब की ओर से अमन 52,67,73 मिनट फारस 11,19 फरहान 59 आर्यन 35,71,91 मिनट ।

दूसरा मैच :- जयपुर एलीट फुटबाल क्लब और ए एस एल फुटबाल क्लब के बीच खेला गया मैच जयपुर एलीट फुटबाल क्लब ने 4-1 से जीत हासिल की। गोल ए एस एल सौरभ शर्मा 90 मिनट गोल जयपुर एलीट अनुराग 39 मिनट ,लक्ष्य 49 मिनट अशोक 68 मिनट आदित्य 93 मिनट ।

तीसरा मैच :- रीयल फुटबाल क्लब और सनराइज फुटबाल क्लब के बीच खेला गया मैच सनराइज फुटबाल क्लब ने 1-0 से जीत हासिल की। गोल सनराइज की तरफ़ से मुकेश 65 मिनट पर किया।

चौथा मैच:- जिंक फुटबाल अकादमी और ब्रदर्स यूनाइटेड फुटबाल क्लब के बीच खेला गया। जिसमें जिंक अकादमी 3-0 से विजेता रहा। जिंक अकादमी की ओर से पहला गोल करण ने 55 मिनट दूसरा संजय 75 ओर तीसरा हिमांशु ने 85 मिनट पर किए। आगामी फुटबाल लीग के मैच 25 मई को खेले जाएंगे।

ओशनिक व कुशाग्र की धुंआधार नाबाद पारियों से जीता शांति एशियाटिक स्कूल

जयपुर, 23 मई। औशीयन एकेडमी के द्वारा आयोजित ट्राइन्गुलर सीरीज के दूसरे मैच में ओशनिक ग्रोवर नाबाद 102 रन (72 बॉल) व 2 विकेट, कुशाग्र ओझा 96 रन (39 बॉल), रोनक गुप्ता के 39 रनों की बदोलत शान्ति एशियाटिक स्कूल में के.जी.पी. एकेडमी को 8 विकिट से हरा दिया। के.जी.पी एकेडमी पहले बल्लेबाजी करते हुए यश यादव 90 रन, जॉयनील के 43 रनों की सहायता से 243 रनों का लक्ष्य शान्ति एशियाटिक स्कूल को दिया। मैन ऑफ दी मैच ओशनिक ग्रोवर रहे।

इशान और कमिंस ने बिगाड़ा आरसीबी का खेल, हैदराबाद 42 रन से जीता

लखनऊ, 23 मई। विराट कोहली (43) और फिल साल्ट (62) की दमदार पारियां नवाबों के शहर लखनऊ में सनराइजर्स हैदराबाद के इशान किशन (94 नाबाद) और पैट कमिंस (28 रन पर तीन विकेट) के प्रदर्शन के आगे फीकी पड़ गयीं और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 65 मैच में शुक्रवार को 42 रन की हार के साथ मायूस होकर अंकतालिका में तीसरी पायदान खिसकना पड़ा।

अभिषेक शर्मा (34 रन) की तेज शुरुआत के बाद इशान किशन की शानदार अर्धशतकीय पारी की मदद से सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) ने छह विकेट पर 231 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया जिसके जवाब में आरसीबी की पारी निर्धारित 20 ओवर में 189 रन पर सिमट गयी। आरसीबी की अब तक खेले गये 13 मैचों में यह चौथी हार है और वह 17 अंकों के साथ अंकतालिका में गुजरात जायंट्स और पंजाब किंग्स के बाद तीसरे स्थान पर खिसक गयी है वहीं प्लेऑफ से पहले ही बाहर हो चुकी हैदराबाद की 13 मैचों में यह पांचवीं जीत है।

सनराइजर्स हैदराबाद के 232 रन का पीछा करने उतरे विराट कोहली (43) और फिल साल्ट (62) की जोड़ी ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के लिये तेज शुरुआत की और दोनो खिलाड़ियों ने पहले सात ओवर में बगैर विकेट खोये 80 रन जोड़ लिये। इस बीच कोहली ने हर्ष दुबे की गुड लेंथ गेंद को प्वाइंट की ओर खेलने के प्रयास में कैच आउट हो गये। नये बल्लेबाज मयंक अग्रवाल को नीतिश कुमार रेड्डी ने विकेट के पीछे लपकवा कर चलता किया।

गैफनी और इलिंगवर्थ करेंगे विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल में अंपायरिंग

दुबई, 23 मई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने 11 से 15 जून तक लॉड्स में खेली जाने वाली विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के लिए न्यूजीलैंड के क्रिस गैफनी और इंग्लैंड के रिचर्ड इलिंगवर्थ को शुक्रवार को मैदानी अंपायर नियुक्त किया है। दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया के बीच विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के फाइनल का मुकाबला खेला जायेगा। इलिंगवर्थ को वर्तमान आईसीसी अंपायर ऑफ द ईयर से सम्मानित किया है। वह 2021 और 2023 के फाइनल में अंपायरिंग टीम का भी हिस्सा थे। वहीं गैफनी ने पिछले साल पुरुष टी-20 विश्व कप फाइनल में अंपायरिंग में इलिंगवर्थ के साथ भागीदारी की थी और भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच डब्ल्यूटीसी 2023 फाइनल में भी अंपायरिंग की थी। इंग्लैंड के रिचर्ड केटलबोरो को टीवी अम्पायर बनाया है। भारत के नितिन मेनन को मैच का चौथा अम्पायर नियुक्त किया गया है।

श्रीकांत मलेशिया मास्टर्स के सेमीफाइनल में

बुकित जलील, 23 मई। भारत के स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत ने फ्रांस के टोमा जूनियर पोपाव को हराकर मलेशियाई मास्टर्स बैडमिंटन टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बना ली हैं। आज यहां पुरुष एकल के रोमांचक क्वार्टर फाइनल में किदांबी श्रीकांत ने फ्रांस के टोमा जूनियर पोपोव को हराने के लिए कड़ी मेहनत की। श्रीकांत ने एक घंटे 14 मिनट तक चले मैच में विश्व नंबर 18 पोपोव पर 24-22, 17-21, 22-20 से जीत दर्ज की।

इंग्लैंड 565 के स्कोर पर पारी की घोषित

नॉटिंघम, 23 मई। जैक क्रॉली (124), बेन डकेट (140) और ऑली पोप (171) रनों की शानदार शतकीय और हैरी ब्रूक (58) की अर्धशतकीय पारियों के दम पर इंगलैंड ने एकमात्र टेस्ट मैच के दूसरे दिन जिम्बाब्वे के खिलाफ छह विकेट पर 565 रन बनाने के बाद पारी घोषित कर दी। ट्रेंट ब्रिज स्टेडियम में शुक्रवार को कल के तीन विकेट पर 498 रन के स्कोर से आगे खेलना शुरु किया। अभी टीम के स्कोर में चार रन का इजाफा हुआ था कि टनका चिवंगा ने ऑली पोप को आउटकर जिम्बाब्वे को दिन की पहली सफलता दिलाई। ऑली पोप ने 166 गेंदों में 24 चौके और दो छक्के लगाते हुए (171) रनों की पारी खेली। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये कप्तान बेन स्टोक्स (नौ) और उसके बाद हैरी ब्रूक (58) रन बनाकर आउट हुये।

मैथ्यूज जून में टेस्ट क्रिकेट से लेंगे संन्यास

कोलंबो, 23 मई। श्रीलंका के पूर्व कप्तान और ऑलराउंडर एंजेलो मैथ्यूज जून में बंगलादेश के खिलाफ पहले टेस्ट मैच के बाद टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लेंगे। एंजेलो मैथ्यूज ने शुक्रवार को अपने सोशल मीडिया मंच पर अपने संन्यास की घोषणा करते हुए कहा कि वह सीमित ओवरों की क्रिकेट के लिए जब भी देश को जरुरत होगी वह उपलब्ध रहेंगे। मैथ्यूज को एक साल से अधिक समय से किसी भी सीमित ओवर मैच के लिए श्रीलंका टीम में शामिल नहीं किया गया है। गॉल में होने वाला यह आगामी टेस्ट उनके टेस्ट करियर का 119वां और अंतिम मुकाबला होगा। उन्होंने एक्स पर लिखा, मेरे मित्रो और परिवार, दिल से धन्यवाद और अनगिनत यादों के साथ, अब टेस्ट क्रिकेट से विदाई लेने का समय आ गया है।

बारिश के कारण वेस्टइंडीज बनाम आयरलैंड मैच हुआ रद्द

डबलिन, 23 मई। बारिश के कारण वेस्टइंडीज और आयरलैंड के बीच शुक्रवार को खेला जा रहा दूसरा एकदिवसीय मैच रद्द कर दिया गया। लगातार हो रही बारिश के कारण दूसरी पारी में एक भी गेंद नहीं फेंकी जा सकी। इससे पहले केसी कार्टी (102) रनों की शतकीय, मैथ्यू फोर्ड (58), शे होप (49) और जस्टिन ग्रीव्स (नाबाद 44) रनों की पारियों के दम पर वेस्टइंडीज ने आयरलैंड को जीत के लिए 353 रनों का लक्ष्य दिया था।

आज यहां कैसल ऐवन्यू स्टेडियम में आयरलैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी वेस्टइंडीज की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने अपना पहला विकेट 20 और उसके बाद दूसरा विकेट 46 के स्कोर पर गवां दिया। ब्रैंडन किंग (आठ) और एविन लुइस (20) रन बनाकर आउट हुये। इसके बाद केसी कार्टी और कप्तान शे होप की जोड़ी ने पारी को संभाला और तेजी के साथ रन बटोरे। दोनों बल्लेबाजों के बीच तीसरे विकेट के लिए 81 रनों की साझेदारी हुई। 23वें ओवर में लियाम मैकार्थी ने शे होप को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। शे होप ने 57 गेंदों में पांच चौके और एक छक्का लगाते हुए (49) रनों की पारी खेली। आमिर जंगू (13) को जॉर्ज डॉकरेल ने आउट किया।

वेस्टइंडीज का पांचवां विकेट 37वें ओवर में केसी कार्टी के रूप में गिरा। केसी कार्टी ने 109 गेंदों में 13 चौके और एक छक्का लगाते हुए (102) रनों की शतकीय पारी खेली। 44वें ओवर की पहली गेंद पर रॉस्टन चेज (24) रन बनाकर आउट हुये। उन्हें बैरी मकार्थी ने आउट किया।

हम अपने सभी बल्लेबाजों के प्रदर्शन से खुश हैं : ब्रैड हैडिन

श्रेयस अय्यर की बल्लेबाजी स्थिति में बदलाव से इंकार किया

जयपुर, 23 मई। पंजाब किंग्स के सहायक कोच ब्रैड हैडिन ने जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ अगले आईपीएल मुकाबले से पहले आज मीडिया को संबोधित किया। हैडिन ने अपनी टीम की बल्लेबाजी इकाई पर पूरा भरोसा जताया और टूर्नामेंट के बाकी बचे मैचों के लिए टीम के रणनीतिक लक्ष्यों को रेखांकित किया। हैडिन ने पूरे टूर्नामेंट में टीम के बल्लेबाजी प्रदर्शन की जमकर तारीफ की और कप्तान श्रेयस अय्यर के बल्लेबाजी क्रम में किसी भी बदलाव से इनकार किया, जिन्होंने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ पिछले मैच में निचले क्रम में बल्लेबाजी की थी। हमारा शीर्ष क्रम शानदार रहा है। हमारे कप्तान ने नंबर 3 पर शानदार प्रदर्शन किया है। हमने शशांक और उमर (ओमरजई) को कई मौकों पर देखा है। जब उनकी ज़रूरत पड़ी, तो उन्होंने आकर बहुत अच्छा खेला। शशांक ने दो बार 50 रन बनाए, उमर ने भी ऐसा ही किया। टूर्नामेंट के इस चरण में, हम अपने सभी बल्लेबाजों के प्रदर्शन से खुश हैं, हैडिन ने पुष्टि की। पिछले मैच में कप्तान की अपनी सामान्य बल्लेबाजी स्थिति से हाल ही में अनुपस्थिति पर बात करते हुए, हैडिन ने स्पष्ट किया, ''यह उस दिन की परिस्थितियों के कारण था। अपनी उंगली के साथ मैदान पर उतरना वास्तव में एक साहसी प्रयास था। इसलिए उन्होंने खेल के पिछले हिस्से में बाउंड्री के आसपास दौड़ते हुए भूमिका निभाई। लेकिन हाँ, वह नंबर 3 पर अपनी सामान्य स्थिति में वापस आ जाएगा। वह न केवल एक बल्लेबाज के रूप में, बल्कि पूरे टूर्नामेंट में एक नेता के रूप में भी शानदार रहा है।'' लॉकी फर्ग्यूसन के प्रतिस्थापन के रूप में किंग्स में शामिल हुए मिशेल ओवेन ने पिछले गेम में टीम के लिए पदार्पण किया।हालांकि वह मैच में बल्ले से अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए, लेकिन सहायक कोच ने उन पर बहुत भरोसा दिखाया और आने वाले मैचों में उनकी वापसी को लेकर सकारात्मक हैं। यह आश्वासन देते हुए कि मार्श अब परिस्थितियों के लिए अच्छी तरह से तैयार हैं, हैडिन ने कहा, ''मुझे लगता है कि मिच के पास जो एक चीज है, वह है विशुद्ध रूप से क्रूर शक्ति। उसे जो मिलने वाला है, उसके अनुकूल होने के लिए उसे अब एक सप्ताह से अधिक का समय मिल गया है। वह अब परिस्थितियों को समझता है। वह हमारे भारतीय बल्लेबाजों से बहुत बात कर रहा है, वह कोचिंग स्टाफ से बहुत बात कर रहा है। इसलिए उम्मीद है कि मिच अपने अगले अवसर पर वैसा ही खेलेगा जैसा हम चाहते हैं।'' क्वालीफाई करने के बावजूद, हैडिन ने जोर देकर कहा कि टीम निरंतर सुधार, अपने प्रदर्शन में निरंतरता बनाए रखने और स्पष्ट लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए प्रतिबद्ध है। ''बाहर से यह अच्छा है कि हमने क्वालीफाई कर लिया है, लेकिन हमने कुछ समय पहले समूह से खेल खेलने और जिस तरह का खेल हम खेलना चाहते हैं, उसके बारे में बात की थी और हमारे पास कुछ स्पष्ट लक्ष्य हैं, जहां हम अंत में समाप्त करना चाहते हैं। और मुझे लगता है कि आप अगले कुछ खेलों में इसे देखेंगे,'' उन्होंने कहा।हैडिन ने टीम की मौजूदा टीम की गहराई पर संतोष व्यक्त करते हुए निष्कर्ष निकाला, जो कोचिंग और चयन कर्मचारियों को परिस्थितियों के अनुसार अलग-अलग संयोजनों को आजमाने की अनुमति देता है। टीम की प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि इस समय हमारे पास विलासिता है, हम कुछ अलग-अलग संयोजनों के साथ जा सकते हैं। और इस समय मुझे जो पसंद आ रहा है, वह यह है कि सभी खिलाड़ी खेलने के लिए भूखे हैं। वे मैदान पर उतरने के लिए भूखे हैं। प्रशिक्षण अत्यधिक प्रतिस्पर्धी है और यही वह जगह है जहाँ आप अपने समूह को इस स्तर पर रखना चाहते हैं।''

करौली जिला क्रिकेट संघ की सदस्यता को खेल सचिव ने फिर से बहाल किया

जयपुर, 23 मई । खेल सचिव नीरज के पवन ने करौली जिला क्रिकेट संघ की सदस्यता को खेल सचिव ने फिर से बहाल कर दिया है, ये आदेश - उप रजिस्ट्रार सहकारिता की कार्रवाई पर रोक लगते हुए दिया है। उप रजिस्ट्रार ने जिला क्रिकेट संघ करौली की सदस्यता समाप्त कर दू थी, इसके ख़िलाफ़ खेल सचिव के समक्ष अपील की गई थी। इससे पहले उप रजिस्ट्रार सहकारिता के आदेश के ख़िलाफ़ राजस्थान हाईकोर्ट में याचिका भी कर दायर की गई थी जिस पर हाईकोर्ट के जज सुदेश बंसल ने यह कहते हुए याचिका निस्तारित कर दी थी कि खेल सचिव के समक्ष अपील दायर की जानी चाहिए। खेल सचिव नीरज के पवन ने शिवचरण माली की अपील पर 23 मई की सुनवाई नियत की थी। सुनवाई के बाद नीरज के पवन ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद उप रजिस्ट्रार सहकारिता, करौली की कार्रवाई पर रोक लगा दी। साथ ही क्रिकेट करोली क्रिकेट संघ बहाल कर दिया अब नए सिरे से करौली क्रिकेट संघ के चुनाव हो सकेंगे। करोली क्रिकेट संघ के अध्यक्ष शिवचरण माली ने इसे न्याय की जीत बताया है। करोली क्रिकेट संघ के पूर्व अध्यक्ष ओमप्रकाश पाठक, अनिल शर्मा, अरुण शर्मा संजय पाल, पुष्पेंद्र शर्मा, गोपाल सिंह, रवि पाठक अभी क्रिकेट प्रेमियों ने इस फैसले का स्वागत किया है। केस की अगली सुनवाई 30 मई को खेल सचिव के यहां पर होगी।

गर्वितराज के ऑलराउंड प्रदर्शन, आरव व बंटी की गेंदबाजी से एलिट 1 रन से जीता

जयपुर, 23 मई। यूनियन क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित 27वीं नवीन-नफीस स्मृत्ति क्रिकेट प्रतियोगिता में आज नेना क्रिकेट एकेडमी जगतपुरा पर खेले गये पूल-जी के मैच में गर्वित राज 22 रन व 11 रन पर 2 विकेट ऑलराउण्ड प्रदार्शन तथा आरव चौधरी 4 ओवर में 6 रन देकर 2 विकेट, बन्टी शर्मा 2 ओवर में 2 रन देकर 2 विकेट की शानदार गेन्दबाजी के चलते उतार चढ़ाव भरे मैच में एलिट क्रिकेट एकेडमी ने मेहर क्रिकेट क्लब को मात्र 1 रन से हरा कर 2 अंक अर्जित किये।

टॉस जीतकर एलिट क्रिकेट एकेडमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुये मोहम्मद फराज 20 रन व सोहन 12 रन ने 30 रन जोड़कर ठीकताक शुरूआत की लेकिन नव्यांश 20 रन पर 3 विकेट यश जैन 22 रन पर 2 विकेट, राज यादव 19 रन पर 2 विकेट में शानदार गेन्दबाजी करते हुये 14.1 ओवर में स्कोर 8 विकेट खोकर 71 रन कर दिया इस स्थिति में गर्वित राज 22 रन ने रोबिन सिंह 6 रन नाबाद के साथ मिलकर 28 रनों की महत्वपूर्ण साझेदारी निभाकर अपनी टीम का स्कोर 19.3 ओवर में ऑलआउट होने से पूर्व 99 रन पहुँचा दिया। 100 रन के विजय लक्ष्य को लेकर खेलने उत्तरी मेहर क्लब का स्कोर एक समय 7.3 ओवर में 2 विकेट खोकर 59 रन था और उसकी जीत निश्चित लग रही थी लेकिन अण्डर 14 व अण्डर 16 आयु वर्ग के आरव चौधरी 4 ओवर में 6 रन देकर 2 विकेट, गर्वित राज 4 ओवर में 11 रन देकर 2 विकेट तथा बन्टी शर्मा 2 ओवर में 2 रन देकर 2 विकेट ने बहुत किफायती गेन्दबाजी व बढ़ीया क्षेत्ररक्षण करते हुये मेहर क्लब की टीम को 19 ओवर में 98 रन पर समेट कर 1 रन से रोमांचक जीत दर्ज कर ली।मैच का मैन ऑफ दा मैच गर्वित राज (22 रन व 11 रन पर 2 विकेट)।

हेजलवुड प्लेऑफ में कर सकते है वापसी

बेंगलुरु, 23 मई। चोट से उबर चुके ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी जॉश हेजलवुड इंडियन प्रीमियर लीग 2025 के प्लेऑफ के लिए रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) में वापसी कर सकते हैं। हेजलवुड कंधे की चोट के रिहैब से गुजरने के बाद वह पूरी तरह फिट हो चुके हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार वह प्लेऑफ के लिए आरसीबी के लिए वापसी कर सकते है। हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि अभी तक नहीं हुई है। वह आईपीएल के स्थगन से पहले आरसीबी के लिए पिछला मैच नहीं खेल पाए थे।

पीटी क्रिकेट क्लब ने जहीरुल हसन क्लब को हराया

जयपुर, 23 मई। जयपुर जिला क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित अनुराग मिश्रा स्मृति बी डिवीजन लीग के नॉक आउट मुकाबले आज से के एल सैनी स्टेडियम पर आरंभ हुए। पहले क्वार्टर फाइनल मैच में पी टी क्रिकेट क्लब (इंडिया पोस्ट) ने जहीरुल हसन क्लब को 3 विकेट से हराकर सेमी फाइनल में प्रवेश किया। आज प्रात: जहीरुल हसन क्लब ने टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए अभिजीत तोमर के 28 रन, सियाराम के 13 रन, आलोक गुर्जर के 76 रन, राज शर्मा के 96 रन, आशीष के 45 रनों से 40 ओवर में 6 विकेट पर 279 रन बनाए। पी टी क्रिकेट क्लब (इंडिया पोस्ट) के लिए चन्द्र पाल सिंह ने 36 पर 3, नरेश गहलोत ने 61 पर 2 व अभिमन्यु लांबा ने एक विकेट लिया। जवाबी पारी में पी टी क्रिकेट क्लब (इंडिया पोस्ट) ने नरेश गहलोत के 40 रन, सौरभ चौहान के 23 रन, भैरा राम के 82 रन, अजीम अख्तर के 71 रन व चंद्र पाल सिंह के 43 रनों से 39.4 ओवर में 7 विकेट पर 284 रन बनाकर मैच जीत लिया। जहीरुल हसन क्लब के लिए पंकज कटारिया ने 47 पर 2, आर्यन सैनी, गर्वचार्य, अभिजीत तोमर, लाला राम व मुकेश जाट ने एक - एक विकेट लिया। दूसरा क्वॉर्टर फाइनल मैच अरावली क्रिकेट क्लब व इलेवन स्टार क्रिकेट क्लब के मध्य खेला जाएगा।

अंता विधायक कंवर लाल मीणा की विधानसभा सदस्यता समाप्त

विधानसभा अध्यक्ष देवनानी ने दोष सिद्धी की तारीख से कंवरलाल को सदस्यता से अयोग्य घोषित किया

- **कंवर लाल मीणा को एस.डी.एम. को पिस्टल दिखाने के बीस साल पुराने मामले में सन् 2020 में 3 साल की सज़ा हुई थी। गत एक मई को राजस्थान हाईकोर्ट ने सज़ा बरकरार रखी थी। उच्चतम न्यायालय ने भी उन्हें राहत नहीं दी तो 21 मई को कंवर लाल ने मनोहर थाना कोर्ट में आत्म समर्पण किया।**

जयपुर, 23 मई। राजस्थान विधानसभा में बारां जिले में अंता विधानसभा क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक कंवर लाल मीणा को एक मामले में तीन साल की सजा होने के बाद विधानसभा की सदस्यता से अयोग्य घोषित कर दिया गया है।

विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कंवरलाल को राजस्थान विधानसभा की सदस्यता से दोष सिद्धि की तारीख से अयोग्य कर दिया। देवनानी ने बताया कि शुक्रवार को सुबह साढ़े दस बजे महाधिवक्ता की विधिक राय प्राप्त होते ही कंवरलाल की सदस्यता अयोग्य कर दी गई।

उन्होंने बताया कि अंता से विधायक कंवरलाल दोष सिद्धि की दिनांक से भारतीय संविधान के अनुच्छेद 191(1)(ई) सहपठित लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 8 (3) के तहत निरर्हित (अयोग्य) हो गए है। उन्होंने बताया कि इससे राजस्थान विधानसभा में एक स्थान अंता रिक्त हो गया है।

उल्लेखनीय है कि कंवरलाल मीणा को करीब बीस साल पुराने एसडीएम को पिस्टल दिखाने और सरकारी कार्य में बाधा डालने के मामले में तीन साल की सजा हुई थी और इस मामले में गत सात मई को उच्चत्तम न्यायालय से राहत नहीं मिलने के बाद मीणा ने 21 मई को झालावाड़ा जिले में अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (एसीजेएम) कोर्ट मनोहरथाना में आत्मसमर्पण कर दिया था और इसके बाद विधायक को जेल भेज दिया गया। तीन फरवरी 2005 को झालावाड़ ज़िले के मनोहर थाना क्षेत्र में उपसरपंच चुनाव के दौरान मीणा ने एसडीएम रामनिवास मेहता को पिस्तौल दिखाकर वोटों की दुबारा गिनती कराने के लिए धमकी दी थी। इस मामले में निचली अदालत में वे वर्ष 2018 में बरी हो गए थे, लेकिन एडीजे कोर्ट अकलेरा ने 2020 में उन्हें दोषी करार देते हुए तीन साल की सजा सुनाई। इसके बाद मीणा ने उच्च न्यायालय की शरण ली, लेकिन वहां भी मीणा को राहत नहीं मिली और उच्च न्यायालय ने गत एक मई को यह सजा बरकरार रखी और इसके बाद उच्चत्तम न्यायालय से भी उन्हें राहत नहीं मिली।

कंवरलाल मीणा के विधानसभा सदस्यता से अयोग्य घोषित होने के बाद देवनानी ने विपक्ष द्वारा लगाये गये आरोपों पर कहा कि वे किसी भी प्रकार के दबाव में कार्य नहीं करते हैं। उन्होंने कहा कि वह किसी भी मामले में उससे सम्बंधित प्रत्येक पहलू का गहन अध्ययन करके ही विधि सम्मत और न्याय सम्मत ही निर्णय लेते है। इससे पहले भी विधानसभा से संबंधित अनेक विषयों पर विधानसभा के तत्कालीन अध्यक्षों ने बहुत अधिक समय लिया है। उन्होंने कहा कि इस मामले में किसी भी प्रकार की राजनीति नहीं की जानी चाहिए।

देवनानी ने कहा कि विधायक कंवरलाल के संबंध में न्यायालय द्वारा दिये गये फैसले के दिन ही राज्य के महाधिवक्ता को विधिक राय दिये जाने के लिये निर्दिष्ट कर दिया गया था। ऐसे मामलों में दोष सिद्धि की दिनांक से ही विधानसभा सदस्य, विधानसभा की सदस्यता से निरर्हित हो जाता है। विधानसभा सीट के रिक्त होने की सूचना राजस्थान विधानसभा द्वारा जारी की जाती है।

देवनानी ने बताया कि भारतीय संविधान के अनुच्छेद 177 में राज्य के महाधिवक्ता को विधानसभा के सदन में कार्रवाई में भाग लेने और राय देने का अधिकार होता है।

'एपल ने भारत में आईफोन बनाया तो 25% टैक्स लगेगा'

- **डॉनल्ड ट्रंप ने एपल के सी.ई.ओ. टिम कुक को खुली धमकी दी।**

नई दिल्ली, 23 मई। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प ने बहुराष्ट्रीय प्रौद्योगिकी कंपनी एपल को सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि यदि अमेरिका में बिकने वाले आईफोन का विनिर्माण भारत या किसी अन्य देश में किया गया तो कंपनी को 25 प्रतिशत टैरिफ देना होगा।

ट्रम्प ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर शुक्रवार को एक पोस्ट में कहा, "मैंने बहुत पहले एपल के सीईओ (मुख्य कार्यकारी अधिकारी) टिम कुक को स्पष्ट रूप से बता दिया था कि मैं चाहता हूं कि अमेरिका में बिकने वाले आईफोन का निर्माण अमेरिका में ही हो, भारत या अन्य किसी देश में नहीं।"

यदि एपल ऐसा नहीं करती है तो उसे अमेरिका को 25 प्रतिशत आयात शुल्क चुकाना पड़ेगा।

जस्टिस अभय एस. ओका सेवानिवृत

नयी दिल्ली, 23 मई। उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई ने शुक्रवार को कहा, मैं और न्यायमूर्ति अभय एस ओका ने सेवानिवृत्ति के बाद कोई भी पद स्वीकार नहीं करने का सचेत फैसला किया।

न्यायमूर्ति गवई ने न्यायमूर्ति ओका के अंतिम कार्य दिवस पर सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन की ओर से आयोजित विदाई समारोह में ये घोषणा की। न्यायमूर्ति गवई मुख्य न्यायाधीश का पद संभाले के दिन भी अपने बारे में ये बात कह चुके हैं। न्यायाधीशों और अधिवक्ताओं ने न्यायमूर्ति ओका को गर्मजोशी और सम्मान के साथ विदाई दी। न्यायमूर्ति ओका का अंतिम दिन असाधारण समर्पण से भरा रहा, क्योंकि वह अपनी मां के निधन के ठीक एक दिन बाद काम पर लौटे और पीठ से दस फैसले सुनाए। मुख्य न्यायाधीश गवई की अध्यक्षता वाली औपचारिक पीठ में न्यायाधीशों, वरिष्ठ अधिवक्ताओं और कानून अधिकारियों की ओर से भावात्मक विदाई दी गई। मुख्य न्यायाधीश ने न्यायमूर्ति ओका को एक उत्कृष्ट न्यायाधीश और असाधारण सहयोगी बताते हुए संवैधानिक मूल्यों के प्रति उनकी अटूट निष्ठा पर प्रकाश डाला।

'तमन्ना भाटिया ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जताई है और कहा कि केएसडीएल कन्नड़ लोगों के गौरवशाली इतिहास का हिस्सा है। ऐसे में किसी गैर-कन्नड़भाषी को इसका चेहरा बनाना अनुचित है

सामाजिक कार्यकर्ता मरिलिंगेगौड़ा पाटिल ने इस मुद्दे को लेकर मुख्यमंत्री सिद्धारमैया से शिकायत की है। सरकार का कहना है कि तमन्ना को ब्रैंड एंबेसडर बनाने का फैसला पूरी तरह व्यवसायिक दृष्टिकोण पर आधारित है और इसमें किसी की क्षेत्रीय पहचान का कोई संबंध नहीं है मंत्री के अनुसार, इस पद के लिए दीपिका पादुकोण, रश्मिका मंदाना (दोनों कर्नाटक की निवासी) और कियारा आडवाणी जैसी अन्य लोकप्रिय अभिनेत्रियों पर भी विचार किया गया था।

जिन विद्यार्थियों को अपनी नौकरियाँ...

- **अमेरिका द्वारा मेधावी विदेशी विद्यार्थियों को अमेरिका में प्रवेश पर नियंत्रण करने से, अब अमेरिका में ''ब्रेन ड्रेन'' की स्थिति बनेगी। चीन के एक दार्शनिक ने कटाक्ष किया, ''मज़ा आ रहा है, अमेरिका को ''आत्महत्या'' करता देखकर।''**
- **क्या भारत को, भारतीय विद्यार्थियों को, जो अमेरिका से निकाले जा रहे हैं, वापस भारत में बुलाने व काम करने के लिए कुछ पैकेज नहीं देना चाहिए।**

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

में अग्रणी बना है।

यदि नये ज्ञान और खोजों का यह स्रोत समाप्त हो गया तो अमेरिका व्यापक क्षेत्रों में अग्रणी नहीं रह पायेगा।

इस प्रतिबंध को, खासकर चीनियों ने नकारात्मक रूप में लिया गया है और वहाँ सोशल मीडिया पर विदेशी छात्रों पर लगे प्रतिबंधों को लेकर जबरदस्त प्रतिक्रिया हो रही है। चीन के एक लोकप्रिय चैट प्लेटफॉर्म पर एक चीनी नागरिक ने लिखा: अमेरिका को खुद को नष्ट करते देखना बहुत मजेदार है।

एक अन्य ने लिखा कि हावर्ड और अन्य आइवी लीग संस्थान चीन के मध्यवर्ग के लिए एक सपना हैं और इनमें प्रवेश मिलने को जीवन में प्रगति की सर्वोच्च उपलब्धि माना जाता है।

प्रशासन में कुछ लोगों को इस बात की आशंका है कि चीनी छात्र और शोधकर्ता अमेरिकी संस्थानों से संवेदनशील सामग्री चुपचाप चुरा सकते हैं। कई बार तो ये मामले बहुत बाद में सामने आते हैं।

भारतीय छात्र अमेरिका के शीर्ष श्रेणी के संस्थानों का एक बड़ा हिस्सा हैं। इनमें से कई छात्र अमेरिका में ही रुक जाते हैं और वहां के अकादमिक, औद्योगिक और अनुसंधान क्षेत्र को समृद्ध बनाते हैं। हाल ही में, ऐसे छात्रों ने अमेरिकी कॉर्पोरेट जगत में भी ऊँचाइयों को छुआ है।

अमेरिकी उद्योग और शिक्षा क्षेत्र में भारतीयों के योगदान को व्यापक रूप से सराहा गया है।

वर्तमान प्रतिबंधों के संदर्भ में, अब भारतीय छात्रों और उनके अमेरिका में रहने पर भी नजर रखी जाएगी।

अब आवश्यक यह है कि इन प्रतिभाओं को कैसे भारत वापस लाया जाए, ताकि भारतीय अनुभव को और समृद्ध किया जा सके। सरकार को इस स्थिति के लिए अभी से योजना बनानी चाहिए।

भारत पूरी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सहायता मंजूर की, जिसमें 11 शर्तें लगाई गईं।

एक उच्चस्तरीय सूत्र ने नाम गोपनीय रखने की शर्त पर बताया कि आईएमएफ ऋण को रोकने में भारत की विफलता के पीछे की असली कहानी यह है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप, जिन्हें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपना मित्र बताते हैं, इस्लामाबाद को आईएमएफ ऋण से वंचित करने के पक्ष में बिल्कुल नहीं थे।

उन्होंने कहा, एक अन्य राजनीतिक सूत्र ने कहा कि सरकार की मीडिया प्रबंधन टीमें मीडिया में यह दिखाने की कोशिश कर रही हैं कि भारत असफल नहीं हुआ।

दिवंगत पुत्र ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पत्र को आंशिक रूप से स्वीकार करते हुए बिना नॉमिनी घोषित संपत्तियों में ही मां को समान राशि प्राप्त करने का हकदार माना था। इस आदेश को हेमलता शर्मा ने हाईकोर्ट में चुनौती देते हुए कहा कि उसके बेटे आनंद दाधीच की 1.07 करोड़ की राशि में से उसका एक-तिहाई हिस्सा 35,92,412 रुपए दिलाए जाने के आदेश दिए जाएं। याचिका में कहा गया कि भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम के अंतर्गत बेटे की संपत्ति में मां का भी समान हक एवं अधिकार हैं। इसके अलावा नॉमिनेशन एक कानूनी व्यवस्था है, जो किसी व्यक्ति को मालिक की मृत्यु के बाद कानूनी उत्तराधिकारियों के लिए संपत्ति का प्रबंधन करने और उसे ट्रस्ट में रखने के लिए नामित करती है। संपत्ति का स्वामित्व नॉमिनेशन के ज़रिए नॉमिनी व्यक्ति को हस्तांतरित नहीं किया जाता है।

रिश्वत प्रकरण ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

एमएलए है और उसके फरार होने की कोई संभावना नहीं है। इसलिए उसे जमानत दी जाए। इसके विरोध में एसीबी की विशेष लोक अभियोजक शालिनी गौतम व शिकायतकर्ता के अधिवक्ता गौरीशंकर खंडेलवाल ने बताया कि मामले में किए गए अनुसंधान से स्पष्ट है कि आरोपी ने करौली जिले स्थित खानों के सही नहीं चलने के संबंध में लगाए गए प्रश्नों को डिलीट करने के लिए 2.50 करोड़ रुपए की रिश्वत मांगी और पहली किश्त 20 लाख रुपए दलालों के जरिए ली। मामले में अनुसंधान जारी है।

'महिला अफसर को ''रिलीज़''..

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बैंच ने केन्द्र एवं आई ए एफ की ओर प्रस्तुत एडिशनल सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी से आफिसर को स्थाई कमीशन न दिये जाने का कारण पूछा।

भाटी ने बताया कि वे (ऑफिसर) सशस्त्र सेना पृष्ठभूमि से हैं तथा इसलिए उन्हें इस प्रकार के ऑफिसरों की दुर्दशा की जानकारी है, लेकिन भाटी ने यह भी कहा कि चयनबोर्ड ने ऑफिसर को अनफिट पाया था। भाटी ने कहा कि ऑफिसर विभाग को कोई पत्र लिखे बिना ही सीधी सर्वोच्च न्यायालय आ गई। एडवोकेट ने बैंच को सूचित किया कि दूसरा चयन बोर्ड इनके प्रकरण पर विचार करेगा।

बैंच ने आदेश दिए कि पांडेय को आगामी आदेश तक सेवामुक्त नहीं किया जाएगा तथा सुनवाई की अगली तारीख 6 अगस्त दे दी गई।

हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि इस आदेश से अधिकारी के पक्ष में कोई मामला नहीं बनेगा और उसके केस के सभी तर्क दावे खुले रहेंगे।

भाटी ने कहा उन्हें अधिकारी के सेवा में बने रहने पर कोई आपत्ति नहीं है क्योंकि सशस्त्र बलों के अधिकांश अफसर बहुत ही शानदार है पर मुद्दा मूलतः तुलनात्मक योग्यता व सेना का युवा बनाए रखने की आवश्यकता से संबंधित है।

उन्होंने कहा वायु सेना "पिरामिड शैली" का पालन करती है जिसमें कुछ अफसरों को 14 साल की सेवा के बाद पद छोड़ना होता है ताकि उनकी जगह नए अफसर ले सकें।

न्यायमूर्ति कांत ने भाटी से कहा कि सशस्त्र बलों में इतनी क्षमता होनी चाहिए की सभी एस एस सी अधिकारियों को, यदि वे उपयुक्त पाए जाएं, तो स्थायी कमीशन में शामिल किया जा सके। उन्होंने कहा, "महिला अधिकारियों ने अत्यंत अच्छा प्रदर्शन किया है। जब लंबे समय तक उन्हें स्थायी कमीशन नहीं मिलता, तभी एस एस सी के माध्यम से भर्ती होती है। यही कारण है कि 10, 12 या 15 वर्षों के बाद आपसी प्रतिस्पर्धा पैदा होती है। यदि आपके पास 100 एस एस सी अधिकारी हैं, और वे उपयुक्त हैं, तो आपकी नीति में 100 को स्थायी कमीशन देने की क्षमता होनी चाहिए।"

इस पर भाटी ने कहा कि सामान्यतः 100 में से लगभग 90-95 प्रतिशत अधिकारी फिट पाए जाते हैं, लेकिन कुछ केवल तुलनात्मक योग्यता के कारण चयन से बाहर हो जाते हैं।

उन्होंने कहा "पदों की संख्या सीमित होती है, और यह एक बहुत तीखे ढलान वाला पिरामिड संरचना है।"

कोटा में...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हो चुके हैं। जज ने पूछा, ये बच्चे आत्महत्या क्यों कर रहे हैं और केवल कोटा में ही क्यों? क्या आपने एक राज्य के रूप में इस पर विचार नहीं किया? क्या सरकार ने इस समस्या की जड़ तक पहुंचने की कोशिश की है।

राजस्थान सरकार के वकील ने जवाब देते हुए कहा कि आत्महत्या के मामलों की जांच के लिए राज्य में एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया गया है।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादकः- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालयः-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालयः-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्सः 0151-2527371 उदयपुर कार्यालयः-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोनः 2413092, 2418945, फैक्सः 0294-2410146 अजमेर कार्यालयः-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोनः 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोनः 226422, 226423, फैक्सः 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोनः 230200, 230400, फैक्सः 07469-230600 चूरू कार्यालयः एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोनः 256906, 256907, फैक्स:01562-256908